फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 312 प्रभात जयपुर, बुधवार 14 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Amritsar was Born in Lahore...

Lahore and Amritsar: Two cities joined at birth are dying together. All traces of a pre-Pakistan Lahore have been left to die

BOOKWORM: Best Sci-Fi Books

Most Expensive Mango Variety | A delectable tropical treat with several health benefits

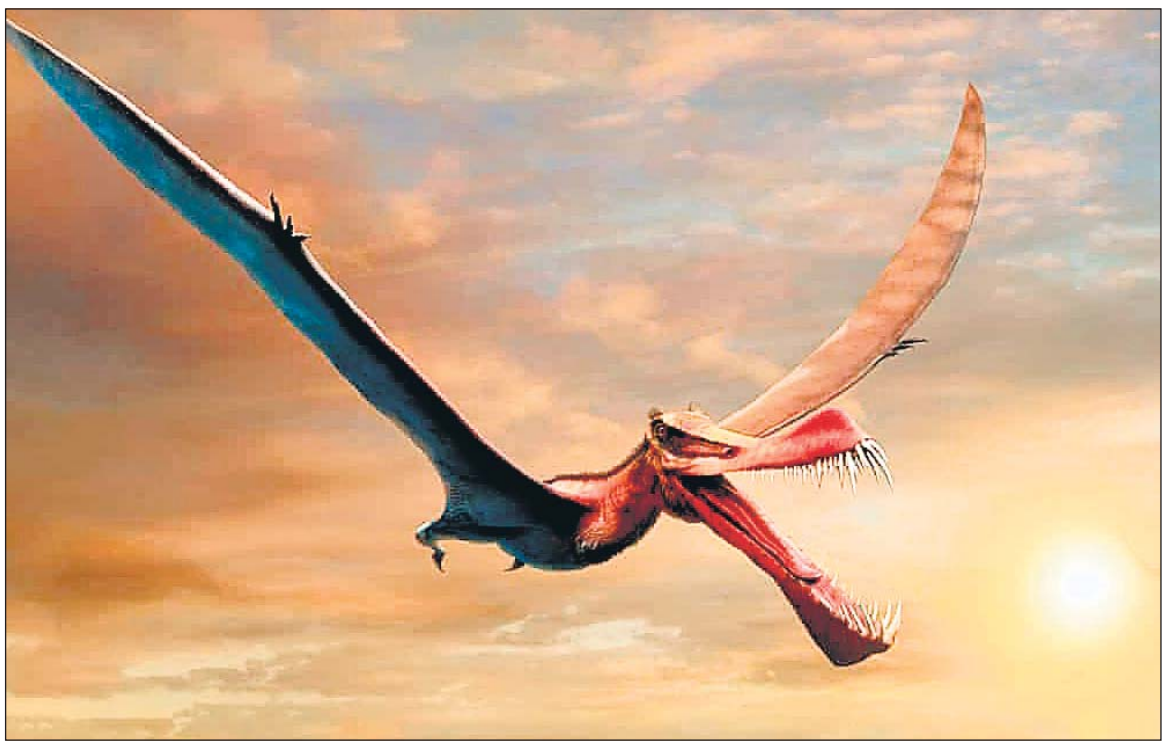

एक दुर्लभ जीवाश्म से टैरसॉर की नई प्रजाति का पता चला है, जिसके पंखों का फैलाव 23 फुट तक था। इसकी खोपड़ी तीन फुट लम्बी थी और स्नाउट (थूथन) नुकीला था और मुँह में 40 तीखे दांत थे। एक कलाकार ने अपनी कल्पना के आधार पर इसकी (ऊपर दी गई) तस्वीर बनाई है। जर्नल ऑफ द वर्टिब्रेट पेलिअनटॉलजिस्ट में छपे एक नए शोध के अनुसार लगभग 105 मिलियन साल पहले आस्ट्रेलिया में पंखों वाला एक विशाल रैप्टाइल (सरीसृप) मिलता था। यह जीव, लुप्त हो चुके फ्लाइंग रैप्टाइल्स के समूह, जिन्हें टैरसॉर्स कहते थे, का नवीनतम सदस्य था और ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप का सबसे बड़ा फ्लाइंग रैप्टाइल था। युनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड के शोध छात्र व सहायक शोध लेखक टिम रिचर्ड्स ने एक वक्तव्य में कहा कि, यह जीव यह बहुत भयावह दिखता था, बिल्कुल ड्रैगन जैसा। संभवतः यह एरोमांगा इनलैण्ड सी के पास रहता था और मछलियों का शिकार करता था। हालांकि इस जीव का जीवाश्म नॉर्थवेस्ट क्वीन्सलैंड के पास दस साल पहले मिला था, पर, शोधकर्ता यह साबित नहीं कर पाए थे कि, यह एक नई प्रजाति है। टैरसॉर की 200 प्रजातियां हैं, जिसमें 16 फुट लम्बे जीव से लेकर गौरैया के आकार के जीव शामिल हैं। टैरसॉर ना केवल उड़ सकते थे बल्कि तैरने में भी माहिर थे। युनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड की टीम को इस जीव के आकार व विशिष्टता का पता इसके जबड़े के विश्लेषण से लगा है। उन्होंने इसे ''तापुन्गाका शाय'' नाम दिया है। यह शब्द ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के एक ग्रुप, वानामारा नेशन की अब लुप्त हो चुकी भाषा का है। शोध लेखक स्टीव सैलिसबरी ने बताया कि, तापुन और गाका का अर्थ है, क्रमशः भाला और मुंह। सैलिसबरी, जो यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड में जीवाश्म वैज्ञानिक हैं, ने बताया कि, क्योंकि, इस जीव की हड्डियां हल्की और भुरभुरी होती हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलिया व विश्व में कहीं भी इनके जीवाश्म मिलना काफी बड़ी चुनौती है। परिणाम स्वरुप, पेलिअन्टॉलजिस्ट्स के लिए इनका जीवन रहस्यपूर्ण बना हुआ है। गत माह ही यू.के. की एक रिसर्च टीम को पता लगा कि, इन जीवों के बच्चे, अण्डे से निकलने के कुछ ही समय के अंदर उड़ सकते थे। इनके जीवाश्म की खोज से सबसे खास बात यह पता चली है कि, इनके ऊपरी व निचले जबड़े पर ''हड्डी के शिखर '' जैसी संरचना थी।

'अभी जल्दी क्या है'

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की आंखें 24, अकबर रोड, स्थित ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर टिकी हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। सभी की निगाहें नई दिल्ली पर हैं, क्योंकि राजस्थान को इंतजार है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच क्या समझौता हुआ है तथा समझौते के नियम व शर्तें क्या हैं।

लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई सक्रियता नहीं दिख रही है। दिल्ली में 24, अकबर रोड़ पर स्थित कांग्रेस का मुख्यालय सुनसान पड़ा है, सभी कमरे खाली पड़े हैं, वहां कोई नहीं है।

माना जाता है कि राहुल गांधी जो अभी लंदन में हैं, की वापसी तक कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय नहीं होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक में हैं।

एक अनुभवी वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि ''अभी जल्दी क्या है।'' राजस्थान कांग्रेस समाधान का इंतजार कर रही है पर नेतृत्व खुली आंखों से सो रहा है।

इसी प्रकार खड़गे एक कामचलाऊ अध्यक्ष की तरह काम कर रहे हैं उनके पास ना तो कोई सचिवालय है ना ही उन्होंने अभी तक कोई पदाधिकारी ही नियुक्त किया हैं। वे अपनी टीम बनाने में असमर्थ हैं। वे क्या चाहते हैं और गांधी परिवार क्या चाहता है इस पर कोई आपसी समझ नहीं है।

इसी बीच वरिष्ठ नेताओं ने प्रमुख पद पाने के लिए लॉबिइंग करना शुरु कर दिया है। सुरजेवाला ए.आई.सी.सी. के महासचिव (संगठन) बनना चाहते हैं वहीं के.सी. वेणुगोपाल, जो मौजूदा ए.आई.सी.सी.सी. महासचिव (संगठन) हैं, अपने पद पर बने रहने के लिए हर हमले का मुकाबला कर रहे हैं। उन्हें राहुल गांधी का पूर्ण समर्थन प्राप्त है।

खड़गे प्रमुख पदों पर अपने लोगों को लाना चाहते हैं पर वे जानते हैं कि गांधी परिवार के समर्थन के बिना वे ऐसा नहीं कर सकते हैं। फिलहाल तो कांग्रेस में हर स्तर पर भ्रम व्याप्त है।

- पर, राहुल गांधी के लंदन में और खड़गे के कर्नाटक में होने के कारण, मुख्यालय में कोई गतिविधि नज़र नहीं आ रही। कमरे खाली हैं और बराण्डे भीड़ रहित।
- राजस्थान में पार्टी के कार्यकर्ता व नेता, पायलट-गहलोत समझौते की ''डीटेल्स'' जानने के लिये आतुर हैं, पर, हाई कमान आंख खोलकर बेसुध सी सो रही है।
- खड़गे ''एडहॉक अध्यक्ष'' जैसे लग रहे हैं, न उनकी टीम बनी है, न पदाधिकारी नियुक्त हुए हैं।
- पर, ए.आई.सी.सी. के दिग्गज बड़े पद पाने के लिये ''लॉबिंग'' कर रहे हैं।
- सुरजेवाला ए.आई.सी.सी. में महासचिव बनने की कोशिश में हैं, जिसके पास पार्टी के संगठन का चार्ज हो। दूसरी ओर वेणुगोपाल रक्षात्मक मुद्रा में हैं, क्योंकि हर तरफ से उन पर वार हो रहे हैं, उनका पद पाने के लिये, पर, उन्हें राहुल गांधी का प्रश्रय प्राप्त है।
- खड़गे भी महत्वपूर्ण पदों पर अपने वफादारों को नियुक्त करना चाहते हैं, पर, वे जानते हैं कि, यह तभी संभव है, जब गांधी परिवार से हरी झंडी मिलेगी।

'जब व्यापारिक ''गुड्स'' सीमा ''क्रॉस'' नहीं करते तो, सैनिक सीमा ''क्रॉस'' करेंगे'

यह पुराना सिद्धांत पूरी तरह से पाकिस्तान पर लागू होता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। पाकिस्तान सरकार मुश्किल परिस्थितियों में भी सबक लेने से इनकार करती है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बहुत खराब स्थिति में है। विदेशी मुद्रा भंडार बिल्कुल तली में पहुँच गया है, खाद्यान्न की जबरदस्त कमी है तथा महँगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।

पाकिस्तान सामान्य अर्थशास्त्र तक को समझता प्रतीत नहीं हो रहा है। उसे यह समझ नहीं आ रहा कि दूरस्थ देशों से महँगा सामान आयात करने के बजाय, पड़ोसी देश भारत के साथ व्यापार करना उसे बहुत सस्ता पड़ेगा।

अच्छा अर्थशास्त्र ही अच्छी राजनीति हुआ करता है। यह बात पाक सरकार जितनी जल्दी महसूस कर लेगी तथा भारत के सीमा पार व्यापार को सुगम बनाने के कदम उठा लेगा, यह अर्थव्यवस्था तथा जनता के लिये उतना ही बेहतर रहेगा।

फिर भी, पाकिस्तान, भारत-विरोधी सोच को दशकों से अपने गले का हार बनाये हुये है तथा अपने पड़ोसी देश भारत के प्रति उसका शत्रुतापूर्ण रुख ही उसकी विदेश नीति को परिभाषित करता आ रहा है।

शत्रुता सदैव ही स्वयं की पोषक होती है। वस्तुतः लोगों और वस्तुओं का सीमा पार आना-जाना दोनों देशों के भू-राजनैतिक दुश्मनी की समाप्ति की ओर पहला कदम हो सकता है। जैसा कि 19वीं शताब्दी के मशहूर फ्रांसीसी अर्थशास्त्री फ्रेड्रिक बेस्टिअट ने कहा था, ''जब वस्तुएं सीमाओं को पार नहीं करती है, तब इस काम को सैनिक करते हैं।''

यह बता देना जरूरी है कि भारत और पाकिस्तान के बीच थोड़ी-बहुत मात्रा में तो व्यापार इस समय भी चल ही रहा हो, चाहे वह गैर कानूनी रूप से हो रहा हो या फिर अफगानिस्तान जैसे तीसरे देश के माध्यम से। वक्त आ गया है कि यह व्यापार सरकारी स्तर पर हो। व्यवसाय से जुड़े समझदार लोगों के स्वर यह कहते हुये सुनाई देने लगे हैं तथा इन स्वरों ने सरकार का ध्यान इस तथ्य की तरफ खीचंना भी शुरु कर दिया है कि भारत के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाना नुकसानदेह है।

सीमा पर मौजूद तनावों, जो 2019 के पुलवामा हमले के बाद और भी बढ़ गये हैं, के परिणामस्वरूप निराशाजनक हो चुके व्यापारिक संबंधों को बहुत नुकसान पहुँचा है। अत्यधिक नजदीकी के बावजूद, व्यापार न होना अर्थशास्त्र के ''ग्रेविटी मॉडल'' के विपरीत है। ग्रेविटी मॉडल दूरी को व्यापारिक रिश्ते बनाने का एक प्रमुख कारक मानता है। अनौपचारिक माध्यमों से पाकिस्तान पहुँचने वाले सामानों में शामिल हैं- टमाटर जैसी सब्जियाँ, दवाएं, फार्मास्यूटीकल उत्पाद, रसायन, कपड़ा, टायर तथा मशीनरी। पाकिस्तान से बाहर जाने वाली चीजों में शामिल हैं- सूखे मेवा, दालें, खाद्य तेल, जूते-चप्पल, कपड़े तथा तंबाकू। इसलिए,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अब पाकिस्तान के व्यापारियों ने दबाव बनाना शुरू किया है, दोनों देशों के बीच व्यापार खोलने के लिये।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

सुप्रीम कोर्ट ''पेपर लैस'' हो जाएगा 3 जुलाई से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। सुप्रीम कोर्ट 3 जुलाई से पेपर लैस होने जा रहा है, उसी दिन ग्रीष्मावकाश के बाद कोर्ट पुनः शुरु होने वाला है। सुप्रीम कोर्ट में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के कुछ कोर्ट रूम में बिग स्क्रीन लगाई जाएगी, जहां वकील वीडियो कॉन्फ्रैंस के जरिए बात कर सकेंगे। वीडियो कॉन्फ्रैंस के लिए 120 इंच की स्क्रीन कोर्ट रूम में जजों के लिए लगेगी। जजों के लिए दस्तावेजों की भौतिक प्रति की जगह पॉपअप स्क्रीन ले लेगी। और कानून की किताबों की जगह डिजीटल लायब्रेरी लेगी। जज और वकील 3 जुलाई से कोर्ट परिसर में बदलाव देख सकेंगे। ये परिवर्तन कोर्ट संख्या 1, 2 एवं 3 में ये परिवर्तन किए जाएंगे। आधुनिक तकनीक धीरे-धीरे अदालतों में भी लागू की जाएगी।

- वीडियो कॉन्फ्रैंस के लिए कोर्ट रूम में बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाई जा रही हैं। कागजात की जगह पॉप अप स्क्रीन और कानून की किताबों की जगह डिजिटल लाइब्रेरी प्रयुक्त की जाएगी।

उत्तर व पश्चिम भारत में सीटें कम आने की आशंका है भाजपा को?

कर्नाटक की हार के बाद, इस आशंका से घिरी भाजपा ने तेलगुदेशम पार्टी से गठबंधन की तैयारी की

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। इसे कर्नाटक ''इफैक्ट'' कहें या कुछ और दक्षिण भारत मे ंकदम जमाने की भाजपा की योजना के परिवर्तन का दौर चल रहा है तथा गठबंधन सहयोगी बदले जा रहे हैं, खासकर आंध्र प्रदेश में, जहाँ से लोकसभा के 25 सांसद चुने जाते हैं। तमिलनाडु की तरह आंध्र में भी भाजपा की मामूली सी उपस्थिति है, लेकिन पार्टी यहां अपने पुराने सहयोगी तेलुगुदेशम से नया गठबंधन करने की तैयारी में हैं, जो कि राज्य में पुनः जमने की कोशिश में हैं। पार्टी यहां लोकसभा, विधानसभा चुनाव हार चुकी है।

पूर्व में आंध्र प्रदेश में तेलुगुदेशम और भाजपा ने गठजोड़ किया था पर तेलुगुदेशम के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने 2019 में आम चुनाव से पहले गठबंधन तोड़ दिया था। चंद्रबाबू को पासवान की तरह राजनैतिक मौसम के अनुसार राह चुनने वाला नेता माना जाता है। उन्होंने तब हारने वाले घोड़े पर दांव खेला और हार गए।

भाजपा ने तब 300 से ज्यादा सीटें हासिल की और आंध्र प्रदेश में जीत मिली, कांग्रेस से अलग हुए गुट वाय.एस.आर.सी.पी. को, जो शानदार बहुमत के साथ सत्ता में आई और इसके 23 सांसदों ने संसद में मोदी सरकार को समर्थन दिया। यह भाजपा की मजबूत व विश्वस्त समर्थक बन गई। यहां तक इसके सांसदों को भाजपा का ही माना जाता था

इस बार भी समीकरणों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। लेकिन भाजपा की मजबूरी है कि वह दक्षिण भारत में अपनी सीटें बढ़ाना चाहती है ताकि उत्तर तथा पश्चिम भारत में होने वाले नुकसान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तेलगुदेशम पार्टी से भाजपा की पुरानी दोस्ती थी, पर, 2019 के चुनाव के पहले तेलगुदेशम पार्टी के नेता चन्द्रबाबू नायडू ने, हवा को गलत समझते हुए भाजपा से गठबंधन तोड़ कर विपक्ष के साथ संबंध स्थापित किये।
- पर, भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ा था, क्योंकि वाय.एस.आर. कांग्रेस पार्टी ने चुनाव में भारी विजय पायी तथा भाजपा को पूरा समर्थन दिया संसद में।
- परन्तु, अब दक्षिण भारत में पैर पसारने की दृष्टि से भाजपा ने आंध्र में तेलगुदेशम से हाथ मिलाया है।
- भाजपा के दोनों हाथों में लड्डू हैं, अगर तेलगुदेशम-भाजपा गठबंधन जीता तो, भाजपा को फायदा ही है, पर, अगर वाय.एस.आर. कांग्रेस जीती तो, वह पार्टी भाजपा के लिए पहले की भांति, संसद में संकट मोचन का काम करेगी ही।

आई.टी.आई. केन्द्र भवन में पैंथर घुसा

डूंगरपुर, 13 जून। चितरी दाहला के डामरीया फला में स्थित आई.टी.आई. केन्द्र भवन में पैंथर घुसने से हड़कम्प मच गया। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम को आई.टी.आई. केंद्र के बाथरूम में पैंथर होने की पुष्टि पर गलियाकोट उपखंड अधिकारी को सूचना दी गई।

- सोमवार शाम पैंथर घुसने से एकदम अफरातफरी मच गई थी। मंगलवार सुबह उदयपुर से रैस्क्यू टीम पहुंची, पर इससे पहले ही पैंथर निकलकर भाग गया।

गलियाकोट उपखंड अधिकारी पंकज कुमार कलासुआ ने वन विभाग को तुरंत प्रभाव से मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर चितरी थानाधिकारी गोविंद सिंह भी मय जाप्ते पहुंचे। इधर वन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्विटर के पुराने कर्ता धर्ता डोरसी ने भारत सरकार पर धमकी देने का आरोप लगाया

डोरसी के अनुसार, भारत सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान भारी दबाव बनाया कि, उन पत्रकारों की टिप्पणियाँ ब्लॉक की जायें, जो किसान आंदोलन में सरकार की नीतियों व निर्णयों की कड़ी आलोचना कर रहे थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। ट्विटर के पूर्व बॉस जैक डोरसी के एक आरोप से देश में एक राजनैतिक तूफान आ गया है। डोरसी ने आरोप लगाया है कि भारत ने 2020-21 के किसान आंदोलन के दौरान इस माइक्रोब्लॉगिंग वैबसाइट (ट्विटर) पर दबाव डालने की कोशिश की थी। लेकिन सरकार इस दावे को ''सफेद झूठ'' बताते हुये, सिरे से खारिज कर दिया है।

हमेशा हर बात से इंकार करने के लिए तैयार रहने वाले केन्द्रीय आई.टी. मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने जैक डोरसी की इस टिप्पणी को उनके द्वारा बोला गया ''सफेद झूठ'' और ''ट्विटर के इतिहास के संदेहास्पद दौर'' को लिखने की कोशिश बताते हुये, उसे खारिज कर दिया है। आई.टी. मंत्री ने कल इन रिपोर्टों का भी खण्डन किया था कि सरकारी पोर्टल ''कोविन'' का डेटा हैक कर लिया गया है।

''कोविन'' की हैकिंग की मीडिया रिपोर्ट पर चन्द्रशेखर ने कहा था कि यह साइट हैक नहीं हुई है तथा सार्वजनिक क्षेत्र का डेटा तो पहले ही हैक हो गया था। ज्ञातव्य है कि ''कोविन'' में सभी भारतवासियों का स्वास्थ्य संबंधी डाटा, जिसमें उनके टेलीफोन नम्बर तथा आधार कार्ड नम्बर भी शामिल हैं, संगृहित रहता है।

- डोरसी ने यह भी कहा कि, सरकार ने उनसे कहा था कि, ''हम ट्विटर'' को हिन्दुस्तान में बंद करा देंगे। हम आपके कर्मचारियों के घरों पर छापे मारेंगे, अगर आपने हमारी बात नहीं मानी।
- सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर व आई.टी. विभाग के राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने डोरसी के आरोपों का पूर्णतः खण्डन किया और कहा, ट्विटर ने भारत के कानून-कायदों को मानने से साफ इंकार कर दिया था, उनका यह कृत्य भारत की सार्वभौमिकता को चुनौती देने वाला काम था, अतः भारत सरकार को उनके साथ सख्ती का व्यवहार करना पड़ा था।

सोमवार को यूट्यूब चैनल ''ब्रेकिंग पॉइन्ट्स विद क्रिस्टल एंड सागर'' पर एक इन्टरव्यू के दौरान, जैक डोरसी से पूछा गया था कि क्या उन्होंने विदेशी सरकारों की ओर से कभी किसी दबाव का सामना किया है।

उन्होंने जवाब दिया था, ''उदाहरणार्थ-भारत।'' भारत वह देश है जिसने किसान आंदोलन के संबंध में तथा कुछ खास पत्रकारों, जो सरकार के आलोचक थे, के संबंध में कई बार अनुरोध किया था। अपनी इस बात को भारत ने कई तरीकों से व्यक्त किया, जैसे-''हम भारत में ट्विटर बंद कर देंगे''.....''हम आपके कर्मचारियों के घरों पर छापे मारेंगे'', और ऐसा भारत ने किया भी था, ''अगर आपने हमारे आग्रह को नहीं माना तो हम आपके दफ्तर बंद करा देंगे''.... और यह है भारत, एक लोकतांत्रिक देश।''

जैक डोरसी, जिन्होंने 2021 में ट्विटर सी.ई.ओ. का पद छोड़ दिया था, ने टर्की और नाइजीरिया की सरकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन देशों ने पिछले वर्षों में अलग-अलग बिन्दुओं पर अपने देशों में ट्विटर प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उन्होंने कहा कि टर्की सरकार भी ''उसी तरह'' (भारत की तरह) पेश आई थी।

कई विपक्षी दलों ने इन टिप्पणियों को शेयर किया है तथा सरकार को निशाना बनाया है।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु के मंत्री की ई.डी. ने तलाशी ली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमिलनाडु के बिजली मंत्री टी.वी. सैंथिल बालाजी के ऑफिस पर तलाशी में ई.डी. के दुरुपयोग की कड़ी निंदा की।

एक बयान में उन्होंने कहा कि ये तरीके विपक्ष को चुप नहीं करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वे इस प्रकार मोदी सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखने के विपक्ष के संकल्प को और मजबूत कर रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी कड़ी आलोचना की और कहा, इससे विपक्ष के इरादे और मजबूत होंगे।

विचार बिन्दु

दौड़ना काफी नहीं है, समय पर चल भी पड़ना चाहिए। फ्रांसिसी कहावत

ग्रीन हाइड्रोजन होगा भविष्य का कार्बन रहित ऊर्जा का स्त्रोत

ऐसा अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि अगले दो दशकों में विश्व स्तर पर किसी भी देश की ऊर्जा मांग में सबसे बड़ी वृद्धि भारत में देखने को मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था के साथ, जनसंख्या में वृद्धि के चलते भारत को अपने यहां पूरे यूरोपीय आर्थिक संघ के आकार के बराबर बिजली प्रणाली बनाने की आवश्यकता होगी। हालांकि अपने संसाधनों को देखते हुए भारत अपने औद्योगीकरण की गारंटी के लिए तेजी से आधुनिकीकरण करने वाले चीन तथा अन्य देशों के समान अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए गहन कोयला आधारित रास्ता आसानी से अपनाना पड़ सकता है। मगर इसकी बजाय यह अपने औद्योगीकरण को सुदृढ़ आधार देने के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कहीं अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपना कर चल रहा है। यह एक शुभ संकेत है। ऊर्जा की वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के पैकेज में ग्रीन हाइड्रोजन भी एक घटक है। इस पैकेज में जैव ईंधन, प्राकृतिक गैस और पारंपरिक रिन्यूएबल ऊर्जा शामिल हैं। इतने बड़े भूभाग वाले देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाना जरूरी नवोन्मेष है। बहुतों को लगता है कि वास्तव में भारत विकासशील देशों को एक नया रास्ता दिखा रहा है, विशेष रूप से उन देशों को लिए जिनके यहां औद्योगीकरण की गति को तेज करने के प्रयासों में ऊर्जा की बड़ी मांग होने वाली है। भारत अक्सर अधिकतम संभव सीमा तक जीवाश्म ईंधन कोयले के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता रहा है। इस वास्तविकता से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ऊर्जा के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की बड़ी आवश्यकता होती है। ऐसा ढांचा बनाने के लिए देश में पहल हो गई है। इसी पहल पर सारी दुनिया की निगाहें इस देश पर लगी है। अगर भारत अपनी ऊर्जा प्रणाली में सही संतुलन बनाने में सफल होता है, तो अन्य विकासशील देश इसका अनुसरण करेंगे। अब तक किसी भी देश ने अपनी औद्योगिक क्षमता के निर्माण के लिए पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर भरोसा नहीं किया है। भारत ने इसमें पहल करते हुए ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का प्रारंभिक काम शुरू किया है जो यदि परवान चढ़ता है तो वह इस देश को दुनिया में एक अग्रणी मुल्क के रूप में पहचान दे सकता है।

प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2021 को स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में 'नेशनल हाइड्रोजन मिशन' का ऐलान किया था। बाद में उसी के अनुरूप भारत सरकार ने करीब 20 हजार करोड़ रुपये के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को मंजूरी दे दी है। इस मिशन के तहत सरकार ने 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार चाहती है कि आने वाले समय में भारत ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का ग्लोबल हब बन जाय। जो रोडमैप तैयार किया गया है उसके तहत अगले सात वर्षों में हर साल पांच मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोन का उत्पादन देश में होना है। इसके लिए इस क्षेत्र में कुल आठ लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। मिशन के तहत 60-100 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता तैयार की जायेगी। इलेक्ट्रोलाइजर की मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर 17,490 करोड़ की प्रोत्साहन राशि देने का भी प्रावधान किया गया है। देश में ग्रीन हाइड्रोजन के हब को विकसित करने के लिए 400 करोड़ का प्रावधान अलग से रखा गया है। बताया गया है कि इस मिशन से छह लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे ईंधन तेल के आयात पर होने वाले एक लाख करोड़ का खर्च घटेगा। इससे ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में सालाना 50 मिलियन मीट्रिक टन की कमी आएगी। उर्वरक और केमिकल बनाने के खर्च में कमी आएगी। ग्रीन ऊर्जा स्त्रोत से हाइड्रोजन उत्पन्न करने के लिए कंपनियों को फायदा मिलेगा। इस प्रकार उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा के रूप में अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल की जा सकेगी। ग्रीन हाइड्रोजन स्वच्छ ऊर्जा का सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसमें सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करके पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन अलग करके हाइड्रोजन पैदा की जाती है। ये हाइड्रोजन कई चीजों के लिए ऊर्जा का काम कर सकती है।

ग्रीन हाइड्रोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे बनाने में कार्बनडाइ ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन नहीं होता। पर्यावरणविदों का दावा है कि यह ऑयल रिफाइनिंग, फर्टिलाइजर, स्टील और सीमेंट जैसे भारी उद्योगों को कार्बन मुक्त करने में मदद कर सकती है। लिहाजा ग्लोबल कार्बन उत्सर्जन में कटौती में भी ये मददगार साबित होगी।

ग्रीन हाइड्रोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे बनाने में कार्बनडाई ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन नहीं होता। पर्यावरणवादियों का दावा है कि यह ऑयल रिफाइनिंग, फर्टिलाइजर, स्टील और सीमेंट जैसे भारी उद्योगों को कार्बन मुक्त करने में मदद कर सकती है। लिहाजा ग्लोबल कार्बन उत्सर्जन में कटौती में भी ये मददगार साबित होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि ऊर्जा चुनौतियों से निपटने में हाइड्रोजन ऊर्जा की क्षमता का दोहन करने का यह सही समय है। अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रिक वाहनों की हाल की सफलताओं ने साबित किया है कि नीतियों तथा प्रौद्योगिकी में नवाचार में स्वच्छ ऊर्जा उद्योग विकसित करने की शक्ति है। हाइड्रोजन आधारित ईंधन के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये ऊर्जा भंडारण के प्रमुख विकल्प के रूप में अब हाइड्रोजन उभर रहा है जिससे ऊर्जा संसाधनों वाले क्षेत्रों से हजारों किलोमीटर दूर ऊर्जा की कमी वाले क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में अक्षय ऊर्जा से ऊर्जा का परिवहन होगा। भारी उद्योग, लंबी दूरी की माल ढुलाई, नौवहन और विमानन को डीकार्बोनाइज करने के साधन के रूप में, संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में कई उत्सर्जन कटौती के वादों में ग्रीन हाइड्रोजन को आधार बनाया गया है। सरकारों और उद्योगवर्ग दोनों ने हाइड्रोजन को शुद्ध शून्य कार्बन अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में स्वीकार किया है। ग्रीन हाइड्रोजन की लागत को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक पहल में घोषणा की गई है कि वह ग्रीन इलेक्ट्रोलाइज़र के लिए पिछले वर्ष निर्धारित अपने लक्ष्य को 25 गीगावाट से बढ़ा कर 2027 तक लगभग दोगुना 45 गीगावाट तक कर रहा है। यूरोपीय आयोग ने भी अपना विधायी प्रस्ताव तैयार किया है जिसमें हाइड्रोजन सहित नवीकरणीय और कम कार्बन गैसों के उत्सर्जन और यूरोप में सभी नागरिकों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ के गैस बाजार को डीकार्बोनाइज करने की बात की गई है। उधर संयुक्त अरब अमीरात ने भी आगे बढ़ कर अपने देश की नई हाइड्रोजन रणनीति में 2030 तक वैश्विक कम कार्बन हाइड्रोजन बाजार का एक चौथाई हिस्सा रखने का लक्ष्य रखा है। जापान ने हाल ही में घोषणा की है कि वह अनुसंधान और विकास में तेजी लाने के लिए अपने ग्रीन इनोवेशन फंड से 3.4 बिलियन डॉलर का निवेश करते हुए अगले 10 वर्षों में हाइड्रोजन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना।

हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों की जब बात आती है तो ग्रे, ब्लू, ग्रीन शब्द भी उससे जुड़े आते हैं। यह सब इसके उत्पादन के तरीके व्यक्त करते हैं। जलने पर हाइड्रोजन केवल पानी का उत्सर्जन करता है लेकिन इसे बनाने में कार्बन सघन हो सकता है। उत्पादन विधियों के आधार पर, हाइड्रोजन ग्रे, नीला या हरा - और कभी-कभी गुलाबी, पीला या फ़िरोज़ा भी कहा जाता है। ग्रीन हाइड्रोजन एकमात्र प्रकार है जो जलवायु-तटस्थ तरीके से उत्पादित होता है, जो 2050 तक कार्बन मुक्त ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाइड्रोजन ग्रे हाइड्रोजन और ब्लू हाइड्रोजन से भिन्न होता है। आवर्त सारणी में हाइड्रोजन सबसे सरल और सबसे छोटा तत्व है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसका उत्पादन कैसे किया जाता है, यह उसी कार्बन-मुक्त अणु के साथ समाप्त होता है। हालांकि, इसके उत्पादन के रास्ते बहुत विविध हैं। ग्रे हाइड्रोजन पारंपरिक रूप से मीथेन से बनाया जाता है जिसमें हाइड्रोजन के साथ कार्बन डाई आक्साइड भी बनता है जो जलवायु परिवर्तन के लिए मुख्य अपराधी माना जाता है। कोयले से भी ग्रे हाइड्रोजन का तेजी से उत्पादन किया गया है। इसमें भी उत्पादित हाइड्रोजन की प्रति यूनिट काफी अधिक कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन होता है। इतना अधिक कि जिसे अक्सर ग्रे के बजाय ब्राउन या ब्लैक हाइड्रोजन कहा जाता है। यह आज औद्योगिक पैमाने पर उत्पादित किया जाता है। ब्लू हाइड्रोजन भी ग्रे हाइड्रोजन के समान प्रक्रिया से वैसे ही बनाता है जब हाइड्रोजन को मीथेन (या कोयले से) से विभाजित किया जाता है और इसे लंबे समय तक संग्रहीत करने के लिए उत्पादित कार्बन डाई आक्साइड को कैप्चर करने के लिए अतिरिक्त तकनीकों की आवश्यकता होती है। अक्षय ऊर्जा आज अधिकांश देशों में बिजली का सबसे सस्ता स्त्रोत है। जानकार लोगों का कहना है कि ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए उसकी उत्पादन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण घटक 'इलेक्ट्रोलिसिस' की लागत को कम से कम तीन गुना कम करने की आवश्यकता है। हालांकि ग्रीन हाइड्रोजन के मामले में हम सौर पीवी जैसी कहानी दोहराई जाती देख सकते हैं। यह अब स्पष्ट हो चला है कि ब्लू हाइड्रोजन की अस्थिर और संभावित रूप से बढ़ती लागत के विपरीत, ग्रीन हाइड्रोजन की एक स्थिर, घटती लागत होती है जिस पर अब सबका ध्यान जा रहा है। इसलिए भारत में पूंजी की लागत को कम करने के लिए कम जोखिम वाले ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण के लिए नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रोलाइज़र के निर्माण को बढ़ाकर निवेश लागत को कम करने का प्रयास होगा। इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में अब अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियां पहले से अधिक परिपक्वता के स्तर पर पहुंच गई हैं जो दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी नवीकरणीय बिजली उत्पादन की आधार भूमि तैयार कर रही हैं जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सभी के लिए लाभ का सौदा माना जा रहा है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

भारत में जल से जुड़ी योजनाएं विश्व में सबसे बड़ी : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संसाधनों को बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। भारत सरकार इस मामले में गंभीर है। इसलिए देश में आज जल से जुड़ी जितनी भी योजनाएं हैं, वे आकार और बजट के मामले में विश्व में सबसे बड़ी योजनाएं हैं।

शेखावत मंगलवार को जोधपुर में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुडकी के उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल की चुनौती हम सब के सामने खड़ी है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती हुई आवश्यकताओं के चलते यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है। पश्चिमी राजस्थान में गुजरात से लेकर पंजाब से लगते हिस्से में तो यह चुनौती और भी ज्यादा बड़ी है, क्योंकि यह रेगिस्तानी इलाका है और भूजल पर निर्भरता हमारी अधिक है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब जैसे राज्य में भी चुनौतियां बढ़ रही है। देश में सबसे ज्यादा भूजल का दोहन पंजाब में हो रहा है। अब पानी का अधिकतम और उचिततम उपयोग कैसे कर सकते हैं। इस विषय पर इस संस्थान को काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि इस रेगिस्तानी क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए ये सेंटर जोधपुर में स्थापित किया गया है। मैं विश्वास करता हूं कि आने वाले समय में जोधपुर क्षेत्र की जल की समस्याओं के निवारण में और जल पुनर्भरण से जुड़े कार्यक्रमों को परिणामोन्मुखी बनाने के लिए काम करने में इस सेंटर की बहुत बड़ी भूमिका होगी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार जिस तरह से काम कर रही है, वह अद्वितीय है। यूपीए सरकार में 2004 से 2014 तक जल सेक्टर में आठ हजार करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि अभी पिछले नौ साल में ही भारत सरकार ने दो लाख अस्सी हजार करोड़ रुपए खर्च कर दिए। जल शक्ति मंत्रालय समठाता के साथ काम कर रहा है। जलविज्ञान केन्द्र इस दिशा में काफी काम कर सकता है। रेगिस्तानी भूभाग की आवश्यकता और आजीविका और जीवन के भविष्य के लिए इस संस्थान का यहां होना उपयोगी होगा। उन्होंने जोधपुर में नया संस्थान खुलने पर सबको बधाई भी दी।

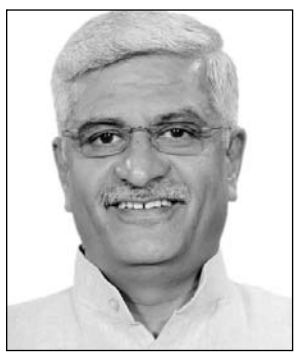

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए मोदी सरकार ने कठोर फैसले लेकर सुधार किए हैं। कटिंग एज इंडस्ट्रीज को लाकर उनका डवलपमेंट भारत में करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके परिणाम स्वरूप देश में नया आर्थिक परिदृश्य बना है। अब कॉरपोरेट सेक्टर में करोड़ों

■ केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संसाधनों को बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है,भारत सरकार इस मामले में गंभीर है

रोजगार के अवसर पैदा हो रहे है। आज हमारे स्टार्टअप की संख्या एक लाख को पार कर चुकी है और यूनिकॉर्न की संख्या तो 111 को पार कर चुकी है।आज हम दुनिया के सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न स्टार्ट अप वाले देश हैं। सौ लाख करोड़ रूपए का निवेश आधारभूत संरचना में किया गया है। इसी बजट में दस लाख करोड़ के निवेश की संकल्पना की गई है।

शेखावत ने कहा कि जिस देश ने हमें गुलाम रखा है, आज हम उस देश ब्रिटेन को पछाड़ कर दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब हुए हैं। जिस गति से हम आगे बढ़ रहे हैं, उससे आर्थिक विश्लेषण और सर्वे करने वाली संस्थाएं भी मान रही है कि आने वाले तीन साल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। जापान और जर्मनी को भी शीघ्र पीछे छोड़ने वाले हैं। हम जिस गति से बढ़ रहे हैं, उससे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि हम विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज जिन लोगों को रोजगार मिलने वाला है। वे सौभाग्यशाली है। प्रधानमंत्री के उद्बोधन और साक्षी में उन्हें नियुक्ति पत्र मिला है। आज देश में बदलाव का दौर है और आप इस बदलाव के वाहक बन रहे है। दुनिया की कोई ताकत हमें विकसित देश बनने से नहीं रोक सकती। नौकरी का परिदृश्य बदल रहा है। नौकरियों में आवेदन के लिए लाइन लगना पड़ता था। इंटरव्यू में फेवर के लिए अफसरों और नेताओं के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस परिवर्तन का सौभाग्य हमें मिला है।

सवा महीने बाद भी नहीं मिला भुगतान, किसानों की हालत तंग

फागी, (निसं)। क्रय-विक्रय सहकारी समिति द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गये चने का मूल्य सवा महिने बाद भी नहीं मिलने से किसानों की तंगी हालत हो गई है। बाजार दर से कुछ अधिक राशि मिलने की आश में किसानों ने यहां कृषि उपज मण्डी यार्ड में सांगानेर क्रम विक्रय समिति की ओर से समर्थन मूल्य पर संचालित खरीद केन्द्र पर चना की तुलाई की थी। जिसका जल्द भुगतान मिलनी की उम्मीद थी, किन्तु तुलाई के सवा माह बीत जाने के

■ समर्थन मूल्य पर खरीदा था चना

बाद भी भुगतान के कोई आसार दूर-दूर तक भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। किसान छोटू मानहाला व अन्य की माने तो बाजार से लिए कर्ज को चुकता करने के लिए एवं बाजार से ज्यादा रकम मिलने की उम्मीद में तो चना फसल का बेचान किया था किन्तु समय अधिक निकलने से कर्ज का चुकारा व अन्य घरेलू कार्यों में भारी परेशानी का समना करना पड़ रहा है। विजेन्द्र सिंह प्रभारी खरीद केन्द्र फागी का कहना है कि किसानों से खरीद की गई फसल का भुगतान शुक्रवार तक किसानों के खाते में भुगतान हो जावेगा।

पावटा में दिनों दिन बढ़ रही जाम की समस्या, एम्बुलैंस फंसी

पावटा में जाम के दौरान फंसी एम्बुलैंस।

पावटा, (निसं)। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को पावटा कस्बे के सर्विस रोड पर जाम लग गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गई। वहीं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रागपुरा थाना व यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा कोई कोशिश नजर नहीं आई।

कई दुपहिया व चौपहिया वाहन फंसे रहे, तो इलाज के लिए मरीज को जल्द अस्पताल पहुंचाने की एंबुलेंस चालक की कोशिश भी जाम में दम तोडती नजर आई। सुबह दस बजते-बजते वाहनों का दबाव इस कदर बढ गया कि सर्विस रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। लेन व्यवस्था का अनुपालन न करने व जल्द आगे निकलने की होड में स्थिति और खराब हो गई। छोटे-बडे सभी वाहन एक जगह स्थिर हो गए। मुख्य सडकों के जाम होने से लोग गंतव्य तक पहुंचने के लिए संकरी गलियों से गुजरने को विवश हो गए। वहीं बैंकों, दुकानों व मॉल के सामने अवैध पार्किंग व बेतरतीब तरीके से खडे वाहनों से लंबे जाम में एंबुलेंस फंस गईं, उसमें सवार मरीज परेशान हुए। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी जाम में इसी तरह एक एंबुलेंस फंसी थी लेकिन जिम्मेदार अपनी आँखे बंद कर किसी बडी दुर्घटना का इंतजार कर रहे है।

भीषण गर्मी में पेयजल का संकट गहराया

पेयजल संकट को लेकर महिलाओं ने जाम लगा प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। भीषण गर्मी के बीच भीलवाड़ा में पेयजल का संकट गहराने लगा है। जलदाय विभाग की लापरवाही के ख़िलाफ़ महिलाओं का ग़ुस्सा फूटा और आक्रोशित महिलाओं ने सड़क मार्ग पर जाम लगा प्रदर्शन शुरू किया। वार्ड 52 कोली मोहल्ले की आक्रोशित महिलाओं ने सांगानेरी गेट पर प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया।

महिलाओं का कहना था कि भीषण गर्मी में भी जलदाय विभाग की ओर से वार्ड नंबर 52 कोली मोहल्ला में जलापूर्ति नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोज टैंकर मंगवाना भी संभव नहीं है। इस संबंध

■ वार्ड 52 कोली मोहल्ले की महिलाओं ने सांगानेरी गेट पर प्रदर्शन किया

में कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों से समस्या का समाधान करने की मांग की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने जाम लगाकर अपना विरोध जताना पड़ा है। जाम की सूचना मिलने पर सुभाष नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया।

खैरथल को जिला बनाने का कितना फायदा होगा यह तो टिकट और जनता का निर्णय तय करेगा

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर जिले के किशनगढ़ बास विधानसभा में खैरथल जिला बनने के बाद चुनावी समर परवान चढ़कर बोलने लगा है। वैसे तो चुनाव होने में अभी 5 माह हैं, लेकिन चुनाव में किस्मत आजमाने के लिए नेताओं ने गांव-गांव में दस्तक देना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी सूची है तो वहीं भाजपा में अभी तक केवल एक ही नाम है पूर्व विधायक रामहेत यादव जिनकी टिकट लगभग तय मानी जा रही है। विधायक दीपचंद खेरिया खैरथल जिला बनने के बाद जीत और टिकट दोनों को पक्का मानकर कांग्रेस राज में हुए विकास कार्यों को जनता के बीच रखने में और भाजपा व पूर्व विधायक रामहेत यादव पर हमला बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इस बार खेरिया कांग्रेस टिकट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस टिकट नहीं मिलने पर खेरिया बसपा टिकट पर चुनाव लडे और चुनाव जीतकर कांग्रेस सरकार में शामिल हो गए। वैसे परिसीमन के बाद बनी

- **परिसीमन के बाद किशनगढ़ बास विधानसभा में तीनों चुनाव में कांग्रेस को मिली हार, दो बार भाजपा और एक बार बसपा जीती है चुनाव**
- **कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी सूची है तो वहीं भाजपा में अभी तक केवल एक ही नाम है पूर्व विधायक रामहेत यादव जिनकी टिकट लगभग तय मानी जा रही है, इधर इस बार विधायक दीपचंद खेरिया कांग्रेस टिकट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं**

किशनगढ़ बास विधानसभा में हुए तीनों बार के चुनाव में कांग्रेस खाता नहीं खोल पाई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस बार राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी और किशनगढ़ बास से कांग्रेस चुनाव जीतेगी।

जिला बनाए जाने के सुनहरे पल का चुनावी लाभ उठाने के लिए खैरिया कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहे हैं। जिला बनाए जाने की खुशी में स्वागत कार्यक्रम गांव, गली, मोहल्ले, वार्ड, कॉलोनी के साथ समाज के लोगों की ओर से कार्यकर्ता इन दिनों चुनाव से पहले जनता के बीच खैरिया के कार्यकाल में हुए कामों को भुनाने में लगे हैं।

पूर्व विधायक रामहेत यादव और भाजपा का जन आधार इसलिए मजबूत माना जा रहा है की पिछले साढ़े 4 साल में यादव ने क्षेत्र की जनता से संपर्क नहीं तोड़ा है और लगातार उनके बीच रहे और अनेक बड़ी सभाएं रैली व आंदोलन कर सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

कांग्रेस टिकट की दौड़ में पूर्व गृहमंत्री स्व. बाबू संपत राम की पुत्रवधू सिमरन कौर पूरी तरह सक्रिय होकर पुराने परिचित कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के लिए गांव गांव निकली हुई हैं कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए नींव को मजबूत करने में लगी सिमरन कौर का क्षेत्र की जनता से पुराना रिश्ता रहा है। खैरथल रिजर्व सीट से बाबू संपत राम लंबे समय तक विधायक का चुनाव लड़ कर विधानसभा पहुंचे हैं और राजस्थान सरकार में गृह मंत्री रहे हैं। उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों की आज भी खैरथल किशनगढ़ बास के लोग मिसाल देते हैं। सिमरन कौर करीब 25 साल से क्षेत्र की जनता के साथ जुड़ी हुई हैं जिसके कारण कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क रखती है।

खैरथल रिजर्व सीट समाप्त होने व किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र बनने के बाद सिमरन कौर कांग्रेस टिकट की दौड़ में पहले भी रही हैं लेकिन सामान्य सीट होने के कारण टिकट नहीं मिला इस बार फिर सिमरन कौर कांग्रेस से टिकट की दौड़ में लगी है। सिमरन कौर दलित नेता स्वर्गीय बाबू संपत राम की पुत्रवधू होने के साथ राजस्थान सरकार में प्रशासनिक सेवा में रहे वरिष्ठ आईएएस अशोक संपत राम की पत्नी है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 14 जून, 2023

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, अश्विनी नक्षत्र दिन 11:40 तक, अतिगंड योग रात्रि 3:00 तक, बालव करण प्रात: 8:44 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग प्रात: 8:49 तक है। राजयोग दिन 1:40 से सूर्योदय तक है। आज योगिनी एकादशी व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:02 तक, शुभ 10:44 से 12:27 तक, चर 3:52 से 5:35 तक, लाभ 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:17

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

भाजपा ऑफिस पर सभा फिर पैदल कूच कर दी गिरफ्तारियां

महाभ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का सचिवालय महाघेराव, कार्यकर्ताओं का उमड़ा जनसैलाब : सी.पी.जोशी

प्रदेश में बिगडती कानून व्यवस्था और चरम पर पहुंचे भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा की ओर से कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय से पैदल मार्च निकालकर सचिवालय के लिये कूच किया।

- भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने छोड़ा पानी, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा हुए घायल
- 'कांग्रेस का चरित्र घोटालों से लबालब'
- इधर से फाइल डालो, उधर से सोना निकलेगा, लूट सको तो लूट लो, के ढर्रे पर गहलोत सरकार : अरूण सिंह
- रिपीट नहीं डिलिट होगी कांग्रेस सरकार, एक लाख इनाम घोषित करने पर भी ढूंढ नहीं पाएंगे कांग्रेसी विधायक : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। प्रदेश में बिगडती कानून व्यवस्था और चरम पर पहुंचे भ्रष्टाचार के खिलाफ अनूठी पोशाक, पोस्टर बैनर और तख्ती लेकर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। प्रदेश कार्यालय के बाहर भाजपा नेताओं ने जयपुर जिले से पहुंचे लोगों को संबोधित किया। इसके बाद भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में प्रदेश कार्यालय से पैदल मार्च निकालकर सचिवालय घेराव के लिए कूच किया। इस दौरान पुलिस ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को बैरिकेडिंग लगाकर रोकना चाहा, लेकिन भ्रष्ट गहलोत सरकार के खिलाफ व्याप्त रोष के आगे पुलिस के बैरिकेट भी कमजोर पड़ गए।

स्टैच्यू सर्किल पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच काफी देर जोर अजमाईश चलती रही। इसके बाद भाजपा नेता और कार्यकर्ता सचिवालय की ओर आगे बढ़ गए। जहां भ्रष्ट कांग्रेस सरकार का पूतला फूंका और भ्रष्ट गहलोत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन की बौछारें चलाई और भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हल्का लाठीचार्ज भी किया। इसके बाद हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी।

सचिवालय कूच से पहले भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने कहा कि आमजन में सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा है। राजस्थान में भ्रष्टाचार की गति विकास से चैगुनी है, प्रदेश में घूसखोरी के मामले 22 प्रतिशत से ज्यादा बढे हैं। प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने योजना भवन में मिले कैश और सोने के मामले में सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यहां गहलोत का नया फॉर्मूला आया है, इधर से फाईल डालो, उधर से सोना निकालो।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की महाभ्रष्ट सरकार के खिलाफ रणभेरी बज चुकी है। कांग्रेस सरकार के दो ही काम हैं कुशासन और भ्रष्टाचार। कॉंग्रेस 60 साल से यह नारा लगाती आ रही है कॉंग्रेस आयेगी गरीबी मिटेगी। गरीबी देश की नहीं, सिर्फ कॉंग्रेस के नेताओं की मिटी वह भी भ्रष्टाचार कर करके। कॉंग्रेस सरकारों के जीप घोटोले और बोफोर्स घोटाले का हवाला देते हुए कहा कि जिस सरकार का श्रीगणेश ही भ्रष्टाचार से होता है उस पर प्रदेश की जनता कैसे विश्वास कर सकती है। प्रदेश में चारों तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त है। युवा, किसान और आम जनता इस भ्रष्टाचार से त्रस्त हो चुकी है। पेपर लीक घोटाला, अवैध बजरी घोटाला, सरकारी ऑफिसों में करोडों रूपये मिलने का घोटाला, परिवहन में घोटाला, इतने घोटाले हुये कि प्रदेश आज घोटालों का गढ़ बन चुका है।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आव्हान करते हुए कहा कि जहां-जहां आपका पसीना गिरेगा वहां खून का कतरा कतरा बहा देंगे। नेता प्रतिपक्ष राजेंन्द्र राठौड़ ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ललकारते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी जंग शुरू हो चुकी है। सर से नख तक भ्रष्टाचार में डूबी अली बाबा 40 चोरों की सरकार रीट भर्ती में घोटाला करती है, उसके बाद जब अभ्यर्थी प्रदर्शन करते हैं, तो उनपर लाठीचार्ज और वाटर कैनन चलाती है, शहीदों की वीरांगनाओं पर लाठीचार्ज करती है। राठौड़ ने कहा कि अन्नपूर्णा किट घोटाला, बिजली खरीद घोटाला, किसानों को बिजली ना देना ये सारे कारनामें जनता नहीं भूलेगी। उन्होंने कहा कि जैसे चेचक रोग को समाप्त करने के लिए मुहिम चलाई गई थी, कि चेचक रोगी लाओ दस हजार रूपए पाओ उसी तरह कांग्रेस की स्थिति होगी। अगले चार महिने बाद एक लाख रूपए लो कांग्रेसी विधायक ढूंढकर दिखाओ जैसी मुहिम चलेगी।

राज्यसभा सांसद किरोडी लाल मीणा ने अपने संबोधन में गहलोत सरकार पर आरोप लगाते हुये कहा कि पेपर लीक मामले में गहलोत सरकार ने जांच के बाद डीपी जारोली क्लीन चिट दे दिया। प्रदेश में सोलह प्रतियोगी परीक्षाऐं हुईं और सभी के पेपर लीक हो गये। इसके अलावा आईटी सेक्टर में पांच हजार करोड़ का घोटाला पाया जाता है, जिसकी एसीबी में जांच के लिए सरकार से स्वीकृति मांगे जाने पर मना कर दिया जाता है।

पुलिस की बर्बरता का शिकार हुये भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा को घायल अवस्था में एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा बैरिकेटिंग तोड़कर सचिवालय की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहे थे, वहीं पुलिसकर्मियों से हुई झड़प के दौरान शर्मा को काफी चोटें आईं। इसके अलावा भाजपा युवा मोर्चा के कईं कार्यकर्ताओं को चोटें लगी हैं जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल ले जाया गया।

एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि भजनलाल शर्मा को कार्डिक आईसीयू में भर्ती किया गया है। उन्होंने बताया कि भजनलाल को प्रदर्शन के बीच घबराहट होने व उल्टी होने पर एसएसएस लाया गया। यहां जांच करने पर उनका बीपी और पल्स रेट अधिक हो रही थी। इस पर उन्हें कार्डिक आईसीयू में भर्ती किया गया। देर रात तक उनका बीपी व पल्स नॉर्मल हो गए थे। ऐतियात के तौर पर उनकी ईसीजी व अन्य जांच करवाई गई है। फिलहाल उनका इलाज जारी है। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी सहित नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य लोग कुशलक्षेम लेने के लिए एसएमएस अस्पताल पहुंचे।

इन नेताओं ने भी संबोधित किया उनमे राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, रामचरण बोहरा, जसकौर मीणा, राजेन्द्र गहलोत, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा, कालीचरण सराफ, अशोक लाहोटी, निर्मल कुमावत, संजय शर्मा, मनजीत चैधरी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी, राजपाल सिंह शेखावत, मोहनलाल गुप्ता, सुरेन्द्र पारीक, प्रेमचन्द बैरवा, ज्ञानदेव आहुजा, कन्हैयालाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, लक्ष्मीकान्त भारद्वाज, श्रवण सिंह बगडी, महेन्द्र यादव, श्याम अग्रवाल और नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्नावट, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, जयपुर शहर राघव शर्मा, जयपुर दक्षिण जिलाध्यक्ष रामानन्द गुर्जर, जयपुर उत्तर जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा सहित सभी मोर्चों के प्रदेशाध्यक्षों ने संबोधित किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के पी.एस.ओ. की पिस्टल चोरी

जयपुर (कासं)। सचिवालय घेराव के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी.जोशी के पी.एस.ओ. महेन्द्र मीणा की पिस्टल चोरी हो गई। जिसकी शिकायत अशोक नगर थाने में दर्ज कराई गई है। शिकायत के अनुसार पीएसओ ने कहा है कि उसकी पिस्टल किसी अज्ञात व्यक्ति ने निकाल ली है। शिकायत में बताया गया कि जब रैली स्टैच्यू सर्किल पहुंची और भीड़ पर जब वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया, तब भीड़ के तितर-बितर होने के दौरान उनकी सरकारी पिस्टल चोरी हो गई।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी माताजी **श्रीमती ज्ञान देवी** धर्मपत्नी स्व. श्री निरंजन सिंह का स्वर्गवास दिनांक 12.06.2023 को हो गया। जिनके तीये की बैठक 14.6.2023 को सांय 5:00 से 6:00 बजे निवास स्थान- 1B/2 कृष्णा नगर, मूर्ति कॉलोनी, करतारपुरा, जयपुर पर होगी।

शोकाकुल- अनूप कुमार- आरती, पोशी, यांशी, विजयलक्ष्मी- शैलेंद्र, शैलेश, दिवीशा व समस्त परिवार

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

उत्तरप्रदेश में डॉ. सतीश पूनिया ने कहा, "कांग्रेस ने किसानों से झूठ बोला"

पुराना मिथक टूटेगा, मैनपुरी, संभल, अमरोहा, मुरादाबाद सहित उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें 2024 में भाजपा अच्छे बहुमत के साथ जीतेगी : डॉ. पूनिया

उत्तरप्रदेश के सम्भल लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रबुद्धजन से संवाद किया और जनसभा को संबोधित किया।

सम्भल/जयपुर। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के ऐतिहासिक 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उत्तरप्रदेश के सम्भल लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रबुद्धजन से संवाद किया और जनसभा को संबोधित किया। बुधवार को मैनपुरी में प्रबुद्धजन सम्मेलन, लाभार्थी सम्मेलन और जनसभा को संबोधित करेंगे।

डॉ. पूनिया ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, एक तो वह वक्त था जब कारसेवकों पर गोलियां चल रही थी, उस समय कोई अंदाज नहीं लगा सकता था कि क्या वक्त होगा, क्या भगवान राम की महिमा उन्हीं के जन्म स्थान पर हो पायेगी, लेकिन देश ही नहीं पूरी दुनिया ने देखा कि हमने अपने आराध्य भगवान श्रीराम की जन्मभूमि को महिमामंडित किया और दुनिया देखेगी कि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का शुभारंभ करेंगे। कांग्रेस को 55 साल तक राज करने का अवसर मिला, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता को धन्यवाद दूंगा की कांग्रेस के पाखंड को और नकाब को खींच डाला और कांग्रेस पार्टी को मुख्य विपक्षी दल बनने के लिए भी तरसा दिया। उनको जगह मिली केरल के वायनाड में और रायबरेली और अमेठी की जनता ने भी कांग्रेस से पीछा छुड़ा लिया। राजस्थान से आया हूं जो शौर्य और वीरता की भूमि है, यह धरती उत्तर प्रदेश के तमाम उन शूरवीरों को नमन करती है, यह धर्म, संस्कृति, विरासत और अध्यात्म की धरती है।

उन्होंने कहा कि मैं राजस्थान से हूं और कांग्रेस के अंतरराष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने 2018 में राजस्थान के किसानों से वादा किया था 10 तक गिनती गिनूंगा और राजस्थान के किसानों का सारा कर्जा माफ हो जाएगा, आज पंद्रह सौ से ज्यादा दिन हो गए, इस देश में किसानों से वादाखिलाफी करने वाली कांग्रेस पार्टी है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और मुझे पार्टी ने आदेश दिया और यहां आप लोगों के बीच में भेजा, तो मैंने यहां देखा कि 2019 में मैनपुरी, संभल, अमरोहा और मुरादाबाद इन चारों ही लोकसभा सीटों पर हमें हार का सामना करना पड़ा, लेकिन चारों ही सीटों पर कार्यकर्ताओं की मजबूत इच्छाशक्ति देखता हूं, भीषण गर्मी में बहजोई की इस जनसभा ने यह संकेत तो साफ दे दिया है कि पुराना मिथक टूटेगा इन चारों लोकसभा सीटों सहित उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें 2024 में भाजपा अच्छे बहुमत के साथ जीतेगी, देशभर में भाजपा एनडीए की ऐतिहासिक जीत के साथ नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे।

शहीद भंवरलाल भाकर को नमन किया

जयपुर। कारगिल युद्ध के शहीद एवं वीर चक्र प्राप्त शहीद सूबेदार भंवर लाल भाकर की शहादत की 24वीं वर्षगांठ पर नागौर जिले के डीडवाना तहसील में स्थित उनके पैतृक गांव थेबड़ी में सोमवार शाम को आयोजित कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर पुष्प एवं मालाएं अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनकी शहादत को नमन एवं सलाम किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय विधायक चेतन डूडी ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। इसी तरह तहसीलदार मूलचंद उज्ज्वल, पूर्व प्रधान जालाराम भाकर, खोजास गांव के सरपंच रामनिवास रायल, पूर्व कैप्टेन रुपाराम, पूर्व सैनिक देवाराम एवं अन्य कई पूर्व सैनिकों तथा मार्बल व्यवसाई दीनाराम डूडी एवं भूराराम सहित कई लोगों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर शहीद की पत्नी एवं वीरांगना गोगी देवी, शहीद की मां करीब सौ वर्षीय चूंकी देवी, उनके पुत्र तिलोकराम एवं रामूराम, शहीद के भाई मनरुपाराम , शहीद की बहु सुनीता एवं सरोज सहित परिवार के सदस्यों के अलावा रिश्तेदार एवं थेबड़ी गांव के अलावा आस पास के गांवों के कई लोगों ने शहीद को नमन किया। इस अवसर पर प्रसादी एवं रात्रि जागरण कार्यक्रम भी किया गया। उनकी वर्षगांठ पर हर वर्ष मेला जैसा लगता और इसमें आने वाले युवा उनकी शहादत से प्रेरणा पाते हैं। यहां युवा शहीद की बरसी के अलावा भी अन्य दिन भी आकर उन्हें नमन करते हैं।

सोने के तस्कर को सजा

जयपुर। आर्थिक अपराध मामलों की विशेष एसीएमएम कोर्ट ने मस्कट से बिना सीमा शुल्क चुकाए सोना और विदेशी घडियों की तस्करी करने वाले अभियुक्त सैयद अहमद अल्ताफ को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने कर्नाटक निवासी इस अभियुक्त पर 40 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि जुर्माना अदा नहीं करने पर अभियुक्त को डेढ़ माह की सजा अतिरिक्त भुगतनी पड़ेगी।

'शारीरिक व मानसिक विकास के लिए योग जरूरी'

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रादेशिक कार्यालय जयपुर की ओर से सोमवार को महालेखाकार कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जयपुर, (का.सं.)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रादेशिक कार्यालय जयपुर द्वारा आज महालेखाकार कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर में योग दिवस काउंटडाऊन के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता एंव योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे भारतीय लेखा एंव लेखा परीक्षा विभाग, कार्यालय प्रधान महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर के अधिकारी एंव कर्मचारियो ने सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। इस अवसर पर प्रधान महालेखाकार के. सुब्रमण्यम, महालेखाकार रामावतार शर्मा, वरिष्ठ उपमहालेखाकार मीना कुमारी मीणा, उपमहालेखाकार प्रतिभा सिंह, केन्द्रीय संचार ब्यूरो के संयुक्त निदेशक रामखिलाड़ी मीणा, सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा एंव संतोष वेंकटरमन उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप मे प्रधान महालेखाकार ने योग की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए योग का बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा कि पहले आम जन को योग के बारे मे इतनी जानकारी नही थी लेकिन पिछले 9 वर्षो से देश मे ही नही विदेशों मे भी योग का महत्व बढा है। योग के बारे मे आम जन को जागरुक करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम उपयोगी साबित हुए है। उन्होने उपस्थित सभी अधिकारी एंव कर्मचारियो से योग को अपनी दैनिक जीवनशैली मे अपनाने की अपील की।

इस अवसर पर केन्द्रीय संचार ब्यूरो के संयुक्त निदेशक रामखिलाड़ी मीणा ने बताया कि केन्द्रीय संचार ब्यूरो जयपुर शहर मे कार्यरत भारतीय डाक विभाग, केनद्रीय रिजर्व पुलिस बल, रेलवे, आयकर विभाग तथा प्रधान महालेखाकार कार्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के सहयोग से सामान्य योग प्रोटोकॉल के प्रदर्शन करवा चुका है।

नोटिस सर्व साधारण सूचनार्थ

हस्ब हिदायत श्री सांवरमल शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री किशनाराम शर्मा जाति ब्राहम्ण आयु 65 साल निवासी वार्ड नम्बर -6 विजयकालोनी श्रीमाधोपुर जिला सीकर (राज.) सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री सांवरमल शर्मा के पुत्र अरूण शर्मा का चाल-चलन ठीक नही है एवं अनैतिक एवं गलत कार्य करता है एवं मेरे पक्षकार के साथ अपना पुत्र धर्म का पालन नही कर रहा है जिसके कारण मेरे पक्षकार ने इसको अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया गया एवं इसका मेरे पक्षकार की चल अचल सम्पति से किसी प्रकार का कोई संबंध नही रहा है, ना ही भविष्य में रहेगा। एवं मेरे पक्षकार के पुत्र अरूण शर्मा से कोई व्यक्ति किसी प्रकार का भी व्यवहार-लेनदन आदि करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा, उसके लिये मेरा पक्षकार किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं है। दिलीप कुमार मंगावा, एडवोकेट, मो. 9929959265

खोया पाया

मेरे मकान नं. डी-151, निर्माण नगर के मूल दस्तावेज जेडीए का लीज प्रमाण पत्र नक्शा एवं स्टाम्प रास्ते में कहीं गिर गये मिलने पर सूचित करें। अभिषेक कुमार बाबेल- मो. 8209171394

खोया पाया

My property documents lost in Jothwara Jaipur Patta Vilekh No. 11906.reg No. 3122/L If Found/seen Contact- 9509848497

I have lost Power of Attorney, Possession Letter, NOC of my Plot no. 2/511, Jawahar Nagar, Jaipur If Found Please inform Shilpi Mehta W/o Naveen Mehta

कृष्णा को ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि. की योजना कृष्णा कॉलोनी के प्लॉट नं. A-15-B के सोसायटी के मूल पट्टा ,साइट प्लान रसीद खो गए है। सूचित करें- मुन्नी बेगम +91 7851018274

मेरा मकान सं. 185/56, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करें। नरेन्द्र सिंह - 9414633632

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 34/2023

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री नटवर गोपाल मालपाणी, अध्यक्ष/प्रन्यासी श्री सुखलाल राठी चैरिटेबल ट्रस्ट 2379, राठी धर्मशाला धुला हाउस के पास, बापू बाजार जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 06 जयपुर 1988 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत न्यास की बैठक दिनांक 11.04.2023 में लिये गये निर्णय के अनुसार प्रन्यास की नवीन पदाधिकारियों की नियुक्ति कर नवीन सदस्यों के नामों को दर्ज अभिलेख कराने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 6.6.23 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइन्दा तारीख पेशी 14.7.23

मोहर अदालत

रतनलाल योगी (आर.ए.एस)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य अलाउद्दीन पुत्र जहूर मोहम्मद एवं मोहम्मद आरिफ पुत्र अलाउद्दीन निवासी 1-घ-4, हाउसिंग बोर्ड, शास्त्रीनगर, जयपुर ने मोहम्मद साजिद व मोहम्मद वाहिद से मकान नंबर डी-17 नाहरी का नाका-पूर्व योजना, शास्त्रीनगर, जयपुर का पूर्वी -उत्तरी कॉर्नर भाग, क्षेत्रफल गोलाई काटकर 126.07 वर्गगज है को एवं मोहम्मद अजहरूद्दीन पुत्र अलाउद्दीन ने उक्त संपत्ति का पश्चिमी भाग, क्षेत्रफल 136 वर्गगज है, को क्रय करने का इकरार किया है यदि उक्त बेचान के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था को कोई उज्र/आपत्ति हो तो , मुझ अधिवक्ता से मय सबूत/दस्तावेजात के 7 दिवस के भीतर सम्पर्क करे, अन्यथा उसके पश्चात कोई भी उज्र/आपत्ति मान्य नहीं समझी जायेगी। अतः सूचित रहे।
(अब्दुल सलीम खान) एडवोकेट, मो. नं.- 9829098127

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772

क्रमांक-DHC-II/836 दिनांक-13.06.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा फ्लेट संख्या 141/सी-601, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 51.33 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री दिलीप कुमार भाटिया पुत्र श्री बुलचन्द भाटिया को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 515 दिनांक 29-6-2016 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त फ्लेट का भौतिक कब्जा दिनांक 22-8-2016 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 678 दिनांक 8-8-2016 के द्वारा श्री दिलीप कुमार भाटिया पुत्र श्री बुलचन्द भाटिया के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। तत्पश्चात श्री दिलीप कुमार भाटिया के द्वारा श्री गजेन्द्र सिंह पुत्र श्री तोरन सिंह को मुख्त्यारआम धारक नियुक्त कर दिया गया। उक्त मुख्त्यारआम का उप पंजीयक कार्यालय जयपुर में दिनांक 10-11-2014 को निष्पादन करवा लिया गया। मुख्त्यारआम धारक द्वारा श्री दिलीप कुमार भाटिया के पक्ष में उक्त फ्लेट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 6-9-2016 को करवाया गया। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 130 दिनांक 26-4-2019 के द्वारा श्री मुरलीधर मिश्र पुत्र श्री प्रहलाद राय के नाम हस्तान्तरण कर दिया गया। इसके पश्चात श्री मुरलीधर मिश्र की मृत्यु दिनांक 5-3-2023 को हो जाने के कारण इनकी पुत्री श्रीमती सुरेखा शर्मा पत्नी श्री नरेन्द्र शर्मा ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं वसीयतनाम प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त फ्लेट को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती सुरेखा शर्मा पत्नी श्री नरेन्द्र शर्मा के पक्ष में उक्त फ्लेट के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772

क्रमांक-DHC-II/835 दिनांक-13.06.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 71/08, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 142.25 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री सुरेशकुमार मंगलानी पुत्र श्री प्रकाश नारायण मंगलानी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 900 दिनांक 01-08-1998 को जारी किया गया। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 3421 दिनांक 5-2-1999 के द्वारा श्री प्रकाश नारायण मंगलानी का नाम जोड़ दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 18-3-1999 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 795 दिनांक 10-11-2021 के द्वारा श्री सुरेश कुमार मंगलानी एवं श्री प्रकाश नारायण मंगलानी के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 31-12-2021 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री प्रकाश नारायण मंगलानी की मृत्यु दिनांक 6-3-2023 को हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर श्री जितेन्द्र मंगलानी पुत्र श्री घनश्याम मंगलानी ने 1/2 अविभाजित हिस्से का मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं वसीयतनामा प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री सुरेश कुमार मंगलानी एवं श्री जितेन्द्र मंगलानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

2743
22-5-23

Form No. 3
[See Regulation-15 (1) (a)] / 16(3)

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR
First Floor, Sudharma-II, Lal Kothis
Shopping Center, Tonk Road, Jaipur- 302015

Case No.: OA/550/2022

Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

Exh. No. 8796

HDFC BANK vs VIJAY CHELLANI

To, (1) VIJAY CHELLANI D/W/S/O-HARISH KUMAR CHELLANI, 76, RAJIV VIHAR, MANGYAWAS, NEW SANGANER ROAD, NEAR ANURAG NURSING HOME, JAIPUR Jaipur, RAJASTHAN -302020. Also At. VIJAY CHELLANI S/O HARISH KUMAR CHELLANI, PROPRIETOR OF M/S RAMA TYPING INSTITUTE ADD- SHOP NO-02, NEW COLONY, MI ROAD, PANCH BATTI JAIPUR, RAJASTHAN -302001

SUMMONS

WHEREAS, **OA/550/2022** was listed before Hon'ble Presiding Officer/Registrar on **18.05.2023.**

WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue Summons/ notice on the said Application under Section 19(4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of Debts of **Rs. 3235323/-** (application along with copies of documents etc. annexed). In accordance with sub-section (4) of Section 19 of the Act, you the defendants are directed as under:- **(i)** to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted; **(ii)** to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application; **(iii)** you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties; **(iv)** you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/ or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal; **(v)** you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before **Registrar** on **25/07/2023** at **10:30 A.M.** failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and the seal of this Tribunal on this date: **22/05/2023.**

Seal

**Registrar,
Debts Recovery Tribunal, Jaipur**

आम सूचना मेरी अभिभाष्या श्रीमती सुंनीता मित्तल पत्नी स्व. सुभाष चन्द मित्तल निवासी प्लाट 384, संजय नगर डी. जोशी मार्ग, कालवाड रोड, जयपुर का पुत्र दीपक कुमार मित्तल पुत्र स्व सुभाष चन्द मित्तल मेरे अभिभाष्य के कहने, सुनने में नही है इसलिये मेरी अभिभाष्य अपनी समस्त प्रकार की चल, अचल सम्पत्यिों, सामाजिक सम्बन्धों से दीपक कुमार मित्तल को बेदखल करती है, मेरे अभिभाष्य की चल अचल सम्पत्तियों में इसका कोई हक, अधिकार नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति/संस्था इत्यादि इससे किसी भी प्रकार का सव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नही होगी।
(दिलीप कुम्भज) एडवोकेट, मो. नं. 94146-23996

नाम परिवर्तन

मैं संदीप आलम चंदानी आज से अपना नाम बदल कर संदीप आलमचंदानी पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार आलमचंदानी निवासी 23, पार्थ सारथी रेजीडेन्सी, एफ-2, गणपति नगर, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर रख रहा हूँ भविष्य में मुझे मेरे उक्त नए नाम से ही जाना पहिचना जावे

मैंने अपना नाम दिव्या प्रसाद से दिव्या भटनागर वर्ष 2023 में रख लिया है भविष्य में मुझे दिव्या भटनागर के नाम से जाना जाये, 193,प्रताप नगर, खातीपुरा, जयपुर 302021

मेरा नाम मीना से मीना सुरेश सावलानी (Meena Suresh Sawiani) रख लिया है। आगे से मुझे मीना सुरेश सावलानी पत्नी सुरेश सावलानी के नाम से जाना जावे। पता-237, सिंधी कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर, (राजस्थान) 302016

मैंने अपना नाम मनीषा चौधरी (Manisha Chaudhari) से बदलकर मनीषा चौधरी (Manisha Choudhary) पत्नी- वेदप्रकाश, पुत्री सुरेंद्र सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे मनीषा चौधरी (Manisha Choudhary) के नाम से जाना जावे, पता-5/378, एस.एफ.एस अग्रवाल फार्म, मानसरोवर जयपुर।

मेरे पासपोर्ट नं. Z4183430 में मेरा नाम पूजा दर्ज कर दिया गया है जबकि मेरा वास्तविक व पूरा नाम पूजा रानी है। भविष्य में मुझे पूजा रानी पत्नी श्री संजय सिंह चौहान एवं पुत्री श्री जयसिंह के नाम से जाना जावे। पता-68-ए 1, भगवती नगर, निवारू रोड, जयपुर

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम इरशाद पता मील खेडा, नोआबाद, तह.पहाडी, जिला भरतपुर दर्ज है जबकि मेरा वास्तविक नाम मोहम्मद इरशाद व पता 27, आयशा नगर-एल, खो-नागोरियान, जयपुर है भविष्य में मुझे मोहम्मद इरशाद पुत्र इसाब खॉ के नाम से जाना जाये।

मैंने मेरा नाम नजमा बेगम से बदलकर नजमा (Najama) रख लिया है। मेरे आधार कार्ड व सभी दस्तावेजों में यही नाम दर्ज है। भविष्य में मुझे इसी परिवर्तित नाम से जाना व पहचाना जाए। नजमा (Najama) पत्नी नसीर मोहम्मद जाति मुसलमान निवासी 2, परसरामपूरी, न्यू इंद्रा कॉलोनी, पार्क वाली गली, जैनब मस्जिद के पास, जयपुर जिला जयपुर प्रान्त राज. पिन कोड 302002

मेरा नाम मीना से मीना सुरेश सावलानी (Meena Suresh Sawlani) रख लिया है। आगे से मुझे मीना सुरेश सावलानी पत्नी सुरेश सावलानी के नाम से जाना जावे। पता-237, सिंधी कॉलोनी, बनीपार्क, जयपुर, (राजस्थान) 302016

I Maniesh Kumar S/o Ramesh Kumar Meena residing at Manaksas, Jhunjhunu Rajasthan-333801, have changed my name to Naveen Meena.

शराब व वर्दी के नशे में धुत आई.पी.एस. ने होटल में पूरी रात जमकर मचाया तांडव

अजमेर स्थित मकराना होटल में अपने दोस्तों के साथ कर्मचारियों से मारपीट कर की तोड़फोड़

अजमेर, (कासं)। जयपुर रोड स्थित मकराना होटल में एक आईपीएस द्वारा शराब के नशे में अपने दोस्तों के साथ होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट करते हुये तोडफोड़ करने के मामले में एक एएसआई व दो पुलिसकर्मियों सहित आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई को निलंबित किया गया है।

शहर में एक आईपीएस अधिकारी पर अपनी वर्दी और शराब के नशे का इतना गुरुर चढ़ा कि उसने अपने दोस्तों के साथ 11 जून की रात गेगल थाना क्षेत्र के होटल मकराना राज कर्मचारियों के साथ मारपीट और तोड़फोड़ कर दी ओर उसके बाद वहां से चले गये, घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। होटल संचालक ने इसकी सूचना जब गेगल थाना पुलिस को दी तो गेगल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आरोपितों की तलाश में निकल गए, लेकिन जब गेगल थाना पुलिस को पता चला की आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई ने होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट की है तो आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई उनके दोस्त और गेगल थाना पुलिस के पुलिसकर्मी एक बार फिर होटल पहुंचे और होटल में तांडव मचाना शुरू कर दिया।

होटल में जो भी लोग मौजूद थे उनके साथ मारपीट और होटल में तोड़फोड़ की गई, लेकिन शराब के नशे में आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार विश्नोई यह भूल गए कि होटल में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं और उनकी यह पूरी काली करतूत होटल के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना रात करीब 3:00 बजे की है, जब एक फॉर्च्यूनर कार और एक वेन्यू कार में आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई अपने दोस्तों के साथ होटल के बाहर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि आईपीएस अधिकारी सुशील विश्नोई ने वहां बाहर घूम रहे होटल कर्मचारी से वाशरूम की जानकारी ली तो कर्मचारी ने उन्हें वाशरूम का रास्ता बता दिया। इसके बाद सुशील कुमार बिश्नोई होटल के अंदर गए और वहां पर फिर से टॉयलेट का रास्ता पूछने लगे, जब होटल के अंदर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि टॉयलेट का रास्ता बाहर से है तो सुशील कुमार विश्नोई ने अपना आपा खो दिया और अपने दोस्तों के साथ मिलकर होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया।

रात करीब 3 बजे का वक्त होने के चलते होटल में अधिक स्टाफ मौजूद नहीं था, इसी का फायदा उठाते हुए आईपीएस अधिकारी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर होटल में जमकर मारपीट की और तोड़फोड़ की। आईपीएस अधिकारी सिविल यूनिफॉर्म में होने के चलते होटल में उन्हें कोई पहचान नहीं सका। जानकारी के अनुसार जब होटल मालिक ने इसकी सूचना गेगल थाना पुलिस को दी तो गेगल थाना पुलिस की टीम होटल पहुंच गई। होटल कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि कुछ लोगों ने आकर उनके साथ मारपीट की और होटल में तोड़फोड़ की है।

जिस पर पुलिस टीम ने तुरंत आरोपियों की तलाश शुरू कर दी लेकिन जब गेगल थाना पुलिस को यह पता चला कि आरोपी कोई और नहीं उन्हीं के आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार विश्नोई और उनके दोस्त हैं तो वह सुशील कुमार विश्नोई और उनके दोस्तों को लेकर एक बार फिर होटल में पहुंचे। जहां इस बार उन्होंने पहले से ज्यादा मारपीट की और पुलिसकर्मियों ने भी अपने हाथ साफ करने से बाज नहीं आए गेगल थाना पुलिस के सिपाहियों ने भी होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट की।

अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर :- जब यह सूचना बाहर आई तो गेगल थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। बताया जा रहा है की गेगल थाना के एसएचओ सुनील कुमार बेड़ा को पूरी घटना की जानकारी होने के बावजूद भी अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आईपीएस अधिकारी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। अजमेर एसपी चुनाराम जाट ने घटना में शामिल गेगल थाने के एएसआई रूपाराम, कॉन्स्टेबल गौतम और मुकेश यादव सहित आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई को निलंबित कर दिया है।

पूरी घटना पर अजमेर एसपी चुनाराम जाट से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन चुनाराम जाट मीडिया के सामने नहीं आ रहे हैं। वही थाना के एसएचओ सुनील कुमार से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि आरोपियों की तलाश की जा रही है कुछ लोगों को राउंडअप भी किया है लेकिन वह आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार बिश्नोई के खिलाफ कुछ भी कहने से बचते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आईपीएस की ओर से मारपीट करने मामले में राठौड़ से मुलाकात करते राजपूत समाज के लोग।

- मामले में ए.एस.आई. व दो पुलिसकर्मी सहित आई.पी.एस. को निलंबित किया
- आई.पी.एस. विश्नोई ने अपने दोस्तों के लिये रखी थी विदाई पार्टी

बताया जा रहा है कि सुशील कुमार विश्नोई ने अपने दोस्तों के साथ अपने अजमेर से विदाई की पार्टी रखी थी। वहीं पूरे मामले में अब राजपूत समाज भी खुलकर सामने आया है बताया जा रहा है कि यह होटल राजपूत समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति का है, राजपूत समाज ने आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड से भी मुलाकात कर उन्हें पूरी घटना से अवगत कराया है धर्मेंद्र राठौड ने मीडिया से कहा कि इस मामले में किसी भी अधिकारी और पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाएगी। धर्मेन्द्र राठौड से मुलाकात के दौरान राजपूत समाज के दशरथ सिंह सकराय, नरेंद्र सिंह जालमपुरा, सुमेर सिंह शेखावत, डॉक्टर अजय सिंह राठौड़, बहादुर सिंह पीपरोली, पार्षद देवेंद्र सिंह शेखावत, गजेंद्र सिंह पीह, दातार सिंह राठौड़, मूल सिंह रुनीजा, महावीर सिंह गौड, पदम सिंह भाटी, जय सिंह राठौड़, शम्भू सिंह राठौड, सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

विधायक कल्पना देवी का गनमैन गायब

पुलिस विभाग से लेता रहा भुगतान

कोटा, (निसं)। विधायकों की सुरक्षा के लिए सरकार संबंधित जिले की पुलिस से गनमैन मुहैया करवाती है जिन्हें पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर कहते हैं। कोटा में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें विधायक के पास बीते 4 साल से गनमैन नहीं है लेकिन गनमैन के वेतन का भुगतान पुलिस विभाग कर रहा है।

पुलिस विभाग ने वर्ष 2019 में विधायक की सुरक्षा में गनमैन तैनात किया था लेकिन वो विधायक के पास पहुंचा ही नहीं। वह न तो पुलिस विभाग में ड्यूटी कर रहा है न ही विधायक की सुरक्षा में लगा है पिछले 4 साल से गनमैन न केवल पुलिस विभाग से वेतन ले रहा है बल्कि अपने हथियार की वार्षिक रिपोर्ट भी जमा करा रहा है।

इस दौरान वह मौज मस्ती करता रहा। मामले के अनुसार कोटा शहर पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल जितेंद्र सिंह (बेल्ट नंबर 1088) को साल 2019 में विधायक कल्पना देवी के गनमैन के तौर पर तैनात किया गया था उसने कभी विधायक के सुरक्षाकर्मी के तौर पर काम ही नहीं किया।

हालात ये हैं कि न तो विधायक ने और न ही पुलिस ने पुष्टि की कि उनका जवान गनमैन के तौर पर कार्यरत है या नहीं। जितेंद्र सिंह न तो ड्यूटी कर रहा था न ही वह पुलिस लाईन में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा था। इसका फायदा उठाकर वह बीते 4 सालों से मौज मस्ती में कर रहा था वर्तमान में भी जितेंद्र सिंह लद्दाख घूमने गया है। उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है। कुछ देर के लिए जब फोन चालू हुआ तो उसे पुलिस अधिकारियों ने पुलिस लाईन में हाजिरी देने के लिए कहा लेकिन उसने फिर फोन स्विच ऑफ कर लिया। वीआईपी की सुरक्षा में लगे गनमैन को हर साल अपने हथियार का ब्यौरा उपलब्ध कराना होता है। जिसके लिए उसे पुलिस लाइन में जाना पड़ता है।

- पुलिस विभाग ने वर्ष 2019 में विधायक की सुरक्षा में गनमैन तैनात किया था लेकिन वो विधायक के पास पहुंचा ही नहीं

जब विधायक के साथ लगे गनमैन जितेंद्र सिंह को फोन किया गया तो उनका फोन स्विच ऑफ मिला। ऐसे में पुलिस ने विधायक को फोन कर दिया। विधायक ने कहा कि उनके पास तो कोई गनमैन ही नहीं है। इससे पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया। इसके बाद पुलिस ने आंतरिक जांच शुरू की तो सामने आया कि बीते 4 सालों से वह पुलिस लाईन में अपने हथियार का ब्यौरा प्रस्तुत कर सैलरी भी पूरी उठा रहा था। विधायक कल्पना देवी के बयान के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राम कल्याण मीणा ने जितेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है।इस पूरे प्रकरण की जांच पड़ताल भी शुरू कर दी है। एडिशनल एसपी मीणा का कहना है कि इस मामले में विधायक के बयान के बाद कांस्टेबल को निलंबित किया गया है और नियमानुसार कार्रवाई कर रहे हैं। आरोपी कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी बीते 4 सालों में कई बार पुलिस लाईन में आकर ट्रेनिंग भी ली है। साथ ही वह जयपुर में जाकर गनमैन का प्रशिक्षण भी अलग से 2022 जुलाई में लेकर आया है। हर बार ट्रेनिंग के लिए पुलिस लाईन में आमद करवाता था। साथ ही ट्रेनिंग पूरी हो जाने के बाद वापस रवानगी ले लेता था।

इसके साथ ही पुलिस कर्मियों की परीक्षा भी पुलिस लाईन में आयोजित हुई है इसके लिए भी जितेंद्र सिंह सोलंकी को कई बार पुलिस लाईन से संपर्क किया गया जिसके बाद वह आकर परीक्षा दे जाता और वापस चला जाता था ताकि किसी को शक नहीं हो कि वह कल्पना देवी के साथ बतौर सुरक्षाकर्मी काम नहीं कर रहा है। जितेंद्र सिंह सोलंकी ने एक बार भी पुलिस लाईन में किसी को यह नहीं बताया कि वह कल्पना देवी की सुरक्षा में नहीं लगा हुआ है।

इसके चलते हमेशा पुलिस लाइन से उसकी सैलरी बन जाती थी और उसके खाते में चली जाती थी। आरोपी कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी को करीब 50 हजार रुपए से ज्यादा की सैलरी हर माह मिल रही थी। ऐसे में वह अभी तक 25 लाख रुपऐं की सैलरी उठा चुका हैं। जबकि उसने बतौर सुरक्षाकर्मी काम ही नहीं किया है। कोटा सिटी पुलिस लाईन के संचित निरीक्षक भगवान सहाय का कहना है कि सैलरी बनाने के लिए कोई डॉक्यूमेंट एमएलए या उसके ऑफिस से नहीं लिया जाता है। ऐसे में लगातार जितेंद्र की सैलरी पुलिस लाईन से बनती रही थी। विधायक कल्पना देवी कोटा के पूर्व राज परिवार की सदस्य हैं। ऐसे में सिविल लाइंस स्थित राजभवन में ही निवास करती हैं।

दूसरा उनका कार्यालय भी नेहरू गार्डन के नजदीक है। पूर्व राजपरिवार के सुरक्षाकर्मी पहले से भी हैं ऐसे में विधायक बनने के बाद कल्पना देवी ने किसी सुरक्षा गार्ड या गनमैन को लगाने की जरूरत भी नहीं समझी है। उनके निजी सहायक रूपेश राय का कहना है कि कभी सुरक्षाकर्मी की जरूरत ही नहीं हुई। कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी पता नहीं कहां से कागज लाकर गनमैन बन गया हमने कभी देखा भी नहीं है। साथ ही वह एमएलए कल्पना देवी के पास कभी आया भी नहीं है।

पेपरलीक मास्टर माइंड को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

शिक्षक पात्रता योग्यता परीक्षा पेपर लीक मामले का है मास्टर माइंड है सुरेश ढाका

जोधपुर, (कासं)। शिक्षक पात्रता योग्यता परीक्षा पेपर लीक मामले के मास्टर माइंड सुरेश ढाका को राजस्थान हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। आरोपी सुरेश ढाका की तरफ से अग्रिम जमानत के लिए दूसरी बार एप्लीकेशन लगाई गई थी, जिस पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने अगली सुनवाई 5 जुलाई रखी है।

बता दें कि 28 अप्रैल को हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत का आवेदन डिटेल ऑर्डर के साथ खारिज कर दिया गया था। इस आदेश को सुरेश ढाका ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में ढाका के वकील सलमान खुर्शीद ने दलील दी कि सुरेश ढाका के खिलाफ 5 प्रकरण बताए गए हैं जो सभी असत्य हैं। उसके खिलाफ कोई केस पैंडिंग नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को यह कह कर निस्तारित कर दिया था कि यह फैक्ट राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करें। इसके बाद मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई जिसमें सरकारी वकील ने एसओजी के जांच अधिकारी लाखन सिंह को तथ्यात्मक रिपोर्ट के साथ पेश किया।

- ढाका ने अग्रिम जमानत के लिए दूसरी बार लगाई थी एप्लीकेशन

लाखन सिंह ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध 5 प्रकरण हैं, यह एकदम सही है। हमारे द्वारा जो तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की गई है, उसमे भी इसका उल्लेख है। हाईकोर्ट में पिछली सुनवाई 29 मई को हुई थी। तब अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने कोर्ट के समक्ष कहा था कि आरोपी सुरेश ढाका के खिलाफ पांच प्रकरण है, इस पर हम अगली सुनवाई में नई तथ्यात्मक रिपोर्ट मय आईओ के शपथ पत्र के साथ पेश करेंगे।इस पर आज मंगलवार को अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने नई तथ्यात्मक रिपोर्ट मय आईओ के शपथ पत्र के साथ पेश की। आरोपी के अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने कोर्ट से आग्रह किया कि शपथ पत्र की कॉपी हमें आज दी गई है। हमें इसके लिए समय दिया जाए। इस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 5 जुलाई को नीयत की है।

कार्यवाहक सरपंच रिश्वत लेते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एसीबी ने उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच को 53 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। बालेसर निवासी सरपंच ने 2 पट्टे जारी करने के एवज में 53 हजार की घूस मांगी थी।

ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर-ग्रामीण इकाई ने आज कार्यवाही करते हुए बालेसर तहसील के गांव बेलवा खत्रिया के उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच सेठाराम माली को परिवादी से 53 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि ए.सी.बी. की जोधपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी। परिवादी ने बताया कि उसके पैतृक भूखण्ड के दो पट्टे जारी करने की एवज में सेठाराम माली उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच द्वारा 55 हजार रुपए रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

आंधी-तूफान के आसार

भरतपुर (निस)। पिछले दिनों आये चक्रवाती तूफान से सम्पत्ति के साथ जनहानि भी हुई, अभी मौसम विभाग ने 15 से 16 जून को पुन: आंधी-तूफान आने की चेतावनी जारी की है। कृषि महाविद्यालय कुम्हेर के डीन डॉ. उदयभान सिंह ने बताया कि आंधी और तूफान से अक्सर पशुओं, फसलों, कमजोर इमारतों, बिजली के खम्भों, पुराने पेड़ों के साथ-साथ मनुष्यों को हानि पहुँचती है। सावधानियाँ अपनाकर आंधी तूफान के कहर से बचा जा सकता है।

गैस पाइप लीकेज से हड़कंप मचा

खुदाई करते समय कट गई लाइन

जोधपुर, (कासं)। शहर के सालावास रोड पर मंगलवार की सुबह गैस लीकेज से हडक़ंप मच गया। बताया गया कि लाइन खुदाई करते लाइन कट गई। जिससे गैस का लीकेज हुआ। बाद में पुलिस और कंपनी के अधिकारी वहां पहुंचे और गैस पाइप लाइन को दुरूस्त करवाया गया। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया गया कि बिना अनुमति के सफाई का कार्य चल रहा था। बासनी में एक फैक्ट्री में कपड़ा धुलाई फैक्ट्री की ओर से यह खुदाई करवाई जा रही थी।

जेपीएनटी की वेस्ट लाइन हुई चॉक :- जानकारी के अनुसार जेपीएनटी की ओर से बिछाई वेस्ट पानी लाइन चॉक हो गई थी। कंपनी ने यहां पर सडक़ खुदवा कर काम शुरू कर दिया। मौके पर गैस कंपनी के चेतावनी बोर्ड लगे होने के बावजूद कंपनी ने गैस पाइपलाइन अधिकारियों को सूचना नहीं दी। सुबह 9 बजे यहां जेसीबी से खुदाई शुरू की। चार पांच फीट खुदाई के बाद यहां पर गैस पाइप लाइन का पाइप क्षतिग्रस्त हो गया। इससे गैस निकलने शुरू हो गई और आसपास के जगह पर गैस की गंध फैलने लगी।

इधर जेसीबी वाला मौके से जेसीबी लेकर फरार हो गया। वहीं गैस लीक होते देख पास के केबिन संचालक और अन्य लोग डर के मारे भाग छूटे। आधे घंटे बाद गैस कंपनी के प्रतिनिधि पहुंचे और गैस सप्लाई बंद करवाई गई। यहां अब फिर से गैस पाइप लाइन दुरुस्त करने का काम शुरू किया। गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त करने के लिए 3 साल की सजा और 25 करोड के जुर्माने का प्रावधान है। मामले में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। एहतियात के तौर पर बासनी से दमकल को भी बुलाया गया।

वृद्धा की हत्या कर फरार हुआ दूसरा पति

हनुमानगढ़, (निसं)। जंक्शन के खुंजा क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी 65 वर्षीय पत्नी की चाकू से गोद कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। मृतका का शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में हत्या का कारण गृह क्लेश होना बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिली कि खैरा बानो (65) वार्ड 5 खुंजा की उसके दूसरे पति इशाक अली पुत्र कासम अली ने चाकू मारकर हत्या कर दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और खून से लथपथ महिला को अस्पताल भिजवाया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि खैरा बानो के पहले पति की 15 वर्ष पहले मौत हो गई थी जिसके बाद उसने इशाक अली से निकाह कर लिया था। खैरा बानो के पहले पति से तीन संतान है जिसमें दो पुत्र एवं एक पुत्री है। दो वर्ष पहले पति-पत्नी में अनबन होने के बाद एक पुत्र के साथ खैरा बानो तो दूसरे पुत्र के साथ इशाक अली रहने लगा। बताया जा रहा है कि डबलीराठान में विवाहित खैरा बानो की पुत्री यहां आई हुई थी जिस पर वह अपनी बेटी के साथ उस पुत्र के घर चली गई जिसके पास इशाक अली रह रहा है। वहां किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई और तैश में आए इशाक अली ने खैरा बानो के पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए जिससे उसकी अस्पताल में मौत हो गई। सीआई गेरा ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

मामूली कहासुनी के बाद युवक की हत्या, मुआवज़े की लेकर हंगामा

पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लिया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में बांगड़ हॉस्पिटल के सामने बीती रात को मामूली कहासुनी के बाद एक युवक की चाकू से गोद कर हत्या कर दी गई। चाकूबाज़ी के हमले में घायल युवक को देर रात महात्मा गांधी हॉस्पिटल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुभाष नगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि मंगलवार रात को बांगड़ हॉस्पिटल के सामने विजयसिंह पथिक नगर निवासी अजय यादव की कुछ साथी एम्बुलेंस ड्राइवरों से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद रात को करीब 6 से 8 लोगों ने अजय यादव पर हमला कर दिया और चाकू मारकर घायल कर दिया। अजय की एमजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान मौत हो गई। रात को शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं इस मामले में एक युवक को डिटेन भी किया गया है। जिससे घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटनास्थल के आस-पास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जिसमें घटना कैद मिली है।

सुभाषनगर पुलिस ने बताया कि मोतीनगर निवासी राजेंद्र यादव पुत्र मोहनलाल यादव ने हत्या की रिपोर्ट दी है। राजेंद्र ने रिपोर्ट में बताया कि वह बागंड हॉस्पीटल मे एंबुलेंस चलाता है। हॉस्पीटल के बाहर अभिषेक जीगर व नरेश खटीक भी एम्बुलेंस रखते है। ये लोग उसके परिचित हैं। 12 जून को राजेंद्र के बेटे मुरली यादव ने अभिषेक जीनगर को फोन कर उसके पिता को साथ बैठाकर शराब नहीं पिलाने के लिए कहा। इसे लेकर अभिषेक व मुरली के बीच बोलचाल हो गई। इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामले को सुलझाने के लिए राजेंद्र की पत्नी ने उसके साले अजय यादव को बांगड़ अस्पताल के पास भेजा। वहां, अभिषेक जीगर, हरीश खटीक, नरेश खटीक, बाबु लाल वसीटा, जीतू व 2-3 अन्य लोग मिले। राजेंद्र भी वहीं खड़ा था। राजेंद्र का एक परिचित नारायण नारायण बैरवा भी वहां होटल पर चाय पी रहा था।

राजेंद्र ने रिपोर्ट में बताया कि नरेश खटीक, बाबु लाल वसीटा, जीतु ने राजेंद्र के साले अजय यादव को पकड़ा और हरीश खटीक ने जेब से चाकू निकाल कर अजय के सीने पर ताबड़-तोड़ वार किये। सीने में चाकू के ताबड़-तोड़ वार के बावजूद अजय खुद को बचाने के लिए वहां से भागा और गिर पड़ा। ये आरोपित भी उसके पीछे भागे। इसके बाद ये आरोपित वापस लौट आये। हरीश, नरेश व अभिषेक तीनों वहां से टवेरा लेकर भाग गये। वहीं बाबूलाल व जीतू भी इधर-उधर हो गये। उधर, चाकू लगने के बाद जान बचाकर भागे साले के पीछे उसका जीजा राजेंद्र भी भाग कर गया, जहां उसे अजय खून से लथ-पथ होकर गली में पड़ा हुआ मिला। राजेंद्र के बेटे मुरली यादव, कान्हा यादव चीख रखे थे।

इसके बाद अजय को उठाकर बांगड़ अस्पताल ले गये, जहां से उसे एमजीअस्पताल ले जाने के लिए कहा बाइक पर उसे हॉस्पिटल लेकर पहुँचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सवेरे परिजनों ने आरोपीयो को गिरफ़्तारी और मुआवज़े को लेकर मोर्चरी के बाहर हंगाम खड़ा कर दिया। घटना की सूचना के बाद एडिशनल एसपी चंचल मिश्रा, सीओ सदर योगेश शर्मा, सुभाष नगर थाना अधिकारी नंदलाल रिणवा, प्रतापनगर थानाधिकारी अरविंद सिंह चारण सहित पुलिस जाब्ता हॉस्पिटल पहुँचा। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लेते हुए उचित मुआवज़े का आश्वासन देकर मामला शांत करवाया है।

परिजनों ने आरोपियों की गिरफ़्तारी और मुआवज़े को लेकर मोर्चरी के बाहर हंगाम खड़ा कर दिया।

- घटनास्थल के आस-पास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जिसमें घटना कैद मिली है

अतिक्रमण हटाने पहुंची जे.डी.ए. की टीम को विश्नोई समाज ने रोका

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में केरु पंचायत समिति के पुनिया की प्याऊ में अतिक्रमण हटाने पहुंची जेडीए की टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। विश्नोई समाज के लोगों ने कार्रवाई को लेकर विरोध शुरू कर दिया है। समाज की महिलाएं भी प्रदर्शन में पहुंच गई। फिलहाल जेडीए की कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई है। अखिल भारतीय विश्नोई महासभा के देवेंद्र बुडिया भी मौके पर पहुंचे हैं।

- जिस जमीन को लेकर विवाद बताया जा रहा है वहां मां अमृता देवी का बोर्ड लगाया गया है

जिस जमीन को लेकर विवाद बताया जा रहा है वहां पर मां अमृता देवी का बोर्ड लगाया गया है। दरअसल कोर्ट के निर्देश के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने के विरोध में केरु पंचायत समिति के पुनिया की प्याऊ के लोग पिछले 16 दिनों से धरना दे रहे थे। सोमवार को इन लोगों ने जेडीए के बाहर भी सद्बुद्धि यज्ञ किया था। उसके बाद जेडीए ने मंगलवार को केरू क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने को लेकर निर्णय लिया था। जेडीए का दस्ता अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो विश्नोई समाज के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और कार्रवाई को लेकर विरोध जताने लगे। समाज के लोगों का कहना था की मां अमृता देवी के नाम पर बने उद्यान के बोर्ड और पेड़-पौधों को नहीं हटाने दिया जाएगा। वहीं विरोध को देखते हुए फिलहाल कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई। मौके पर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है।

दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि जोलियाली में करोड़ों की सरकारी जमीन पर उद्यान के नाम पर कब्जा कर लिया गया है। रातों रात यहां तारबंदी करके पौधे लगा दिए गए। जबकि ये गोचर भूमि है। बता दें कि पिछले बार भी जाब्ते के अभाव में जेडीए दस्ते को वापस लौटना पड़ा था। इस बार जाब्ते के साथ टीम पहुंची तो लोगों ने विरोध शुरू कर दिया।

आई.ए.एस. गिरधर निलंबित

जयपुर/अजमेर, (का.सं.)। गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर को तुरंत प्रभाव से निलम्बित करने के आदेश जारी हुए हैं। गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर के विरूद्ध विभागीय जाँच कार्यवाही विचाराधीन है। अत: राज्य सरकार अखिल भारतीय सेवाऐं (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के नियम-3 के उप नियम (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर को तुरंत प्रभाव से निलम्बित करने के एतद्वारा आदेश प्रदान करती है। राजेन्द्र सिंह कविया शासन संयुक्त सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरधर, आई.ए.एस. का निलम्बन काल के दौरान मुख्यालय प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर के कार्यालय में रहेगा।

SANITATION WATER AND COMMUNITY HEALTH PROJECT
निदेशालय – स्वच्छ परियोजना, उदयपुर
बड़ी रोड़ (हवाला खुर्द), पुलिस अन्वेषण भवन के आगे, उदयपुर (राज.) 313001
Email: directorswach@rajasthan.gov.in, swachhoudaipur@gmail.com
क्रमांक : एफ( )/मां बाडी/निविदा/निदे./स्वच्छ/2023-24/1857 दिनांक 13.06.2023
बोली सूचना संख्या – 08/2023-24
UBN - SWP2324GLSS00017
वर्ष 2023-24 में स्वच्छ परियोजना द्वारा विभिन्न जिलों में संचालित मां बाडी एवं मां बाडी डे-केयर योजना अन्तर्गत केन्द्रों पर अध्ययनरत बालक/बालिकाओं हेतु स्टेशनरी सामग्री (अनुमानित लागत राशि रू. 425.00 लाख) क्रय किये जाने की आवश्यकता है। इस हेतु ई-बोली सूचना आमंत्रित की जाती है। उक्त बोली से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दिनांक 26.06.2023 को अपरान्ह् 12.00 बजे तक वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी।
निदेशक

चूड़ी कारखाने में 18 घंटे काम कर रहे बिहार के 22 बच्चों का रेस्क्यू

500-500 रु. एडवांस देकर 7 से 17 वर्ष के बच्चों को बिहार से लाया था कारखाना संचालक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भट्टा बस्ती पुलिस ने एनजीओ की मदद से बाल मजदूरी का बड़ा खुलासा करते हुए चूड़ी कारखाने से 22 बच्चों को मुक्त करवाया है। ये एक छोटे से कमरे में एक साल से काम कर रहे थे। रेस्क्यू किए गए बच्चों की उम्र 7 से 17 साल तक है। इन बच्चों को आरोपी शहनवाज उर्फ गुड्डू 500-500 रुपए एडवांस देकर लाया था।

- **पुलिस दबिश की सूचना पाकर अपने चार बच्चों को घर पर छोड़कर आरोपी दंपत्ति फरार**
- **बच्चों ने बताया कि बीमार होने व काम सही तरीके से नहीं करने पर लोहे की रॉड से पीटता था आरोपी**

शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि बच्चों से सुबह 6 से रात 12 बजे तक काम करवाया जा रहा था। अगर किसी बच्चे की तबीयत खराब होती तो उसे आरोपी शहनवाज लोहे की रॉड से पीटता था, उनसे जबरदस्ती काम करवाता। पुलिस रेड की जानकारी मिलने पर आरोपी पत्नी के साथ मौके से भाग गया, लेकिन मौके पर अपने चार बच्चों को छोड़ गया। बचपन बचाओ आंदोलन संस्था को इन बच्चों के बारे में जानकारी मिली थी। जिस घर में बच्चों से बाल मजदूरी कराई जाती थी। उस घर में पिछले एक माह से बच्चों की पिटाई और रोने की आवाज आ रही थी। इस पर कॉलोनी के लोगों ने ही बचपन बचाओ आंदोलन को इसकी जानकारी दी।

बचपन बचाओ आंदोलन संस्था के साथ चाइल्डलाइन, प्रयास संस्था, बाल विकास धारा, डीसीपीयू, बाल कल्याण समिति, मानव तस्करी विरोधी यूनिट और भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने घर पर रेड की। इस दौरान आरोपी ने घर पर बाहर से ताला लगा रखा था। बच्चे पहली मंजिल पर काम कर रहे थे। बचपन बचाओ आंदोलन संस्था के सदस्य दूसरे मकान की छत पर जाकर आरोपी के घर में कूदे। इसके बाद बच्चों को रेस्क्यू किया।

रेस्क्यू के बाद बच्चों का मेडिकल कराया गया। इनमें से 11 साल का एक बच्चा जांच में कुपोषित निकला। इसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरे बच्चे ने छाती में दर्द की शिकायत की। पता चला कि आरोपी ने उसे कुछ दिन पहले ही पीटा था क्योंकि उसने चूड़ी पर सीधे मोती नहीं लगाए थे। आरोपी ने उसे पहले लोहे की रॉड से मारा, फिर छाती पर लात मारी। मासूम बच्चा दर्द से चिल्लाता रहा, लेकिन आरोपी शहनवाज नहीं रुका। डॉक्टर ने बच्चे की पसलियों में सूजन बताई है। रेस्क्यू टीम ने सभी बच्चों की उनके परिवार के सदस्यों से बात कराई है।

प्रारम्भिक पूछताछ में बच्चों ने बताया कि आरोपी शहनवाज उन्हें बिहार के सीतामढ़ी और मुजफ्फराबाद से लेकर आया है। आरोपी ने उनके माता-पिता को 500 से 1000 रुपए अग्रिम राशि दी है। इसके बाद आरोपी उन्हें जयपुर लेकर आया, फिर 18 घंटे काम लेता है। इन बच्चों के साथ जानवरों से भी बुरा व्यवहार होता है। कई दिनों तक इन बच्चों को नहाने नहीं दिया जाता। बच्चों को बीमारियां हो गई हैं। खाने में सिर्फ खिचड़ी, चाय और बिस्किट दिए जाते हैं।

बचपन बचाओ आंदोलन की कॉर्डिनेटर पार्वती ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी। इस पर मैंने पूरी टीम के साथ ऑपरेशन करने की बात साझा की। सोमवार दोपहर 12 बजे टीम के 12 सदस्यों को लेकर आरोपी शहनवाज के घर पहुंचीं। आरोपी ग्राउंड फ्लोर पर ताला लगाकर निकल चुका था। हमने पडौसी की छत से कूद कर घर में प्रवेश किया और बच्चों को रेस्क्यू किया।

पार्वती ने बताया कि आरोपी दो-चार की संख्या में बिहार से बच्चे लाता था। कुछ बच्चे एक माह पहले लाए गए। कुछ बच्चे एक साल से आरोपी के पास काम कर रहे हैं। बच्चों ने काउंसलिंग के दौरान खुद के साथ मारपीट, खाना नहीं देने और 18 घंटे काम कराने की बात बताई।

भट्टा बस्ती सीआई विनोद कुमार ने बताया कि बाल मजदूरी की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। मौके पर आरोपी के चार बच्चे मिले। आरोपी अपनी पत्नी के साथ मौके से फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। जल्द उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

40 गज भूमि पर बेसमेंट समेत 3 मंजिला अवैध दुकान बनाई

पिछले आठ माह से जेडीए और भूखंड़ मालिक नोटिस-जवाब का खेल खेलते रहे, अब निर्माण पूरा होने के बाद प्रवर्तन टीम ने इमारत सीज की

जयपुर (कासं)। मालपुरा गेट स्थित भैरव कॉलोनी में 40 गज जमीन पर भूखंड़ मालिक ने बेसमेंट समेत 3 मंजिला दुकान बना दी, जिसे जेडीए की प्रतवर्न टीम ने मंगलवार को सील किया।

जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि सांगानेर क्षेत्र के मालपुरा गेट इलाके में गैरअनुमोदित भैरव कॉलानी है। जहां भूखंड़ मालिक ने 40 गज जमीन पर बेसमेंट समेत 3 मंजिला दुकान बना दी। इस अवैध

- **मालपुरा गेट स्थित भैरव कॉलोनी में हुआ था अवैध निर्माण**

निर्माण की शिकायत मिलने पर 6 अक्टूबर 2022 को भूखंड़ मालिक को धारा 32-33 का नोटिस जारी किया और अवैध निर्माण रूकवाया। इसके बाद भूखंड़ मालिक ने जेडीए के नोटिसों का जवाब दिया, लेकिन तकनीकी परीक्षण में यह जवाब स्वीकार योग्य नहीं था।

मजेदार बात यह है कि जेडीए प्रशासन पिछले साल अक्टूबर माह से अब तक भूखंड़ मालिक को नोटिस थमाता रहा, जिसका प्लॉट मालिक भी जवाब देता रहा। पिछले 8 माह से यह नोटिस-जवाब का खेल जारी था, इसी वक्त में दुकान की तीसरी मंजिल भी डल गई।

आखिरकार मंगलवार को जेडीए की प्रवर्तन टीम ने ईंटों की दीवार चुनवाकर, शटर पर ताले, सील चपडी लगाकर सीलिंग की कार्यवाही की गई।

जेडीए की प्रवर्तन टीम ने मालपुरा गेट इलाके में बनी अवैध दुकान के शटर के आगे ईंटों की दीवार बना सीलिंग की कार्रवाई की।

भाजपा का भ्रष्टाचार पर सचिवालय घेराव, जोशी-राठौड़ का पहला शो फ्लॉप

भीड़ का दावा फेल, किरोड़ी टोंक, सवाईमाधोपुर, दौसा से लाये लोग

जयपुर । राजस्थान में भाजपा भ्रष्टाचार को चुनावो में बड़ा मुद्दा बनाना चाह रही है, लेकिन इसकी शुरुआत में शासन सचिवालय को घेराव का जयपुर में पहला प्रदर्शन ही फ्लॉप शो रहा। खास यह भी है कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ की ताजपोशी के बाद जयपुर में यह पहला प्रदर्शन था। लेकिन दावे के मुताबिक भीड़ नहीं आई। इस प्रदर्शन में जयपुर जिले के भाजपाइयों को ही आना था। मगर जयपुर में आपसी गुटबाजी पर दोनों नेता पार पाने में असफल रहे।

राठौड़ ने तो प्रदर्शन को लेकर पिछले 15 दिनों में जी-जान लगा दी थी, उन्होंने जयपुर जिले की टीम इकाइयों के जिलाध्यक्षों सहित पदाधिकारियों जयपुर के पार्षदों सहित प्रमुख नेताओं की बैठक भी ली थी और सभी को भीड़ लाने का टारगेट भी दिया गया था लेकिन उनकी मेहनत गुटबाजी ने फेल कर दी। जयपुर में 250 नगर निगम के वार्ड, 33 मंडल और तकरीबन 1800 से अधिक बूथ हैं। अगर भाजपा के कुल पदाधिकारियों की बूथ स्तर तक की टीम भी कार्यक्रम में आ जाती तो तकरीबन 7000 से ज्यादा लोग तो भाजपा के पदाधिकारी ही हो जाते। लेकिन भाजपा ऑफिस पर हुई सभा में लगाए गए टेंट और मौजूदा भीड़ को देखकर भाजपा के कई प्रमुख पदाधिकारियों और नेताओं ने भीड़ को देखकर असंतोष जाहिर किया। कुर्सियां खाली रहने के कारण सबसे ज्यादा चिंतित राजेंद्र राठौड़ दिखे।

उन्होंने मंच से उतरकर पार्टी कार्यालय के अंदर विभिन्न कमरों और कार्यालयों में जमा भाजपाइयों को खुद जाकर बाहर प्रदर्शन के कार्यक्रम में पहुंचने के निर्देश दिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और राजेंद्र राठौड़ को संभवत: पहले ही इसकी आशंका थी, इसके चलते उन्होंने पहले 7 जून को प्रस्तावित शासन सचिवालय घेराव को स्थगित कर दिया और इसे 6 दिन बाद 13 जून यानी कि मंगलवार को रखने का फैसला किया था। बावजूद इसके अपेक्षित भीड़ नहीं जुट पाई। भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को तो आसपास के जिलों से आशंकित होकर भीड़ लाने का टारगेट दिया गया था।

किरोड़ी प्रदर्शन के दौरान टोंक, सवाई माधोपुर और दौसा से बसों में भरकर अपने समर्थकों को लेकर यहां पहुंचे थे। हालांकि सचिवालय घेराव को सफल बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के घर जाकर मुलाकात करके आए थे। उसके बाद भी इस घेराव में न तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पहुंची और न ही उनके कार्यकर्ता पहुंचे। वही इसके साथ कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया भी नहीं पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता आपस में चर्चा करते नजर आए कि दोनों नेताओं ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाने के लिए राज्य के बाहर अन्य कार्यक्रम तय कर लिए हैं।

अति. मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग शुभ्रा सिंह ने मंगलवार को सीकर जिले के चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ठिकरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि हमें अन्य संस्थानों को भी इसी मॉडल पीएचसी की तर्ज पर उत्कृष्ट बनाना चाहिए। उन्होंने एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्राप्त ठिकरिया पीएचसी में दवा संधारण के लिए अपनायी गयी व्यवस्था, उपलब्ध दवाईयों एवं जांचों के डिसप्ले सहित सभी व्यवस्थाओं को बेहतरीन बताया। एसीएस शुभ्रा सिंह ने इससे पूर्व रींगस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ट्रोमा सेन्टर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने लेप्रोस्कोप मशीन उपलब्ध कराने की मांग अतिरिक्त मुख्य सचिव से की। इस पर उन्होंने निदेशक जनस्वास्थ्य को निर्देश दिए कि उक्त उपकरण की खरीद आरएमआरएस से करवायी जाए।

'मुस्लिम परिषद् संस्थान के विरोध के बाद तौलियत का दर्जा खत्म'

'वक्फ बोर्ड की मीटिंग में विरोध के बाद तौलियत कमेटी का दर्जा वापस लेने का प्रस्ताव पारित हुआ'

जयपुर (कासं)। मुस्लिम परिषद् संस्थान के विरोध के बाद मुस्लिम मुसाफिरखाना जयपुर की कमेटी की तौलियत (आजीवन वैधता) का दर्जा खत्म हो गया है। इस मुद्दे को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता यूनूस चौपदार ने कार्यकर्ताओं के साथ मंगलवार को वक्फ बोर्ड कार्यालय पर विरोध-प्रदर्शन किया था।

- **सामाजिक कार्यकर्ता यूनूस चौपदार ने बोर्ड मीटिंग से पहले वक्फ बोर्ड चेयरमैन खानू खां बुधवाली के दफ्तर के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया**
- **'मुस्लिम मुसाफिरखाना तौलियत कमेटी का गठन 27 जुलाई 2011 को किया था, लेकिन पिछले 2 वर्षों से इसका विरोध हो रहा था'**

यूनूस चौपदार ने बताया कि राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष खानू खान बुधवाली ने मंगलवार को बोर्ड मीटिंग बुलाई थी, बैठक में यह मुद्दा जोर-शोर से गूंजा। सभी की मांग थी कि मुस्लिम मुसाफिरखाने की तौलियत कमेटी को खत्म किया जाये और नई कमेटी का गठन हो। मैंने इस मुद्दे को लेकर तमाम वक्फ बोर्ड सदस्यों को ज्ञापन भी सौंपा था, जिसमें साफ चेतावनी दी थी कि अगर तौलियत कमेटी (आजीवन) को खत्म नहीं किया गया तो वक्फ बोर्ड का घेराव किया जायेगा। मंगलवार को विरोध-प्रदर्शन के बीच आदर्श नगर विधायक रफीक खान और वक्फ बोर्ड अध्यक्ष खानू खां बुधवाली और सीईओ ने वार्ता की और आश्वस्त किया था कि तमाम मांगें मानी जायेगी। इसके बाद बोर्ड मीटिंग में यह मुद्दा गूंजा, जिसमें सदस्यों ने तौलियत कमेटी का दर्जा वापस लेने का प्रस्ताव पारित किया।

यूनूस चौपदार ने बताया कि मुस्लिम मुसाफिरखाना तौलियत कमेटी का गठन 27 जुलाई 2011 को किया गया था। इसके बाद इसी कमेटी के सचिव व बोर्ड सदस्य शौकत कुरैशी ने की तौलियत(आजीवन) कमेटी का दर्जा देने अनुशंसा की। इसके लिए 150 नये कमरों, ऑडिटोरियम समेत बडे निर्माण के लिए तौलियत कमेटी बनाने की सिफारिश की गई थी। इस अनुशंसा पर 6 नवंबर 2015 को कमेटी को तौलियत का दर्जा दिया गया, लेकिन आज तक नहीं कोई भी निर्माण कार्य हुआ। इसके बावजूद पिछले 12 वर्षों से यह यह कमेटी काबिज है, इसके विरोध में पिछले 2 साल से अनेक संगठन लगातार विरोध कर रहे थे। जिनको आज न्याय मिला है।

जयपुर-उदयपुर रेलवे स्टेशन की अव्यवस्था पर प्रसंज्ञान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर और उदयपुर रेलवे स्टेशन सहित उदयपुर जाने वाली ट्रेन में अव्यवस्थाओं को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने अजमेर और जयपुर डीआरएम को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने इस आदेश मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने मामले की सुनवाई चार जुलाई को तय करते हुए उदयपुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश को कहा है कि वह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट या रेलवे मजिस्ट्रेट से इस संबंध में तथ्यात्मक जानकारी लें।

मामले के अनुसार जस्टिस सुदेश बंसल ने 12 जून को सुबह 6.15 की ट्रेन से उदयपुर गए थे। उन्होंने देखा कि जयपुर रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर अनियंत्रित निजी वाहनों के चलते यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। निजी वाहनों को स्टेशन बिल्डिंग के बिल्कुल नजदीक जाने की छूट होने और इन्हें नियंत्रित करने के लिए रेलवे प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। वहीं ट्रेन के अंदर बैठने की सीट, टॉयलेट और गेट आदि का भी उचित रखरखाव नहीं था। उदयपुर पहुंचने पर जस्टिस सुदेश बंसल ने पाया कि वेटिंग हॉल बंद था और मैन्टीनेन्स रजिस्टर भी नहीं था। वहीं स्टेशन मास्टर का ऑफिस भी बंद था। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सहायता के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं थी। दूसरी ओर वेटिंग हॉल बंद होने और यात्रियों के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में कोई जवाब देने वाला तक नहीं था। इसी तरह स्टेशन पर एरिया ऑफिसर व उच्चाधिकारियों के संपर्क नंबर नहीं थे। जस्टिस बंसल ने माना कि इन सुविधाओं को लेना यात्रियों का कानूनी अधिकार है, लेकिन उन्हें यहां परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अदालत ने मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए रेलवे प्रशासन से जवाब तलब करते हुए उदयपुर डीजे से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

छात्रा ने फांसी लगाकर जान दी

जयपुर । राजधानी के सिविल लाइंस क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही छात्रा ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उसका शव चुन्नी से फंदे पर लटका मिला। कमरे में पड़े उसके मोबाइल पर लगातार कॉल आ रहे थे। सोडाला पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के पिता का आरोप है बेटी के मरने से एक दिन पहले आरोपी लड़के ने कॉल कर उसे मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि झुंझुनूं के चिड़ावा की रहने वाली पलक भारतीय (18) पुत्री रामावतार भारतीय ने आत्महत्या की है। वह सिविल लाइंस क्षेत्र में किराए से रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। गत 11 जून की शाम उसने अपने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पडौसी किराएदार की नजर उसके कमरे की खिड़की पर पड़ी तो उसने शव फंदे से लटका देखा, जिसके बाद मकान मालिक ने सोडाला पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी।

नाला सफाई का मलबा सड़क पर देख नाराज हुए आयुक्त

हैरिटेज निगम कमिश्नर ने परकोटा घूमकर सफाई का जायजा लिया ।

जयपुर (कासं)। परकोटे में नाला सफाई का मलबा सड़क पर पड़ा देखकर हैरिटेज निगम कमिश्नर राजेन्द्र सिंह ने अफसरों को लताड़ लगाई। उन्होंने गणगौरी बाजार से रवाना होकर ब्रहापुरी 11 मोरी नाला, पौड़िक पार्क, आयुर्वेद संस्थान के पीछे के नाले, आमेर रोड स्थित छोटे नालों व रेम्बो रेस्टोरेन्ट के पास स्थित ब्रहम्पुरी नाले व खोले के हनुमानजी मार्ग से ट्रांसपोर्ट नगर नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान जगह-जगह पर नालों की सफाई कर निकाला गया मलबा सड़क पर पड़ा मिला, जिस पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने तुरंत मलबा हटाकर रिपोर्ट सौंपने को कहा। इसके बाद आयुक्त ने इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना के तहत करवाये जा रहे बावड़ियों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ जगहों पर पूर्व में किये गये पेन्टिग कार्य की स्थिति सही नहीं देखकर भी असंतोष जताया।

'द वीक पत्रिका' की सूची में आया सुबोध कॉलेज

जयपुर । एस.एस.जैन सुबोध पी.जी.कॉलेज भारत के शीर्ष कॉलेजों की सुप्रतीष्ठित 'द वीक पत्रिका' द्वारा घोषित सूची में अपना गरिमामयी स्थान बनाने में सफल हुआ है। कॉलेज ने राजस्थान में सभी संकायों में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर इतिहास रचा है, जिसका मुख्य कारण शैक्षणिक ज्ञान और अनुसंधान के प्रतीक के रूप में एक प्रतिष्ठित स्थिति को स्थापित करना है। महाविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में की गई अतुल्य प्रगति ने सफलता के नये आयाम स्थापित किये हैं। द वीक पत्रिका द्वारा जारी की गई संकाय आधारित रैंकिंग में कॉलेज को कॉमर्स के लिये 22वीं, साइंस के लिये 29वीं और कला के लिये 31वीं रेंक मिली है।

सार-समाचार

मंत्रालयिक एकता मंच की बैठक आज

एम.आई. रोड स्थित शहीद स्मारक पर मंत्रालयिक कर्मचारियों का अनशन मंगलवार को भी जारी रहा।

जयपुर । मंत्रालयिक एकता मंच की ओर से बुधवार को समस्त जिला संयोजक, विभागीय समिति अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं की आपात बैठक शहीद स्मारक पर आयोजित होगी। बैठक में एक मंत्रालय संगठन द्वारा आधा अधूरा समझौता किए जाने के उपरांत उत्पन्न स्थिति और एकता मंच के 6 सूत्री मांग पत्र पर किए जाने वाले आंदोलन की रूपरेखा निर्धारित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मंत्रालयिक एकता मंच का क्रमिक अनशन जारी है। आज मंत्रालय की कर्मचारी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सक्सेना ने एकता मंच के अनशन स्थल पर आकर अपना समर्थन दिया। मंत्रालयिक एकता मंच द्वारा शहीद स्मारक पर 6 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में पिछले 90 दिनों से क्रमिक अनशन जारी है। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज के हरीश शिवनानी के नेतृत्व में लोकेश कुमार शर्मा, पंकज कोटिया, कैलाश मीणा, विष्णु मंगल एवं प्रदीप कुमार 24 घण्टे क्रमिक अनशन पर बैठे। मंत्रालयिक कर्मचारियों की ओर से अपनी प्रमुख मांगों सहायक प्रशासनिक अधिकारी को ग्रेड पे 4200 व कनिष्ठ सहायक को आरंभिक वेतन 25500 किए जाने की प्रमुख मांगों के साथ 6 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में 16 मार्च से शहीद स्मारक पर क्रमिक अनशन किया जा रहा है। आज अनशन कर्ताओं के समर्थन में राजेश पारीक, गजेंद्र सिंह राठौड़, सुरेश धाभाई, देवेन्द्र सिंह नरुका, शेर सिंह यादव, महेंद्र शर्मा, महेश शर्मा, छोटे लाल मीणा, लिखमाराम जाखड़, आनंद प्रकाश, आत्माराम जाट, विष्णु मंगल, सुभाष चंद्र लुगारिया, प्रदीप गुर्जर, विनोद कुमावत, अनूप सक्सेना, कमलेश शर्मा, कुलदीप सिंह, तेज सिंह, राकेश मीणा, सुरेश नारायण शर्मा, आरजी शर्मा, विजय सिंह, महेंद्र सिंह, हनुमान सिंह तंवर , रविंद्र जोशी, राजेंद्र राजोरिया, ललित मोहन शर्मा व सुरेश यादव सहित अन्य कर्मचारी अनशन पर बैठे।

मंगलवार को कोई नया संक्रमित नहीं

जयपुर । प्रदेश में मंगलवार को करोना संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है। हालांकि अभी राज्य में 17 संक्रमितों का इलाज जारी है। प्रदेश में मंगलवार को करोना से और राहत मिली है। इस दौरान राज्य में न कोई नया संक्रमित मिला और न ही किसी मरीज की मौत हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9735 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में इस बीच 2167 कोविड जांच की गई है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में एक भी मरीज के रिकवर नहीं होने से एक्टिव 17 ही बने हुए हैं। इनमें उदयपुर में 7, जयपुर में 3 तथा भरतपुर, बांसवाड़ा और अलवर में 2-2 और बीकानेर में एक मरीज का इलाज चल रहा है।

'वसुंधरा और पूनिया का नहीं आना भाजपा के मनभेद को उजागर कर गया'

डोटासरा ने भाजपा पर यह भी कटाक्ष किया कि भाजपा दावे के अनुरूप भीड़ नहीं जुटा पाई

जयपुर, (का.प्र.)। भाजपा के सचिवालय पर किये गये प्रदर्शन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर 30 हजार लोगों द्वारा सचिवालय के घेराव की घोषणा के बावजूद 1500 से अधिक लोग भी नहीं जुट सके। उन्होंने कहा कि मंच से कोई भी नेता ने राजस्थान सरकार की किसी भी योजना अथवा निर्णय के विरूद्ध नहीं बोला, क्योंकि भाजपा राजस्थान सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं के खिलाफ कमी नहीं निकाल सकी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता चुनावी वर्ष में भी अपनी एकता प्रदर्शित नहीं कर सके तथा आज के कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने दूरी बनाई। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं में मतभेद नहीं मनभेद हैं जो खुलकर प्रदर्शित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का दावा करने वाली भाजपा के मंच से एक भी ओबीसी नेता को अपनी बात रखने का अवसर प्रदान नही किया गया।

डोटासरा ने कहा कि हाल ही कर्नाटक प्रदेश में हुई हार से बौखलाकर भाजपा के नेता राजस्थान प्रदेश में गैर जिम्मेदाराना वक्तव्य दे रहे हैं तथा राजस्थान की लोककल्याणकारी कांग्रेस सरकार के विरूद्ध झूठे आरोप लगाने की कुचेष्टा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता झूठे आरोप लगाकर राजस्थान की जनता एवं राजस्थान कार्यपालिका का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता सरकार आने का बताकर सरकारी कर्मचारियों को धमकी देने का कार्य भी कर रहे हैं जो कि लोकतांत्रिक मूल्यों के विरूद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता पिछले डेढ़ वर्ष से ईडी की कार्यवाही का राग अलाप रहे थे और अब प्रदेश में ईडी के आने से यह मुद्दा भी समाप्त हो गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं के भाषण से साबित हो गया है कि भाजपा के पास राजस्थान की लोककल्याणकारी सरकार के विरूद्ध कोई मुद्दा शेष नहीं रहा है जिस कारण प्रदेश में लग रहे मंहगाई राहत कैम्प एवं राजस्थान सरकार द्वारा दिये जाने वाली दस गारंटी के विरूद्ध बोलने के लिये उनके पास कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट लागू हो गये, प्रदेश में कोई एंटी इनकमबैंसी नहीं हैं, इसलिये आगामी चुनावों को लेकर भाजपा के नेता भयग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि खेमों में बंटी हुई भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कहती है किन्तु हाल ही में अन्य राज्यों में हुये चुनावों से साबित हो गया है कि मोदी के चेहरे की चमक फीकी पड़ गई है।

उन्होंने कहा कि सचिवालय में लोक सेवक द्वारा किये गये अपराध पर राजस्थान सरकार ने त्वरित कार्यवाही करते हुये अपराधी को पकड़ा तथा आला अधिकारियों ने तुरंत समस्त जानकारी पत्रकारों के समक्ष रखकर जनता को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार आरपीएससी के सदस्य के अपराध के विरूद्ध जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने तुरंत कार्यवाही की, ऐसा उदाहरण मोदी सरकार अथवा पूर्ववर्ती भाजपा शासन में नहीं मिलता है।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा शासन के दौरान खनन् घोटाले के आरोपी को गिरफ्तार करवाने के लिये दिल्ली तक कांग्रेस को आन्दोलन करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यदि पूर्ववर्ती भाजपा शासन में गड़बड़ी नहीं हुई थी तो आवंटित खानों को निरस्त क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा किया गया आज का प्रदर्शन पूर्णतया असफल रहा तथा भाजपा नेताओं के भाषण के दौरान 90 प्रतिशत कुर्सियां खाली रही जो इस बात का द्योतक है कि राजस्थान की जनता ने भाजपा से दूरी बना ली है।

ARBiT
it happens here...

World Blood Donor Day

The history of blood donation goes back further than you might expect, reaching as far back as the 17th century. The medical specialists of the time knew that blood was a vital element in the body, and losing too much of it was bound to have tragic consequences on the patient. So it was that experimentation began, and a whole new breed of heroes was born that contribute their blood so that others may live. Blood Donors save lives every day.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
14 June 2023
A-B

#KING-OF-FRUITS

Most Expensive Mango Variety

Recently, Miyazaki mango priced at around Rs 2.75 lakh per kg in the international market was showcased in the seventh edition of Siliguri's three-day-long Mango Festival. Read on to find out more about this mango variety.

Summer season would be incomplete without mangoes. From Dashari to Langda to Malda to Alphonso, there are umpteen varieties of this delicious fruit present in different regions of India. The 'King of Fruits' is known for its culinary versatility as it can be incorporated in a myriad of dishes-be it desserts, drinks or even main course. But have you heard of Miyazaki mango, the most expensive mango variety that is cultivated in Japan? The Miyazaki mango is one of the most famous fruits found in the Miyazaki city in Japan.

Recently, Miyazaki mango priced at around Rs 2.75 lakh per kg in the international market was showcased in the seventh edition of Siliguri's three-day-long Mango Festival. Read on to find out more about this mango variety.

Origin

The Miyazaki mango originates from the Miyazaki city in Japan's Kyushu province and its history dates back to the 1980s, when a group of researchers from Miyazaki University and local farmers came up with the idea for the plant.

Researchers used both old-fashioned breeding techniques and new technology to create a mango that would grow well in the climate and soil of the area. This led to the invention of Miyazaki mango, which was not only tasty but also had a longer shelf life and was less likely to be eaten by pests.

Benefits

Also known as 'Egg of the Sun' due to their bright colour and egg-like shape, these mangoes are generally cultivated during the peak harvest period between April and August. Unlike regular green or yellow mangoes, the skin of Miyazaki mango turns from purple to flaming red when ripe.

Miyazaki mangoes not only offer a delectable tropical treat but also provide several health benefits. These mangoes are an excellent source of essential vitamins and minerals, including vitamin C, vitamin A and dietary fibre. Vitamin C supports a healthy immune system, while vitamin A promotes good vision and skin health. The fibre content aids digestion and contributes to a healthy gut. They also contain antioxidants that help protect against oxidative stress and promote overall well-being.

While Miyazaki mangoes are a delightful treat for most people. Additionally, individuals with specific medical conditions, such as diabetes or kidney problems, should monitor their mango intake due to the fruit's natural sugar content. It is advisable to consult registered dietician for personalised advice if you have any concerns about incorporating Miyazaki mangoes into your diet.

WhySo Expensive?

The reason for its high price is due to several factors which make it unique and sought-after. Firstly, the Miyazaki mango is grown in a region with ideal conditions for its cultivation, which includes a warm climate, fertile soil and access to clean water. This results in a fruit that is larger, sweeter and juicier than other mango varieties.

Additionally, the Miyazaki mango is carefully cultivated and harvested by farmers who use traditional and meticulous methods to ensure the fruit's quality. The mangoes are handpicked at the perfect time to ensure they are ripe and ready to eat, which results in a superior flavour and texture.

Moreover, the nutritionist also pointed out that the Miyazaki mango is also highly regulated by the Japanese government, which ensures that the fruit meets strict quality standards before being sold. This includes criteria such as weight, size, sugar content, and appearance, which further increases the cost of the fruit.

The Miyazaki mango has become a symbol of luxury and exclusivity in Japan and around the world. Its high price tag has created a sense of prestige and desirability among consumers who are willing to pay a premium for this rare and exceptional fruit.

Amritsar was born in the family of Sodhi Khatri, a family of ancient kings, a family that was destined to rule not just the kingdom of this world, but also the higher realm, miri and piri, as articulated by the sixth Sikh Guru, Guru Hargobind. These kings were not destined to be ordinary rulers, but true rulers, Sacha Padshah, whose reign would overshadow the reign of the mighty Mughal Empire. This new kingdom that was their destiny was born, along with Amritsar, in Lahore in the year 1534.

Bhagwan Valmiki Tirath Sthal.

Amritsar was Born in Lahore... (...1)

#HISTORY

Haroon Khalid

Amritsar was born in Lahore. It was born inside the walled city, in a small house in its narrow and winding streets. It was the month of Assu, corresponding to the months of September and October in the Gregorian calendar. It was a month when the monsoon rains, having unleashed their fury, had finally taken mercy and receded. The demons of the summer had been defeated, while the tyrant winter was still imprisoned. It was that time of the year when there was perfect harmony, when nights were balanced by day, heat by cold. It was the time of the year so uncharacteristic of the extremities of Punjab that it seemed out of sync, an anomaly, to its vagaries.

Amritsar was born in the family of Sodhi Khatri, a family of ancient kings, a family that was destined to rule not just the kingdom of this world, but also the higher realm, miri and piri, as articulated by the sixth Sikh Guru, Guru Hargobind. These kings were not destined to be ordinary rulers, but true rulers, Sacha Padshah, whose reign would overshadow the reign of the mighty Mughal Empire. This new kingdom that was their destiny was born, along with Amritsar, in Lahore in the year 1534.

Amritsar lived in Lahore till it was seven years old, till the time its parents, Hari Das and Mata Daya, were alive. They died in the same year, leaving their child orphaned. The child, initially named Jetha, was raised by his grandmother in a small village, where the child first interacted with Guru Amar Das, the third Sikh Guru, and became his lifelong devotee. Bhai Jetha eventually became a part of the Guru's family, marrying his daughter Bibi Bhani. Such was his devotion to the Guru that he was chosen as his successor. Bhai Jetha became Guru Ram Das, the founder of Ramdaspur, the name by which Amritsar was once known.

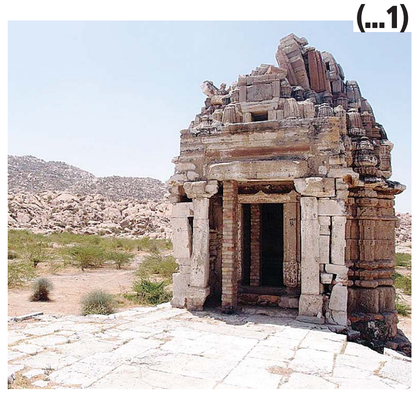

Ruins of the Lava temple at Lahore.

Sita with her sons Lava and Kusha in Ashram.

Inside the walled city of Lahore, in an area known as Chuna Mandi, close to Kashmiri Gate, there is a gurdwara that marks the spot where Guru Ram Das was born. It was lying in a shambles till a few years ago, much like several other gurdwaras across the country, before it was renovated, along with a number of gurdwaras, by the Pakistani state and opened for Sikh pilgrims.

Lahore was born in Amritsar. Actually, about 11 kilometres west of the city. It was one of a pair of twins, its fate permanently sealed with the city of Kasur that was born with it. It is not possible to pinpoint the exact day, the season or even the year of Lahore's birth. It first came to existence at a time when time did not exist. There was no history or chronology, only the circular trajectory of mythology. This wasn't the time of people, but rather of characters, caricatures and archetypes. This was the time of the perfect man, the just king, his perfectly devoted wife, and his perfectly loyal brother. This was the time of the greatest villain, a character so powerful that it was as strong as the power of ten. This was a time when gods and demons lived as men and women, a time when there was either good or evil, nothing in the middle.

It was at that time, when history was yet to be conceived, that Lahore was born in the ashram of Bhagwan Valmiki. The greatest sage of his time, for that was a time when nothing existed in ordinariness, Bhagwan Valmiki was composing the greatest book ever, when the cries of Lahore and Kasur first resonated in the ashram. It was the story of their father, of Lord Ram, that Bhagwan Valmiki, the Adi Kavi, the first poet, was composing when he heard these cries. Sita, their mother, had found refuge in this ashram after she had been banished from Ayodhya, following her return from Ravana's Lanka. It was her story, of her marriage with Ram, of her exile from Ayodhya, of her capture by Ravana, of her rescue by Ram and her trial in Ayodhya that the Adi Kavi had decided to write about. In the process, he composed the first verses of poetry humans had ever realised. Lahore was born with Ramayana.

Her twin sons were named Lava and Kusha. Lava founded the city of Lavapur, which came to be known as Lahore, while Kusha founded Kasur. Today, about 11-odd kilometres from Amritsar, Bhagwan Valmiki Tirath Sthal marks the spot where the ashram was located and Lava and Kusha were born. The three cities at their birth were tied together in a triangle, a relation that is now testified by their cartography. In contemporary Lahore, at that highest point of the city, next to the river, where the first signs of civilisation developed, where lie the earliest traces of Lavapur, there is a small temple dedicated to the founder of the city. Inside the Lahore Fort, next to the Alamgiri Gate, are the remains of the temple of Lava.

A Lost Past

How is one to imagine the cities of Lahore and Amritsar, whose origins are so deeply intertwined, separated today by boundaries that doesn't just divide geographies and people, but also mythologies, legends, religions, cultures, heroes and villains? It is a border that lies in the middle of these two cities, fabling stories about itself, about its previous incarnations in different forms, telling tales about its inevitability, its naturalness. Chanting mysterious mantras, the border blows in the direction of these cities, transforming their appearances through its prayers.

Lahore today is the ultimate symbol of Pakistani nationalism - a Muslim majority city, the site of Lahore Resolution, where the Muslim League first demanded a separate homeland for Muslims, home to Minar-e-Pakistan and host to proud Mughal architecture, the Lahore Fort, Badshahi Masjid, a tradition that marks the zenith of Muslim civilisation in an undivided subcontinent. Besides a few, inconvenient remnants of traditions scattered around the city, all those traces of a pre-Pakistan Lahore have been suffocated and left to die. It is easy, in fact encouraged, to forget about that lost city, that lost geography which connected Lahore with Amritsar and Delhi, a Lahore that emerged as an important economic, political and cultural hub because of its strategic location on that ancient route that flowed from Bengal to Kabul, a river dammed up by the border.

Bhagwan Valmiki was composing the greatest book ever, when the cries of Lahore and Kasur first resonated in the ashram. It was the story of their father, of Lord Ram, that Bhagwan Valmiki, the Adi Kavi, the first poet, was composing when he heard these cries. Sita, their mother, had found refuge in this ashram.

To be continued...

writetoarbit@rashtradoot.com

Gurudwara Janmasthan Guru Ramdas in Lahore.

#TRENDS&GADGETS

Nothing Phone (2)

From Snapdragon 8+ Gen 1 SoC to 4,700 mAh battery, the Nothing Phone (2) is said to be a major upgrade from the Phone (1).

When Nothing launched its first smartphone, the Phone (1) last year, the device stood out with its transparent design and glyph lighting interface. Now, the brand is gearing up to launch the second-generation smartphone, the Phone (2), which is said to offer super performance.

Release Date

Nothing Phone (2) is slated to launch in July 2023. The company is yet to confirm the official launch date of the device.

Price

The base model of the Nothing Phone (1) with 8 GB RAM and 128 GB storage was priced at Rs 29,999, and the Phone (2) might see a price hike of around 30%.

Design

The Nothing Phone (2) will predominantly look similar to the Phone (1) with some minor tweaks, including a curved metal frame, and improved glyph lighting interface with more functions, and the device could also lose some weight, making it thinner and lighter than its predecessor. Besides, the Phone (2) is also expected to offer wireless charging and improved ingress protection for water and dust resistance.

The brand has confirmed that the Phone (2) will make use of recycled metal and plastic to reduce the overall carbon footprint of the device and the Phone (2) sold in India will be locally manufactured.

Camera

Phone (2) is likely to offer a dual-camera setup with a 50 MP ultra-wide angle and a 50 MP wide-angle lens.

Processor, RAM, and Storage

Nothing Phone (2) is confirmed to be powered by the Snapdragon 8+ Gen 1 SoC, indicating a major gear shifting in terms of performance when compared to the Phone (1) with Snapdragon 778+ SoC. Going by the previous-gen storage configuration, the top-tier model of the Nothing Phone (2) will offer 12 GB RAM and 256 GB of internal storage.

#BOOKWORM

Best Sci-Fi Books

A heads up on some of the year's must-read new science fiction!

Spaceships and apocalypses and whales, oh my! 2023 is another great year for sci-fi new releases. This summer's selection is...wait for it...out of this world. (Sorry, not sorry.) The sky is the limit for the imaginations of these authors that will have you rushing to mark them down on your TBR. That's why we want to give you a heads up on some of the year's must-read new science fiction!

In this fabulous list of upcoming novels, you'll find books about contact with aliens, both friends and enemies; a close encounter of a third kind with an 80-foot whale; wearable tech; space exploration; and more! There is something on this list for everyone. Whether you believe in life on other planets or not, you will be delighted and entertained.

The Road to Roswell
By: Connie Willis

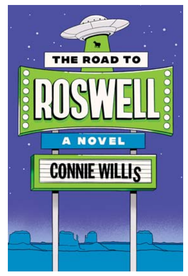

From one of the funniest and most delightful writers of sci-fi comes a new comedy about alien abduction. Francie's college roommate is getting married to a UFO chaser. So it is only fitting the wedding will be in the holy land of alien activity, Roswell, New Mexico, where a UFO allegedly crashed in 1947. Francie thinks it is all a bunch of nonsense. Which makes it much harder when she's abducted by an alien resembling a tumbleweed.

Translation State
By: Ann Leckie

This is one of the most highly anticipated upcoming sci-fi books! It's from the author of the Imperial Radch series, which won a gazillion awards, give or take. It's about a translator, Qven, from an alien race who doesn't want to do what their job entails. Rebelling against their fate, Qven will meet a diplomat and a mechanic, and the choices these three make will affect the whole of the universe. Based on Leckie's previous novels, this is sure to be brilliant.

The Splinter in the Sky
By: Kemi Ashing-Giwa

This is a debut space opera being recommended for fans of N.K. Jemisin and Nnedi Okorafor! Who isn't excited about that?! It's about a tea expert who must spy on her government to help her nation secure its independence after her lover is killed and her sibling is kidnapped.

The Deep Sky
By: Yume Kitasei

This is an excellent space thriller about a mission to find a new habitable planet, and what happens when their ship is sabotaged. When an explosion knocks The Phoenix off course, the crew must figure out who is responsible - and how to get back on track. Books where humans look for a new planet because the Earth is failing should be a sci-fi sub-genre, if it isn't already.

More Perfect
By: Temi Oh

This is a story of augmented reality and an implant that lets people have a more complete online experience. Of course, direct access to people means the government can't resist taking a peek... More Perfect is set in a near-future London and is a reworking of the Greek myth of Eurydice and Orpheus.

The Blue, Beautiful World
By: Karen Lord

From the amazing Dr. Karen Lord comes a new novel of first contact. A group of humans on the dying Earth are chosen to make first contact when aliens indicate they are ready to communicate. But one of them, a pop star, may be the key to unlocking contact with all of the universe.

A Song of Salvation
By: Alechia Dow

Zaira is the reincarnation of the god Indigo, though she doesn't have a god's powers. So it's pretty unfair that the emperor still wants to sacrifice her to the god of destruction. Not up for being sacrificed, Zaira escapes and finds a grumpy pilot named Wesley, who may be fated to help her defeat the god of destruction whether he wants to or not.

Under This Forgetful Sky
By: Lauren Yero

When his father is struck with an illness, Rumi must leave his safe shelter from behind the walls of the Upper City to seek a cure. In the ruins of Paraiso, he meets a guide named Paz and sparks fly. But Paz is keeping secrets from Rumi, and as their journey continues, she will have to decide where her loyalties lie.

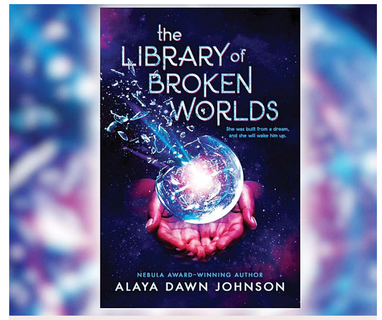

The Library of Broken Worlds
By: Alaya Dawn Johnson

Freya is the daughter of a Library god. Growing up, she spent her life exploring the many tunnels of the vast underground library. But now, to save a world ready for war, she will have to face the truth of the past hidden in the library in order to defeat a war god and secure humanity's future.

Whalefall
By: Daniel Kraus

This one sounds intense! It's a race to beat the underwater clock. A diver searching for his father's body is accidentally swallowed by an 80-foot sperm whale. He has one hour to escape the whale before his oxygen supply is depleted. Related: Did you know sperm whales have four stomachs??! Now you do!

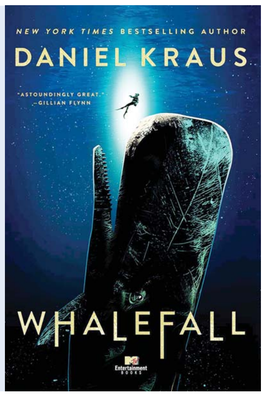

THE WALL

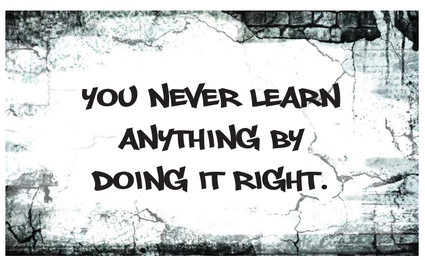

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

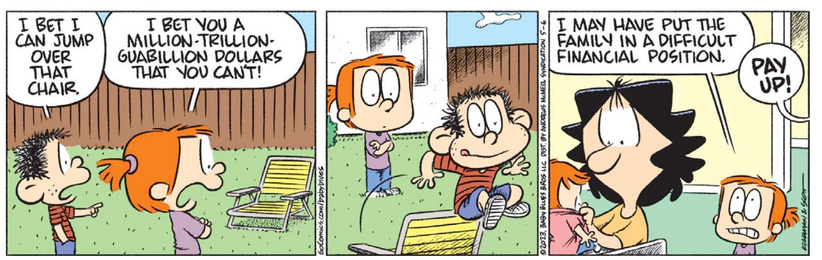

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

जान जोखिम में डालकर निर्माण कार्य करने को मजबूर श्रमिक

डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण कार्मिक आवास निर्माण जारी

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण कार्मिक आवास निर्माण में जुटे मजदूर जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर है। ठेकेदार द्वारा लेबर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए जा रहे, जो दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण है।

बता दें कि डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण कार्य हेतु बिजलीघर बनाया जाना प्रस्तावित है। इस बिजलीघर से रेलवे को निर्बाध बिजली उपलब्ध करवाने और मेंटेनेंस के लिए डीडवाना में रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों हेतु आवास भी बनाए जाने हैं। जानकारी के अनुसार विद्युतीकरण कार्य का टेंडर टाटा इस्कॉन को मिला है और वहां से अन्य ठेकेदारों को सबलेट कर दिया गया है।

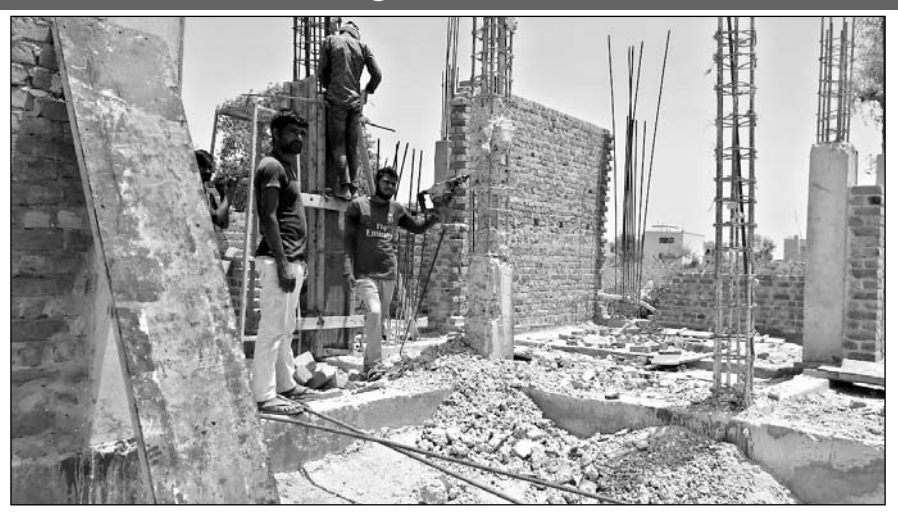

डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण कार्मिक आवास निर्माण में जुटे मजदूर।

यहां निर्माण में अनेक मजदूर कार्यरत है, लेकिन इन मजदूरों को सुरक्षा के लिए ना तो हेलमेट उपलब्ध करवाए गए हैं, ना ही सीमेंट से बचाव के लिए प्लास्टिक बूट दिए गए हैं। हैरत की बात तो यह है कि वर्तमान में भीषण गर्मी और तेज धूप का प्रकोप है, इसके बावजूद खुले आसमान के नीचे बिना हेलमेट के मजदूर काम कर रहे हैं।

■ ठेकेदार की ओर से लेबर सुरक्षा पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

यही नहीं आसपास बिजली के तार भी उलझे पड़े है और चारों ओर सरिए, पत्थर, लोहे की प्लेट, कीलें, सेट्रिंग प्लेट आदि बिखरी पड़ी है, जिसकी वजह से भी हादसे की आशंका रहती है। बिना सुरक्षा उपकरण के कार्यरत इन मजदूरों पर रेलवे अधिकारियों की निगाह न जाती हो ऐसा नहीं हो सकता है, मगर अधिकारियों द्वारा जान बूझकर अनदेखी की जा रही है। इस संबंध में पूर्व में कई बार शिकायतें भी की गई है, मगर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

ज्ञापन देकर फ्यूल सरचार्ज निरस्त करने की मांग

आगामी विद्युत बिल की राशि जमा नहीं करवाने का निर्णय

जालोर, (कासं)। ग्रेनाइट एसोसिएशन के पदाधिकारियो ने जोधपुर विद्युत वितरण निगम जालोर के अधीक्षण अभियन्ता को ज्ञापन देकर फ्यूल सरचार्ज को निरस्त करने हेतु मांग की गई। आम सभा में अपने सभी सदस्यो की सर्व सहमति से यह निर्णय लिया है कि जब तक फ्यूल सरचार्ज एवं अन्य अतिरिक्त चार्ज निरस्त नही किए जाएगे तब तक किसी भी उद्यमी द्वारा आगामी विद्युत के बिल की राशि जमा नही करवाई जाएगी।

■ ग्रेनाइट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

इस दौरान सचिव हेमेन्द्र भण्डारी, कोषाध्यक्ष दामोदर भूतडा, सहसचिव चन्द्राराम कुमावत मौजूद रहे। आगामी दिनो में राजस्थान की ग्रेनाईट एवं मार्बल एसोसिएशन के साथ मिलकर इस विषय पर बैठक का आयोजन किया जाएगा। ज्ञापन पश्चात जालोर के बिशनगढ रोड पर बन रही सीसी रोड की ऊँचाई ज्यादा रखने से औद्योगिक प्रथम एवं द्वितीय चरण में जलभराव की आने वाली समस्या के समाधान को लेकर प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ पदाधिकारीयो द्वारा अवलोकन किया गया।

वही ग्रेनाइट एसोसिएशन के पदाधिकारियो ने को जोधपुर विद्युत वितरण निगम जालोर के अधीक्षण अभियन्ता एम.के. व्यास व अधिशाषी अभियंन्ता नारायण सुथार को ज्ञापन देकर फ्यूल सरचार्ज को निरस्त करने के लिए मांग की गई और ज्ञापन के द्वारा उनको अवगत कराया गया कि जब तक सरकार या निगम द्वारा फयूल सरचार्ज निरस्त नही किये जाएगे तब तक कोई भी उद्यमी विद्युत बिल की राशि जमा नही कराएगा। ग्रेनाईट एसोसिएशन की आम सभा में अपने सभी सदस्यो की सर्वसहमति से यह निर्णय लिया है कि जब तक फ्यूल सरचार्ज एवं अन्य अतिरिक्त चार्ज निरस्त नही किए जाएगे तब तक किसी भी उद्यमी द्वारा आगामी विद्युत के बिल की राशि जमा नही करवाई जाएगी। इस दौरान सचिव हेमेन्द्र भण्डारी, कोषाध्यक्ष दामोदर भूतडा, सहसचिव चन्द्राराम कुमावत एवं जेवीवीएनएल, जालोर लेखाधिकारी, उत्तम जी चौधरी मौजूद रहे।

फयूल सरचार्ज को निरस्त करवाने के लिए राजस्थान की सभी ग्रेनाईट, मार्बल, स्टोन व अन्य एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने साथ मिलकर इस विषय पर 14 जून को राजसमंद में उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें फयूल सरचार्ज को निरस्त करवाने के लिए आगे की सामुहिक रणनीति तय की जाएगी। ज्ञापन पश्चात जालोर के बिशनगढ रोड पर बन रही सीसी रोड की ऊँचाई ज्यादा रखने से औद्योगिक प्रथम एवं द्वितीय चरण में जलभराव की आने वाली समस्या के समाधान को लेकर प्रोजेक्ट मैनेजर एस.के. सिंह के साथ पदाधिकारीयो एवं अन्य उद्यमीयो ने मौके का निरीक्षण किया एवं जलभराव से निजात पाने के लिए नाला या पाईपलाईन डालने का निवेदन किया गया।

जल जीवन मिशन योजना में भेदभाव का आरोप

फागी, (निसं)। कस्बे में जल जीवन मिशन योजना में डाली जा रही पाइप लाइन से किये जा रहे नल कनेक्शनों में हो रहे भेदभाव से आमजन ठगा सा महसूस कर रहा है।

प्रधानमंत्री जलजीवन मिशन योजना में कस्बे में डाली जा रही पाइप लाइन में आलाधिकारी अपने चहेतों या फिर राजनैतिक संरक्षण प्राप्त ठेकेदार द्वारा बिना योजना से अपनी मनमर्जी से किसी के कनेक्शन कर रहे हैं तो दूसरी ओर पडोसी को भी छोड़ रहे हैं। जहां जलदाय विभाग कार्यालय के पास बसी कृष्णा विहार कॉलोनी निवासी रामलाल बैरवा की माने तो 15 दिसम्बर 2022 को नल कनेक्शन लेने बाबत 2249 रूपये विभाग में जमा करवा कर रसीद प्राप्त की थी। किन्तु विभाग के कर्मचारी न तो जल कनेक्शन दे पाये हैं और नही राशि वापस लौटाई है जबकि पूरी कॉलोनी में हर घर में कनेक्शन हो चुके हैं। वहीं दूसरी ओर सुभाष कॉलोनी के अन्तिम छोर पर घुमंत जाति के कालबेलिया परिवार के पांच घरों को छोड़कर पूरी कॉलोनी में जल कनेक्शन हो चुके हैं। जिसके लिए कालबेलिया परिवार विभाग कार्यालय में सैंकडों बार सहायक अभियन्ता को अपनी पीडा की गुहार लगा चुके है।

एंबुलेंस में अचानक आग लगी

भरतपुर (निस)। आरबीएम चिकित्सालय परिसर में ऑक्सीजन गैस प्लांट के पास खड़ी गाड़ियों एवं एंबुलेंस में अचानक आग लग जाने से हड़कंप मच गया। जैसे ही आग लगने की सूचना तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग को मिली तो तुरंत ही उन्होंने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों सहित एनडीआरएफ के अधिकारियों को घटना की सूचना देकर मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ. गर्ग की सूचना पर फायर बिग्रेड की गाडियां बुलाकर तत्काल ही आग पर काबू पाया। मंत्री की त्वरित कार्रवाई में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

बिपरजॉय तूफान से सतर्क रहने की अपील

जोधपुर, (कासं)। मौसम विभाग, आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा जारी बिपरजॉय तूफान, आंधी-तूफान व बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने जोधपुर जिलेवासियों से सावधानी बरतने की अपील की है। जिला कलेक्टर ने लोगों से कहा है कि इस पूर्वानुमान को देखते हुए संभावित तेज आंधी अंधड़ व मेघ गर्जन के दौरान हर स्तर पर सतर्क रहते हुए सावधानी बरतें। जिला कलेक्टर ने इन परिस्थितियों में घरों के अन्दर रहने, बडे पेड़ों के नीचे और कच्ची दीवारों के पास खड़े न रहने, अंधड़ के दौरान खुले मैदान में होने पर नीचे लेट जाने, पशुओं को पेड़ से नहीं बांधने, घर में बिजली के उपकरणों का संपर्क हटा देने, बिजली के खंभों के पास व नीचे दुपहिया व चारपहिया वाहन खड़ा न करने की हिदायत दी है। यह भी कहा गया है कि जिन घरों में टीन शेड है उनके गेट बंद रखें, बड़े होर्डिंग्स लगे स्थानों से दूर रहे, बिजली के खंभों, तारों व ट्रांसफार्मर आदि से पर्याप्त दूरी बनाए रखें और नजदीकी सुरक्षित स्थलों पर आश्रय लें।

दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

बौंली, (निसं)। सवाई माधोपुर परिवार एवं पोक्सो न्यायालय के विशेष न्यायाधीश ने एक नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपी हरिमोहन मीणा को दोष सिद्ध हो जाने पर विभिन्न धाराओं के तहत मृत्यु पर्यंत आजीवन कारावास व 65हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। पीड़िता व राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने न्यायालय को अवगत कराया कि सवाई माधोपुर जिले के एक थाने पर नाबालिग पीड़िता के पिता ने मामला दर्ज कराते हुए बताया था कि आरोपी हरि मोहन मीणा नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर बाइक पर बैठा कर ले गया एवं सवाई माधोपुर के एक कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। न्यायालय ने दोष सिद्ध हो जाने पर आईपीसी की धारा 363 के तहत 3 वर्ष का कठोर कारावास व 5हजार के अर्थदंड से व आईपीसी की धारा 366 के तहत 5 वर्ष का कारावास वह 10हजार के अर्थदंड से एवं 5 (ग)/6 पोक्सो एक्ट के तहत मृत्यु पर्यंत आजीवन कारावास व 50हजार के अर्थदंड से दंडित किया है।

जमादार पर हमले के विरोध में प्रदर्शन किया

पोकरण, (निसं)। पोकरण नगर पालिका सफाई कर्मचारी द्वारा जमादार के साथ मारपीट करने पर सर्व समाज के लोगों ने जुलूस निकालकर उपखण्ड कार्यालय के आगे विरोध प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

■ सर्व समाज ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंप आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

पोकरण मंगलवार को शहर में सर्व समाज के लोगों द्वारा गांधी चौक से मौन जुलूस निकालकर किला रोड महादेव होटल होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। एसडीएम कार्यालय के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। ज्ञापन में बताया गया कि नगर पालिका के कर्मचारी जमेदार घनश्याम जोशी के साथ सोमवार को ड्यूटी के दौरान सफाई व्यवस्था की ड्यूटी लगाने के दौरान सफाई कर्मचारियों द्वारा स्टील की रॉड से हमला कर देने के मामले में ज्ञापन सौंपकर मांग रखी कि जमादार जोशी पर हमला करने वाले आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग रखकर पुलिस शासन द्वारा दर्ज मुकदमे मैं आरोपियों को गिरफतारी शीघ्र अति शीघ्र करने की मांग की। नगर पालिका कर्मचारी जमेदार जोशी पर हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर उग्र आंदोलन की दी गई है।

चेतावनी देते हुए कहा कि शहर की शांति व्यवस्था एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण को खराब करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। ज्ञापन में बताया गया कि दो दिन में गिरफ्तारी नहीं हुई तो पोकरण बंद करने व पालिका कर्मचारियों द्वारा कल पोकरण पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। जिसको लेकर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे सर्व समाज में गहरा रोष व्याप्त है। वहीं आज इस ज्ञापन देने के दौरान सर्व समाज के हर वर्ग के लोग व हर पार्टी के नेता उपस्थित रहे, जहां एक ओर बीजेपी के मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा , पार्षदजितेंद्र दयाल बोहरा जैसे नेता दिखे वहीं कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष नारायण रंगा पार्षद साकडा ब्लॉक अध्यक्ष विजय व्यास युवा जिला अध्यक्ष गोपाल जोशी, राजेश व्यास, जैसे लोग भी एक साथ दिखे।

उत्कर्ष का रविशंकर ब्लड डोनेशन सेंटर का नींव मुहूर्त सम्पन्न

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा अपने सामाजिक नवाचारों की कडी को आगे बढाते हुए मंगलवार को गीता भवन के सामने तीसरी चौपासनी रोड पर श्री श्री रविशंकर ब्लड डोनेशन सेंटर की नींव रखने का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। सामाजिक हित में स्थापित होने जा रहा अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण यह सेंटर जोधपुर शहर में अपनी तरह का एक अनूठा सेंटर होगा।

ब्लड डोनेशन सेंटर की नींव का मुहूर्त स्वामी रामप्रसाद महाराज ने किया। इस अवसर पर विनीत रूप में उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत, सह संस्थापक तरुण गहलोत सहित बतौर अतिथि जोधपुर के आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर के शिक्षक एवं स्वयंसेवकों में महेंद्र पित्ती, ललित शर्मा, कुसुम कच्छवाहा, राकेश चांडक, कीर्ति चोरडिया, प्रीति भंडारी, दिव्या भारद्वाज, सुनील भारद्वाज, राजलक्ष्मी चौधरी, शशि राठी, कुशल शिवा वैष्णव, अजय चोरडिया, सिद्धान्त चतुर्भुज, निखिल भारद्वाज तथा जय के अलावा रक्तदान स्वयंसेवी संस्थाओं से करण सिंह राठौड, प्रकाश रावल, नरसिंह गहलोत, अशोक गहलोत, रजत गौड, इकबाल खान, वरूण धनाडिया, शिव सोनी, आदेश शर्मा तथा अरु व्यास उपस्थित रहे।

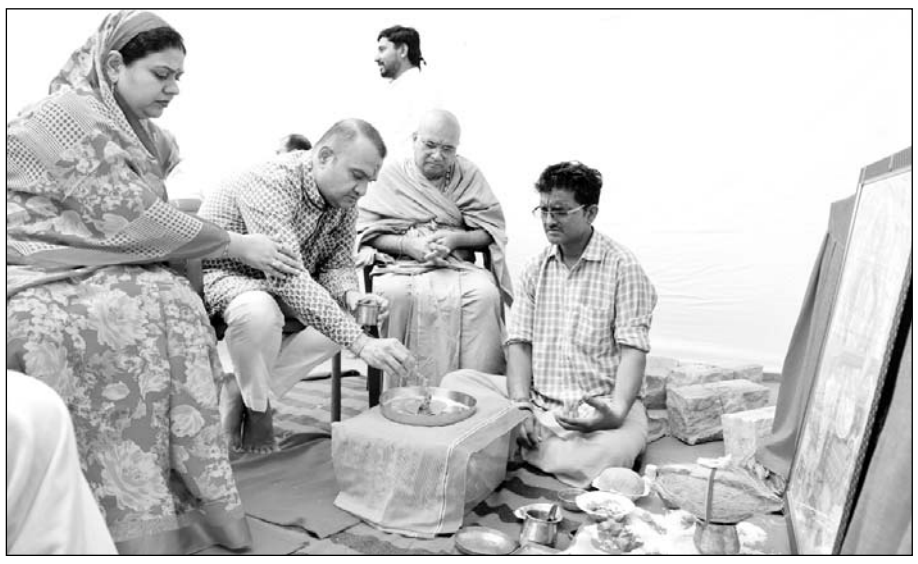

ब्लड डोनेशन सेंटर की नींव का मुहूर्त स्वामी रामप्रसाद महाराज ने किया।

नींव मुहूर्त के अवसर पर स्वामी रामप्रसाद महाराज ने ब्लड डोनेशन सेंटर की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्थायी ब्लड डोनेशन शिविर का यह अनूठा विचार लोगों में रक्तदान के भाव को और अधिक प्रसारित करेगा। वे लोग बधाई के पात्र होते हैं जो जन्मदिन अथवा किसी अन्य शुभ अवसर पर रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से दूसरों को भी पुण्य कर्म करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने इस ब्लड डोनेशन सेंटर की परिकल्पना को सार्थक करने के लिए उत्कर्ष क्लासेस एवं पूरे गहलोत परिवार को शुभकामनाएँ दी।

नींव मुहूर्त के अवसर पर उत्कर्ष ग्रुप के चेयरमैन डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि श्री श्री रविशंकर की प्रेरणा से इस ब्लड डोनेशन सेंटर की स्थापना की जा रही है जो कि अपनी विशेषताओं के कारण अनूठा सेंटर साबित होने वाला है। एक अद्भुत नवाचार के तौर पर यहाँ आयोजित शिविर में रक्तदाताओं को पूर्व नियोजित स्थान पर पहले ध्यान करवाया जाएगा जिससे न केवल उनके भीतर एक नवीन ऊर्जा का संचार होगा बल्कि वे रक्तदान के पवित्र उद्देश्य के प्रति आंतरिक रूप से भी जागरूक हो सकेंगे।

तीन माह बाद भी कम्पनी ने नहीं बनाया पोली हाउस

निवाई, (निसं)। तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पोली हाउस का निर्माण नहीं करने से किसानों को परेशानी उठानी पड रही है। किसान शरीफ मोहम्मद ने बताया कि हार्टिकल्चर विभाग टोंक द्वारा पोली हाउस निर्माण के लिए के लिए 13 मार्च को लॉटरी निकाली गई थी।

जिसमें किसान शरीफ का नाम निकला था। 22 मार्च को किसान ने अपना फार्मर हिस्सा 18 लाख 61 हजार 200 रूपये जमा करवा दिया गया था। उसने बताया कि जय हनुमान कम्पनी का कोटेशन लगाया गया था। कोटेशन पर कम्पनी ने कहा था कि वर्क ऑर्डर जारी होते ही पोली हाउस बना दिया जाएगा। लेकिन तीन माह से अधिक का समय गुजर जाने के बाद भी कम्पनी द्वारा पोली हाउस का निर्माण नहीं किया गया है। पीडित किसान द्वारा कम्पनी को कॉल किया जाता है तो कॉल रिसिव नहीं किया जाता है। पीड़ित किसान ने बताया कि बैंक से लोन लेकर राशि जमा करवाई गई थी उस पर लगातार ब्याज बढ रहा है। कम्पनी द्वारा कार्य नहीं करने के कारण किसान कर्ज में डूब रहा है। उन्होंने बताया कि यदि बारिश आने से पहले पोली हाउस का निर्माण नहीं हुआ तो फसल भी नहीं लगेंगे और किसान को बहुत नुकसान होगा। इस बाबत पीडित किसान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया, हार्टिकल्चर विभाग कमीश्नर, डिप्टी डायरेक्टर टोंक सहित संबंधित उच्चाधिकारियों को भी शिकायत की है लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला है।

हिण्डौन एस.डी.एम. को कारण बताओ नोटिस

करौली जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर जारी किया नोटिस

करौली, (निसं)। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने कहा कि मौसम विभाग की जानकारी के अनुसार दक्षिण पशिचम मानसून सक्रिय होने जा रहा है इस संबंध में वर्षा होने की संभावना को देखते हुए समस्त जिला व ब्लाक स्तरीय अधिकारी मानसून पूर्व तैयारियों को समन्वयता के साथ 15 जून से पूर्व पूर्ण करना सुनिश्चित करे एवं इस संबंध मे अपनी कार्य योजना बनाकर भिजवाने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में मानसून पूर्व तैयारी हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित रहने पर उपखंड अधिकारी हिण्डौन को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने नगर परिषद, वन, पशुपालन, पंचायती राज, राजस्व, चिकित्सा, शिक्षा, बिजली, सानिवि, पुलिस, रसद सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को विभागीय कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिला व ब्लाक स्तर पर वर्षा से पूर्व नालो-नालियों की सफाई करवाने, हॉस्टल व स्कूलों के जलभराव की संभावित जगहों को दुरुस्त करवाने, मडपंपों को ठीक करवाने, प्रतिदिन होने वाली वर्षा कि सूचना देने, वर्षा से होने वाली जन व पशु हानि की सूचना देने, इसके अलावा अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देश प्रदान कर स्पष्ट रूप से आगाह कर दे कि आने वाले मानसून के समय बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोडे तथा अपना मोबाईल सदैव चालू रखें।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी वर्षा जनित खतरों को देखते हुए आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत आवश्यक इंतजाम पूरे कर एक ऐसा प्लान तैयार करें कि अतिवृष्टि व बाढ जनित संभावित जनधन व पशुधन को नुकसान से बचाया जा सके इसके अतिरिक्त उन्होने जिला व ब्लॉक स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने, मौसम की सूचना एवं मानसून की गतिविधियां नियमित रूप से उपलब्ध कराने, बाढ की संभावना में जिला स्तरीय आपदा नियंत्रण मे सूचनाएं देने, रक्षा पेटियों, रस्सों, मसालों, टोर्चों की व्यवस्था करने एवं उचित मूल्य की दुकानों पर गेहूं व अन्य खाद्य सामग्री के भण्डारण व वितरण की व्यवस्था तथा बाढ की स्थिति मे स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से पीड़ित व्यक्तियों तक खाद्य सामग्री पहुंचाने से संबंधित प्रबंधन करने आदि के निर्देश भी दियें।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुरलीधर प्रतिहार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषभ मंडल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश जैफ, उपखंड अधिकारी करौली दीपांशु सागवान, सपोटरा यशवंत मीना, टोडाभीम गौरव कुमार मित्तल, नादौती शिवराज मीना, सीएमएचओ डॉ. दिनेश मीना, पीएचईडी के परसराम वर्मा, विकास अधिकारी अनीता मीना, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी धर्मेन्द्र मीना, डीएसओ रामसिंह मीना सहित तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

भरतपुर बीट्स की ओर से आयोजित शिविर में रिकॉर्ड 666 यूनिट रक्तदान

शिविर का उद्घाटन राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने किया

भरतपुर, (निस)। समाजसेवा के क्षेत्र में शहर की अग्रणी संस्था भरतपुर बीट्स की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में रिकॉर्ड 666 यूनिट रक्तदान किया गया। बीट्स के संरक्षक जितेंद्र गोयल ने बताया कि बीट्स का ये 11वां रक्तदान शिविर था। जिसका उदघाटन राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने किया।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता अपना घर के संस्थापक डॉ. बी एम भारद्वाज ने की व शहर के प्रमुख उद्योगपति कृष्णकुमार अग्रवाल व जिला अग्रवाल महासभा के जिलाध्यक्ष अनुराग गर्ग विशिष्ट अतिथि थे। बीट्स के प्रमुख सदस्य कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने बताया कि बीट्स के इस शिविर में भी बीट्स ने अपनी पुरानी परम्परा को निभाते हुए अपने ही पुराने रक्तदान के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। आमजन में इस बार रक्तदान को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। प्रात: 9 बजे से प्रारम्भ हुआ शिविर रात 8 बजे तक चला।

बीट्स वरिष्ठ सदस्य नरेश जैन ने बताया कि बीट्स ने इस शिविर में रक्तदाता की सुविधा का पूरा ख्याल रखते हुए सारे इंतजाम किये गए थे जिसमें वातानुकूलित हॉल में रक्तदान की व्यवस्था के साथ साथ स्वल्पाहार की भी पूर्ण व्यवस्था की गई थी। बीट्स के प्रमुख सदस्य मनोज झालानी ने बताया कि शिविर में प्रत्येक रक्तदाता को संस्था द्वारा सर्टिफिकेट व आकर्षक उपहार भी दिया गया, इसके साथ ही शिविर में साथ रक्तदान करने वाली दम्पति को भी आकर्षक उपहार दिया गया। बीट्स के प्रमुख सदस्य सुनील खण्डेलवाल ने बताया कि बीट्स ने पहली बार रक्तदान शिविर में आर बी एम भरतपुर के साथ सतह जयपुर एस एम एस से भी रक्तदान के लिए टीम बुलाई थी। अब बीट्स द्वारा जयपुर एस एम एस में भी जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

शिविर के दौरान रक्तदान करते लोग।

बीट्स के वरिष्ठ सदस्य डॉ रोहित भारतीय ने बताया कि बीट्स ने इस बार शहर की 100 समाजसेवियों को भी शिविर में सम्मानित करने के लिए बुलाया था, जिन्हें पटका पहना कर व बीट्स का मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। शिविर में सम्बोधित करते हुए मुख्यातिथि डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि रक्तदान जैसे जीवनरक्षक के कार्य को अभूतपूर्व सफलता से निरन्तर आयोजित करने के लिए बीट्स धन्यवाद का पात्र है। बीट्स ने शहर में एक अलख जगाई है रक्तदान को लेकर आमजन ने जिस उत्साह के साथ लाइन में लगकर रक्तदान किया है वो अपने आप मे बीट्स के प्रयासों की गंभीरता को दर्शाता है।

समारोह के अध्यक्ष अपना घर के संस्थापक डॉ. बी एम भारद्वाज ने अपने उदबोधन में रक्तदान को महादान बताते हुए इतनी बड़ी संख्या में हुए रक्तदान को एक बीट्स के लिए ही नही शहर के लिए एक उपलब्धि बताते हुए बीट्स के प्रत्येक सदस्य का आभार व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे कृष्ण कुमार अग्रवाल, यश अग्रवाल, राजेश मित्तल, मोहन लाल मित्तल, ओंकार सिंह संधू, नीलकमल गेरा, विष्णु लोहिया, सीताराम गुप्ता आदि ने बीट्स की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए रक्तदान के प्रयासों को विशेष रूप से सराहा। कार्यक्रम का समापन डॉ. सुभाष गर्ग के मुख्यातिथ्य में 666 यूनिट रक्तदान का प्रतीकात्मक केक काट कर किया गया।

संक्षिप्त

रथ यात्रा महोत्सव 17 जून से

श्रीमाधोपुर, (निसं)। नगर आराध्य देव श्रीगोपीनाथ मंदिर श्रीमाधोपुर में 17 जून शनिवार से भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव शुरू होगा। मंदिर महंत डॉ मनोहर शरण पारीक ने बताया कि 16 जून शुक्रवार को शाम 5 बजे भगवान श्रीजगन्नाथ महाप्रभु के पंचामृत अभिषेक के साथ महोत्सव का आगाज होगा। 17 से 23 जून तक श्रीवृंदावन धाम के राधा रमण दास महाराज प्रतिदिन दोपहर बाद 2 से 5 बजे तक भक्त शिरोमणि मीरा चरित्र की कथा सुनाएंगे। 20 जून मंगलवार को सुबह 8 बजे भगवान श्रीजगन्नाथ महाप्रभु ,बलभद्र और सुभद्रा को रथ में विराजमान कर मंदिर परिक्रमा कराई जाएगी। 24 जून शनिवार को भगवान श्री जगन्नाथ को रथ में विराजमान कर शाही लवाजमे के साथ नगर भ्रमण कराया जाएगा।

बैरवा छात्रावास में आम सभा

निवाई, (निसं)। बैरवा छात्रावास पर बैरवा महासभा की आमसभा का आयोजन महासभा अध्यक्ष जगदीश बैरवा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। आम सभा में छात्रावास का सामाजिक अंकेक्षण किया गया। इस दौरान सत्र 2013 से 2023 तक की सम्पूर्ण आय -व्यय शेष राशि का सामाजिक अंकेक्षण किया गया। आमसभा में उपस्थित सभी ने सर्वसम्मति से पारित किया। मिटिंग में ऑडिट कमेटी के सदस्य एवं समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मिटिंग में केसरलाल बैरवा, पांचूराम बैरवा, रामप्रसाद जैनपुरा, चिरंजीलाल, कालूराम, बद्रीलाल, बनवारीलाल एवं ऑडिट कमेटी चैयरमेन कन्हैयालाल बैरवा मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित

निवाई, (निसं)। शांति सागर महाराज के शताब्दी आचार्य पदारोहण के शुभ अवसर पर आचार्य शांति सागर पब्लिक स्कूल निवाई एवं सकल दिगंबर जैन समाज निवाई के संयुक्त तत्वावधान में परम पूज्य पंचम पट्टाधीश आचार्य वर्धमान सागर ससंघ के आशीर्वाद से ग्रीष्मकालीन शिविर शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के पीछे लगाया जा रहा है। डॉ. अजय सोगानी, प्रदीप माधोराजपुरा, जितेंद्र चवरिया, पवन बोहरा, सुशील, हेमंत चवरिया ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम को गति प्रदान की।

जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। थाना इलाके के पृथ्वीपुरा गांव में एक सैनिक की अचानक तबीयत खराब होने से उपचार के दौरान जयपुर में मौत हो गई। जिसका सोमवार को सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

सैनिक भवानी सिंह शेखावत के

- **असम राइफल में तैनात जवान का तबीयत खराब होने पर उपचार के दौरान निधन हुआ**

भतीजे शुचेन्द्र सिंह ने बताया कि उनके चाचा करीब 25 साल पूर्व 28 असम राइफल में भर्ती हुए थे । हाल ही छुट्टी पर गांव आए हुए थे, जिनकी अचानक तबीयत खराब होने पर उनको जयपुर भर्ती कराया गया जहां सोमवार को उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। सैनिक भवानी सिंह का सोमवार को पैतृक गांव पृथ्वीपुरा में सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जहां 18 बिहार रेजीमेंट के जवानों ने अपने साथी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया व 5 राउंड फायर कर सलामी देकर अंतिम विदाई दी। वही सैनिक के बड़े पुत्र विक्रम सिंह ने मुखाग्नि दी।

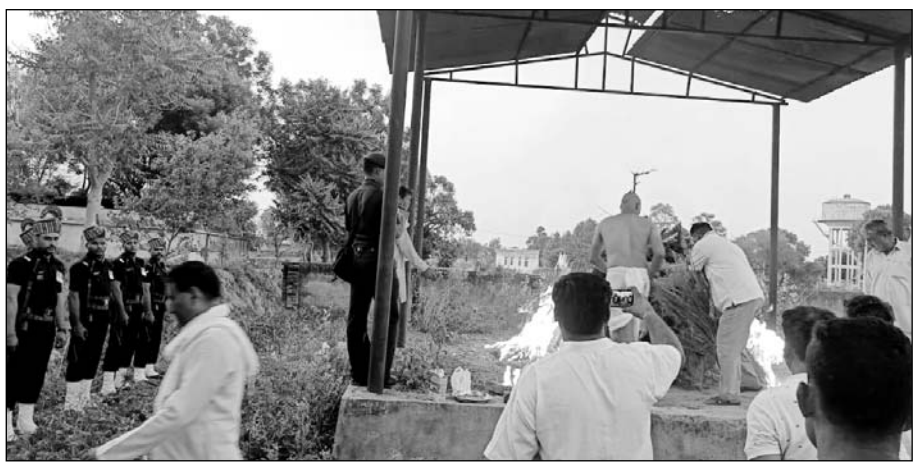

सैनिक भवानी सिंह का पैतृक गांव पृथ्वीपुरा में सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

परिजनों के अनुसार भवानी सिंह की 22 वर्ष पूर्व डाबला निवासी मीना कंवर के साथ शादी हुई थी जिनके दो बेटे हैं। 19 वर्ष का विक्रम सिंह शेखावत व 17 साल का लोकेंद्र सिंह पढाई कर रहे हैं। गांव के लोगों ने अपने लाडले को नम आंखों से भारत माता के जय घोष व भवानी सिंह अमर रहे के नारों से अंतिम विदाई दी। इस मौके पर कल्याण सिंह शेखावत, जीवन सिंह, पूर्व सैनिक गिरधारी सिंह, रामनाथ सिंह चौधरी, रामसिंह मंगेश सिंह, गोविंद नारायण तंवर ,मालीराम भादवा, दातार सिंह, रामअवतार पारीक, बजरंग प्रजापती,हनुमान मीणा सहित सैकड़ों लोग अंतिम संस्कार में मौजूद थे।

उर्स में उमड़ी जायरिनों की भीड़

मनोहरपुर, (निसं)। सूफी संत हजरत मौलाना जियाउद्दीन शाहे विलायत की दरगाह के 214 वें उर्स मुबारक के तीसरे दिन यहां चार दरवाजा स्थित दरगाह परिसर में जायरीनों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस बीच अकीदतमंदों ने दरगाह में गाजे-बाजे के साथ चादर शरीफ पेश की। उर्स के पहले दिन से दूरदराज से कई इलाकों से जुलसू के रूप में चादर चढाने का सिलसिला शुरू हो गया। इस दौरान जायरीनों ने अमन चैन और देश की खुशहाली की दुआएं भी मांगी। इस मौके पर ख्वाजा गरीब नवाज अजमेर दरगाह से भी खुद्दाम हजरात ने चादर शरीफ पेश की।

दरगाह के वली ए एहद जानशीन ज़िया मियां ने बताया कि सोमवार रात को तरही मुशायरे में जयपुर के अलावा दूरदराज के शोरा हजरात फरीद अय्यूबी नजर, हाकिम अय्यूबी, माहिर शैदाई, ताहिर जमाली, रजा शैदाई सहित कई शायरों ने मौलाना साहब की शान में मनकबत पेश की। मंगलवार को दरगाह की चौकी के कव्वाल अनवार हुसैन ने कौल, मनकबत और नात शरीफ का नजराना पेश किया। इस बीच साबरी ब्रदर्स, नदीम वारसी, अब्दुल कादिर, टिम्मु गुलफाम, अख्तर जियाई सहित कई कव्वाल पार्टियों ने सूफियाना कलामों का गुलदस्ता सजाया।

सार-समाचार

श्रीराम महायज्ञ जारी, सुनी कथा

चौरु/उनियारा, (निसं)। आचार्य डॉ.खगेश शास्त्री के सानिध्य में आयोजित श्री गौ सेवार्थ पंचकुंड आत्मक श्रीराम महायज्ञ में दूसरे दिन संगीतमय गौ कथा का सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रवण किया एवं पंचकुंड में धर्म प्रेमियों ने अपने जोड़े सहित वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दी। कथावाचक आनंद दास महाराज से सभी श्रोताओं को मन मोहक कथा नानी बाई का मायरा सुना कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। संत महात्माओं और पंडितों के साथ पधारे गो हितेषी महाराज अलग गुरुकुल पूठवाडिया चित्तौड़ का पंडित डॉ.शास्त्री के साथ यज्ञ समिति के पदाधिकारियों सदस्यों ने स्वागत सम्मान किया। महाराज श्री ने कहा कि सभी महिलाएं पॉलीथिन को त्यागें विवाह उत्सव में पतासे और बर्तन बाटने की जगह कपड़े के थैले बांटे। आप भी अपने आप में गौ हत्या के भागीदारी बन रहे हैं, इसलिए पॉलिथीन को त्यागे कपड़े के थैले का उपयोग करें। यज्ञ कार्यक्रम में कथा आहुतियां 16 जून 2023 तक नियमित चलेगी ।इसमें कहीं बड़े-बड़े संत रोज पधारेंगे, प्रसादी कार्यक्रम के बाद में ही यज्ञ का समापन होगा।

ब्राह्मण सभा अध्यक्ष का स्वागत

कोटपूतली, (निसं)। हाल ही में तहसील ब्राह्मण सभा के चुनाव में नवनिर्वाचित अध्यक्ष नवरत्न शर्मा का ग्राम पनियाला के ठाकुर जी मंदिर में मंगलवार को ब्राह्मण समाज युवा संगठन की ओर से टिंकु पहलवान के नेतृत्व में माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान सामाजिक एकजुटता व छात्रावास निर्माण आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर नगर अध्यक्ष एड. बजरंग लाल शर्मा, किशोरी लाल शर्मा, नागरमल जोशी, कैलाश शर्मा, रामशरण सरपंच, सीताराम शर्मा, संजय डीलर, विजय पण्डित, राजू शर्मा, पवन गुरूजी, पवन शर्मा, लालाराम, सुशील ठेकेदार, दिलीप ठेकेदार, कुलदीप कालुहेड़ा, कृष्ण भगत, राजेश शर्मा, बाबूलाल ठेकेदार, धर्मेन्द्र जोशी, मोहित, ललित, महावीर पंच, सोनू शर्मा, नरेश शर्मा, महेश, सुशील जोशी आदि विप्रबंधु मौजूद रहे।

विशाल भजन संध्या 28 को

श्रीमाधोपुर। श्रीश्याम सत्संग मंडल श्रीमाधोपुर के 25 वें रजत जयंती महोत्सव पर 28 जून बुधवार को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। मंडल के कोषाध्यक्ष बजरंग लाल अमरसरिया की अध्यक्षता में सत्संग मंडल के रजत जयंती महोत्सव मनाने को लेकर बैठक हुई जिसमें 28 जून को भजन संध्या आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। अध्यक्ष अनिल बगरियावास वाले ने बताया कि खंडेलवाल वैश्य पटवारी धर्मशाला स्टेशन रोड श्रीमाधोपुर में होने वाली भजन संध्या में देश के ख्याति नाम भजन गायक नंदकिशोर शर्मा नंदू भैयाजी, निर्मल शर्मा बरेली, संतोष व्यास रींगस समेत देश के ख्याति नाम भजन गायक भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर सचिव पवन शर्मा, व्यवस्थापक नरेंद्र कूलवाल समेत मंडल के कार्यकर्ता मौजूद थे।

देवनारायण क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

पावटा, (निसं)। ग्राम रामपुरा के गिरी पार्क स्टेडियम में चल रही प्रथम श्री देवनारायण क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन सरपंच मनोज वर्मा, जयसिंह चंदेला, हंसराज मास्टर, सीपी शर्मा, हरिराम रावत, धर्मेन्द्र गुर्जर, राजाराम गुर्जर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान फाइनल मैच रामपुरा व जीणगौर के बीच हुआ जिस में रामपुरा टीम ने 8 विकेट से मैच जीता। वहीं आगंतुक अतिथियों ने विजेता टीम को पुरुस्कार के रूप में प्रथम पुरुस्कार 31 सौ व द्वितीय पुरुस्कार 11 सौ की नकद राशि दी। इस दौरान आयोजक टीम विकास गुर्जर, महेश गुर्जर, योगेश सैन, देवराज, मनीष, राहुल, महेश सहित समस्त ग्रामीण उपस्थित रहे।

योगाभ्यास सप्ताह शिविर कल से

खैरथल। क्रीड़ा भारती एवं छत्रपति शिवाजी योग कोचिंग सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में 15 जून से रोग निरोधक योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया है। योगाचार्य डॉ हरिओम ने बताया कि 15 जून से 21 जून तक सेठ गोपालदास मेमोरियल सी.सै.स्कुल अग्रसेन सर्किल के खेल मैदान में आयोजित शिविर प्रतिदिन सुबह 5, से 6 बजे लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में योगाभ्यास एवं प्रणायाम के माध्यम सेजोडों का दर्द, गठिया, साइटिका, सर्वाइकल, थायराइड, हर्निया, नेत्र ज्योति, कैंसर, आदि बीमारियों से बचाव और ठीक करने के आसनों व प्रणायाम का अभ्यास और जानकारियां दी जाएगी।

सभा में पहुंचने के लिए सम्पर्क किया

निवाई, (निसं)। केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर 14 जून को उनियारा में आयोजित होने वाली विशाल जनसभा को लेकर पूर्व जिला प्रमुख सत्यनारायण चौधरी ने मंगलवार को निवाई उपखंड के कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से मिले। जनसभा के लिए उन्होंने मंगलवार को गुंसी, चनानी, गोपालपुरा, बृजलालपुरा, कानेसर, हनोतिया बुजुर्ग एवं राहोली सहित कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से मिले और जनसभा में आने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर निवाई पीपलू भाजपा विधायक प्रत्याशी राम सहाय वर्मा, गुंसी पूर्व सरपंच शंकरलाल सैनी, बनवारी लाल यादव, प्रभु लाल यादव एवं जगदीश यादव सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

गौसेवा को बनाया ध्येय, चारे-पानी की कर रहे व्यवस्था

पावटा, (निसं)। दीन-दुखी और असहाय व्यक्ति की सेवा से भगवान की भक्ति करने के बराबर फल मिलता है, लेकिन इससे भी बढ़कर भीषण गर्मी के मौसम में यदि गौवंश की रक्षा के लिए पानी और चारे की व्यवस्था की जा रही है तो यह सबसे बड़ी सेवा है।

- **संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति से जुड़े लोग सुबह से ही व्यवस्था में जुट जाते हैं**

शहर की संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति से जुडे संरक्षक श्रीराम यादव, संकल्प हरियाली समिति के संयोजक नीरज सैन, संकल्प गौसेवा समिति के संयोजक सुभाष यादव, पंकज जिंदल, डॉ सुरेन्द्र यादव, भानू सैन, रामकरण राठी, लोकेश टांक, हरी यादव, महावीर यादव, सोनू कुमावत, मनीष सैन, रुबी यादव, उमेश अग्रवाल, सुशील योगी, प्रकाश यादव कुनेड, रामावतार राठी, दीपक यादव ककराना, बलवीर यादव मंढा, जयपाल सिंह शेखावत सीमावता, सुरेंद्र सिंह शेखावत सीमावता, पिंटू यादव प्रेमनगर, राकेश यादव प्रेमनगर, कृष्ण यादव प्रेमनगर, अनिल यादव प्रेमनगर, नरेश यादव प्रेमनगर, कालू यादव प्रेमनगर, मोहित यादव, विनोद प्रेमनगर रवि यादव प्रेमनगर सहित अनेक गौसेवक भोर होते ही अपने घर-परिवार के कामों को छोडकर अलसुबह ही गायों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था करने में जुट जाते हैं।

समिति के संरक्षक श्रीराम यादव, संकल्प हरियाली समिति के संयोजक नीरज सैन, संकल्प गौसेवा समिति के संयोजक सुभाष यादव ने बताया कि पुनीत कार्यों के लिए धन देने वालों की कोई कमी नहीं हैं। इसी के तहत गौसेवा प्रकल्प में गौ सेवा श्री छीतर कादियां पावटा, महेन्द्र यादव पैट्रोल पप वाले एवं महेन्द्र यादव लाइनमैन बावडी वाले की तरफ से एक एक पिकअप गाडी हरे चारे की अलग अलग गौशालाओं में गौ सेवा के लिए भेजी गई। वहीं गौ भक्तों द्वारा कंधे पर खेतों से काटकर लाई ज्वार, सब्जिया लिए जगह-जगह लगी सीमेंट की हौदियों डालना एवं उनकी साफ-सफाई करना सुबह-शाम का नियम बन गया है।

चरागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग

ग्रामीणों ने एसडीम को ज्ञापन सौंपा।

सांभरझील, (निसं)। ग्राम पंचायत बरडोटी के राजस्व ग्राम गोपालपुरा में चारागाह भूमि पर कथित अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को एसडीम को शिकायत दर्ज करवाई तथा उचित कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत पत्र भी सौंपा।

बताया गया कि कुछ लोगों की ओर से चरागाह भूमि पर अतिक्रमण कर उस पर खेती की जा रही है, जिससे पशुओं के लिए चरागाह भूमि कम होती जा रही है। चारागाह भूमि का सीमा ज्ञान कराने के लिए ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी इसके लिए भी अनुरोध किया है।

इस मौके वार्ड पंच बोदूराम यादव, गोपालपुरा, अटलपुरा के ग्रामीण छोटूराम यादव, पूर्व वार्ड पंच सोहन लाल यादव, गोपाल लाल यादव, रामेश्वर यादव, बनवारी लाल, प्रभु राम यादव, धनाराम गुर्जर ,भंवर लाल गुर्जर श्योजीराम गुर्जर,पूर्व वार्ड पंच छोटू राम गुर्जर, सुवाराम गुर्जर, गंगाराम गुर्जर, भागचंद गुर्जर, कानाराम यादव,सूरज करण गुर्जर, मेवाराम गुर्जर, भागचंद गुर्जर सहित अनेक ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

विप्र फाउंडेशन ने जिला प्रमुख के खिलाफ ज्ञापन सौंपा

बहरोड़/ अलवर, (निसं)। विप्र फाउंडेशन संगठन ने अलवर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर पर खैरथल के मातौर रोड पर विप्र समाज के एक व्यक्ति की पुस्तैनी जमीन पर कब्जा करने के विरोध में उचित कार्यवाही की मांग कर अलवर जिला प्रमुख के खिलाफ किशनगढ़ बास विधायक दीपचंद खैरिया और जिला कलेक्टर अलवर को ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार को विप्र फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष भूदेव शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर अलवर और किशनगढ बास विधायक दीपचंद खैरिया को ज्ञापन सौंपा। जिस पर विधायक खैरिया ने भी इस मामले में निष्पक्ष रूप से जांच करवाने तथा न्यायसंगत कार्यवाही का आश्वासन दिया है। विप्र फाउंडेशन के जिला संगठन महामंत्री संजय कौशिक ने बताया कि खैरथल थाना क्षेत्र में मातोर के रहने वाले धर्मेंद्र कौशिक पुत्र वासुदेव मिश्रा की पुस्तैनी जमीन है। जिस पर करीब सौ साल पहले का एक तिबारा व मंदिर बना हुआ है। इसी मंदिर में वो लंबे समय से पाठ पूजा करते आ रहे हैं।

गत 20 अप्रैल को धर्मेंद्र के पास अलवर जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर का फोन आया और उसने धर्मेंद्र को धमकी देते हुए कहा कि तुम्हारी जो जमीन है उसे मुझे बेच दो नहीं तो मैं जबरन कब्जा कर लूंगा, इस धमकी को धर्मेंद्र ने नजरअंदाज कर दिया। लेकिन 27 अप्रैल को करीब 30 से 40 लोग जेसीबी लेकर उनकी जमीन पर पहुंच गए और जबरन जेसीबी चलाते हुए उनकी जमीन पर बने तिबारा व मंदिर को तोड़ दिया। जब इसका विरोध किया तो इन लोगों के द्वारा धर्मेंद्र व उसके परिवार के साथ मारपीट की गई व उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।

इस घटना को लेकर जब धर्मेंद्र ने खैरथल थाने में रिपोर्ट दर्ज करानी चाही तो पुलिस ने उनकी रिपोर्ट भी दर्ज नहीं की। बाद में कोर्ट में इस्तगासा के जरिए मामला तो दर्ज हो गया। लेकिन आरोपियों के खिलाफ अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा, पीयूष पंडित जाडला, प्रकाश अडिचवाल, मनोज, ओम प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय शिविर आयोजित

देवली/टोंक, (निसं)। योग वेदांत सेवा समिति टोंक के सानिध्य में तीन दिवसीय विद्यार्थी उज्जवल भविष्य निर्माण शिविर का आयोजन कृष्ण पाल गार्डन में किया गया।

योग वेदांत सेवा समिति की सदस्य देविका ने बताया कि बालकों में योग, सुसंस्कार सिंचन व उनमें छुपी असीम योग्यताओं को विकसित करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। पाश्चातय संस्कृति का अंधानुकरण ना करके भारतीय संस्कृति के अनुसार आदर्श जीवन जीना व माता पिता का आदर करना सिखाया गया। शिविर में मुख्य वक्ता संत आशारामजी बापू आश्रम अहमदाबाद से विनायक भाई व गंगानगर से प्राचार्य भारद्वाज व अन्य समिति के सेवाधारी सदस्य मौजूद थे। बच्चो ने सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर में भाग लिया।

रामगढ़ प्रधान को जन्मदिन की बधाई दी

अलवर, (निसं)। रामगढ़ पंचायत समिति के प्रधान नसरू खान का जन्मदिन पंचायत समिति के सभागार में मनाया गया। इस मौके पर मेवात विकास बोर्ड के चेयरमैन पूर्व विधायक जुबेर खान जन्मदिन कार्यक्रम में पहुंचे मौके पर पंचायत समिति प्रधान नसरू खान का माला पहनाकर व साफा बांधकर स्वागत किया गया।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पंडित बबली शर्मा ने बताया कि रामगढ पंचायत समिति के प्रधान हिंदू मुस्लिम सिख धर्म के भाईचारे को आगे बढाने की बात करते हैं और हमेशा क्षेत्र में भाईचारे की बात फैलाते हैं जिन बहनों के भाई नहीं होते उनकी बेटियों की शादी में या उनकी शादी में भाई की भूमिका व मामा की भूमिका निभाते हुए उनके घर बिन बताए भात लेकर पहुंच जाते हैं क्षेत्र में पंचायत समिति प्रधान नसरू खान की हर धर्म के प्रति अच्छी सोच है और हर धर्म के कार्यक्रमों में बढ-चढकर भाग लेते हैं। मौके पर पंचायत समिति सभागार में मौजूद ब्लॉक कांग्रेसअध्यक्ष पंडित बबली शर्मा ,मनोनीत पार्षद एडवोकेट रोहतास सैनी, मनोनीत पार्षद अमित कुमार भारद्वाज पत्रकार, मनोनीत पार्षद डॉ इस्लाम खान मांगेलाल वर्मा पार्षद, राजू खंडेलवाल पार्षद, धीरज शर्मा पार्षद, धीरज वशिष्ठ, मनोनीत पार्षद, देशराज पार्षदपुठी, भुवनेश साहू, मनोज खंडेलवाल, मोहन लाल शर्मा, अजय भारद्वाज ब्लॉक संगठन महामंत्री कांग्रेस गजेंद्र, अयूब खान, युवा नेता इमरान आदि ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

भागवत कथा में बाल कृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया

देवली, (निसं)। शहर के अटल उद्यान में चल रही श्री भागवत कथा के पांचवें दिन कथा वाचक विष्णु तनय महाराज ने भगवान श्री कृष्ण पूतना वध, यशोदा मां के साथ बालपन की शरारतें, भगवान श्रीकृष्ण का गो प्रेम, कालिया नाग मान मर्दन, माखन चोरी गोपियों का प्रसंग सहित अन्य बाल लीलाओं का वर्णन किया साथ ही गोवर्धन पूजा, छप्पन भोग प्रसाद का वर्णन किया गया व छप्पन भोग लगाया गया।

- **'भागवत कथा सुनने से मुक्ती मिलती है'**

अटल उद्यान में चल रही भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया।

इस दौरान महाराज ने कहा कि भागवत कथा का श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण होता है और मुक्ति मिलती है। उन्होंने ने कहा कि मनुष्य जीवन विषय वस्तुओं को भोगने के लिए नहीं बना है लेकिन आज का मानव भगवान की भक्ति छोडक़र विषय वस्तुओ को भोगने में भी लगा हुआ है। उन्होंने कहा की भागवत कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। कलयुग की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि कलयुग में मानस पुण्य तो सिद्ध होते हैं। परंतु मानस पाप नहीं होते। कलयुग में हरी नाम से ही जीव का कल्याण हो जाता है। कलयुग में ईश्वर का नाम ही काफी है सच्चे हृदय से हरि नाम के सुमिरन मात्र से कल्याण संभव है। इसके लिए कठिन तपस्या और यज्ञ आदि करने की आवश्यकता नहीं है। जबकि सतयुग, द्वापर और त्रेता युग में ऐसा नहीं था।

विष्णु कृष्ण तनय महाराज ने कथा के आरंभ मे भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं और रासलीला का भावपूर्ण वर्णन किया ,जिसे सुनकर महिला श्रोता भाव विभोर होते हुए खुब आनन्द लियाय । इस दौरान भगवान श्री कृष्ण की गोवर्धन पर्वत को उठाने की मनोरम झांकी का प्रदर्शन किया । कई प्रसंगों का कथा के दौरान वर्णन किया। कंस का आमंत्रण मिलने के बाद भगवान श्री कृष्ण बड़े भाई बलराम जी के साथ मथुरा को प्रस्थान करते हैं। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा व्यास द्वारा बीच-बीच में सुनाए गए भजन पर श्रोता भाव विभोर हो गए।श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन शहर से सैकडों की संख्या में शहर से भक्तगण पहुंच रहे हैं और धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं।

किसान गोष्ठी आयोजित

निवाई, (निसं)कृषि मण्डी परिसर में मंगलवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक के. के. मंगल ने कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी।

संयुक्त निदेशक मंगल ने कहा कि वर्तमान में कृषि विभाग की ओर से तारबन्दी की योजना संचालित की जा रही है। सामान्य वर्ग के किसानों को 40 हजार रुपये एवं लघु सीमान्त श्रेणी के किसानों को 48 हजार रुपये का अनुदान दिया जायेगा। एक कृषक को 400 मीटर पर अधिकतम अनुदान दिया जायेगा। जिन कृषकों के पास 1.5 हैक्टेयर जमीन है वे आवेदन के पात्र है। साथ ही जिन किसानों के पास 1.5 हैक्टेयर से कम जमीन है वे किसान समूह में ऑन लाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते है। कृषि विभाग की ओर से फार्म पौण्ड योजना का लाभ लेने के लिए 1.3 हैक्टेयर जमीन वाले खसरे में 100 फीट लम्बाई 100 फीट चौडाई व 10 फीट गहराई वाले फार्म पौण्ड पर सामान्य वर्ग के किसान 63 हजार रुपये एवं लघु सीमान्त, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कृषकों को 73,500 रुपये का अनुदान देय होगा। इसी प्रकार सिंचाई पाइप लाइन, फसल प्रदर्शन, बीज मिनिकिट इत्यादि योजनाओं का भी किसान लाभ उठा सकते हैं।

प्रशासन गांवों के संग शिविर में 1252 लोग लाभान्वित

ग्राम पंचायत सकरा में आयोजित शिविर में लोगों को लाभांवित किया।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में कुल 14 स्थानों पर स्थाई महंगाई राहत एवं ग्राम पंचायत रामपुरा थोई व सकराय में प्रशासन गांवों के संग अभियान का आयोजन किया गया।

14 स्थानों पर लगे स्थाई महंगाई राहत कैम्पों में राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुसार 10 योजनाओं में रजिस्ट्रेशन किये। इस दौरान उपखण्ड श्रीमाधोपुर में राज्य सरकार की 10 योजनाओं के अन्तर्गत कुल 1012 रजिस्ट्रेशन किए गये। उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि ग्राम पंचायत सकरा में लगे शिविर के दौरान 160 बीघा भूमि का विभाजन 25 भाइयों के परिवारों के मध्य किया गया। इस विभाजन से परिवार के लगभग 126 सदस्यों को फायदा पहुंचा है। अब ये सभी लोग अपने खाता विभाजन के बाद अपनी भूमि का उपयोग अपनी आवश्यकता के अनुसार कर सकेंगे । सभी सदस्यों ने प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है मंगलवार को रामपुरा थोई व सकराय में लगे शिविर में आमजन को राहत पहुंचाने वाले अनेक कार्य किये गये। जिनमें 1252 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया।

इसके अतिरिक्त उपखण्ड श्रीमाधोपुर में नगरपालिका श्रीमाधोपुर एवं नगरपालिका अजीतगढ में भी प्रशासन शहरों के संग अभियान का आयोजन किया जाकर आमजन को राहत प्रदान की गई। इसी क्रम में 4 जून को ग्राम पंचायत कल्याणपुरा ,कंचनपुर व झाड़ली में प्रशासन गांवों के संग अभियान एवं नगर पालिका श्रीमाधोपुर अजीतगढ में प्रशासन शहरों के संग अभियान का आयोजन किया जाएगा।

गारंटी कार्ड वितरित किए

अलवर, (निसं)। रामगढ पंचायत समीति क्षेत्र की ग्राम पंचायत अलावडा में प्रशासन गांव के संग शिविर एसडीएम अमित कुमार की मौजूदगी में लगाया गया । शिविर में पंचायती राज, राजस्व विभाग व विद्युत विभाग,जलदाय विभाग सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों ने शिविर में आए लोगों की समस्याओं का समाधान किया।

शिविर के दौरान मेवात विकास बोर्ड चेयरमैन जुबेर खान ने प्रधान नसरू खान व कांग्रेस पार्टी के मण्डल अध्यक्ष बबली पंडित के साथ पहुंच शिविर का निरिक्षण किया और लोगों की समस्याओं को सुना। साथ ही शिविर में आए मुख्यमंत्री राहत शिविर का लाभ लेने वालों को राहत के गारंटी कार्ड वितरित किए। इसके अलावा कोआपरेटिव सोसायटी द्वारा रामगढ पंचायत समीति क्षेत्र की ग्राम पंचायत अलावडा में प्रशासन गांव के संग शिविर का लगा। जिसमें मेवात विकास बोर्ड अध्यक्ष जुबेर खान ने पंहुच शिविर का निरिक्षण किया।निरिक्षण के पश्चात मेवात विकास बोर्ड अध्यक्ष जुबेर खान का ग्राम पंचायत सरपंच जुम्मा खान और वार्ड पंचों और गणमान्य लोगों द्वारा माल्यार्पण कर साफा बांधकर स्वागत किया।

भीषण गर्मी में पेयजल किल्लत, नलों से आ रहा गंदा पानी

- कस्बावासियों के समक्ष बनी एक तो कोढ, ऊपर से खुजली वाली स्थिति
- लोग निजी खर्च पर टैंकर से पानी डलवा रहे

कोटपूतली, (निसं)। एक ओर जहां भीषण गर्मी के मौसम में पीने के लिए स्वच्छ पेयजल की भारी किल्लत है, वहीं कस्बे के वार्डों में पेयजल लाइन के नलों से गंदा व बदबूदार पानी आ रहा है। जिससे कस्बावासियों के समक्ष एक तो कोढ़, ऊपर से खुजली वाली स्थिति बन गई है।

कस्बे के मौहल्ला बुचाहेड़ा स्थित वार्ड नं. 18 में पुरानी नगर पालिका तिराहे से रामभवन के बीच पेयजल लाइनों के लीक व क्षतिग्रस्त होने के कारण नाली का गंदा पानी मिल जाने के कारण नलों में दोनों समय गंदा व बदबूदार पानी आ रहा है। ऐसे में वार्डवासियों को मजबूरन निजी खर्च पर टैंकर से पानी डलवाकर या फिर निजी बोरिंगों से पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने इस सम्बंध में कई बार पीएचईडी विभाग को अवगत करवाया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

इस बाबत जब पीएचईडी एईएन हंसराज गुर्जर से दूरभाष पर जानकारी चाही गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। बताया जा रहा है कि कस्बे में मास्टर प्लान के दौरान हुई तोडफोड़ में विभिन्न स्थानों पर पेयजल लाईनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं जिन्हें अभी तक दुरूस्त नहीं किया जा सका है एवं ना ही क्षतिग्रस्त नालियों को भी पुन: ठीक किया गया है। जिससे भी यह स्थिति बन सकती है। बहरहाल राज्य सरकार चुनावी मौसम में घर-घर तक पीने का साफ व स्वच्छ पेयजल पहुँचाने की बात कह रही हो लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति कुछ ओर ही है।

पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से नलों में गंदा पानी आ रहा है।

न.पा. आठ करोड़ के निर्माण कार्य करायेगी

खैरथल, (निसं)। स्थानीय नगरपालिका प्रशासन क्षेत्र के सभी वार्डों में लगभग आठ दस करोड़ रुपए की लागत से नाली व सड़कों का निर्माण कार्य करवाएगी। खैरथल में भाजपा का बोर्ड होने के कारण सतारूढ़ पार्टी के विधायक के साथ तालमेल नहीं बैठने के कारण आपसी खींचतान की वज़ह से न केवल विकास कार्य अटके रहे अपितु पिछले ढाई साल से बोर्ड की बैठक तक भी नहीं हुई है।

नये आये अधिशासी अधिकारी आशुतोष आचार्य बोर्ड के चेयरमैन हरीश रोघा के साथ तालमेल बैठाने में सफलता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। जिससे विकास कार्यों को कराने पर सहमति बनी है। इसलिए नगरपालिका प्रशासन द्वारा लगभग आठ दस करोड़ रुपए के निर्माण कार्य कराने के प्रस्ताव बनाने में जुट गया है। इसी के साथ मानसून पूर्व नालों व नालियों की विशेष सफाई कराने के भी प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। उधर नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष विक्रम सिंह चौधरी (विक्की) ने कहा कि उनकी जानकारी में ऐसी को सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले दो ढाई साल से बोर्ड की बजट तक नहीं आहुत की गई है।

सार-समाचार

उप स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन

लालसोट, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने महाराजपुरा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर उप स्वास्थ्य केंद्र के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन कर आम लोगों को समर्पित किया गया। वहीं चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा महाराजपुरा एवं रालावास ग्रामपंचायत में आयोजित महंगाई राहत शिविरों में पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही गारंटी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। चिकित्सा मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाराजपुरा में बने उप स्वास्थ्य केंद्र भवन से मरीजों को पर्याप्त एवं सुगमता से उपचार की सुविधा मिलेगी। ग्राम पंचायत महाराजपुरा व रालावास में महंगाई राहत एवं प्रशासन गांव के संग अभियान का आयोजन किया गया । जिसमें महाराजपुरा ग्राम पंचायत में 155 व रालावास में 539 परिवारों सहित कुल 694 परिवारों का पंजीयन किया गया। कैंप में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीना ने लोगों को गारंटी कार्ड वितरण किए। इस अवसर पर प्रधान नाथूलाल मीना सरपंच लाली देवी उपखंड अधिकारी बृजेंद्र मीना विकास अधिकारी राजाराम मीना तहसीलदार सीमा घुनावत ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी सुखपाल मीणा सहायक कृषि अधिकारी रामखिलाड़ी मीना प्रवर्तन अधिकारी प्रहलाद मीना सरपंच मुकली देवी तहसीलदार विनोद मीणा बद्री लाल मीणा सहित अनेक लोग मौजूद रहे सहित समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिविर का निरीक्षण किया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के पलावा व गादुवास में आयोजित महंगाई राहत शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे पीसीसी सचिव ललित यादव ने शिविर में लाभार्थियों व उपस्थिति विभागीय प्रतिनिधियों से राज्य सरकार की योजनाओं से क्षेत्र किसी भी परिवार के वंचित ना रहने की अपील की। मुंडावर एसडीएम पंकज सिंह बडगुर्जर तथा तहसीलदार रजनी यादव द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया। वहीं शिविर के दौरान पीसीसी सचिव ललित यादव ने बताया कि सभी विभागों के अधिकारी व प्रतिनिधि सुनिश्चित करें कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति को मिले तथा कोई भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित ना रह पाए। शिविर के दौरान मुंडावर बीडीओ आरती गुप्ता ,नायब तहसीलदार बलवंत सिंह, सरपंच मेहरचंद शर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष राजेंद्र नेताजी, ब्लॉक उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, राजू पंच, डॉ जसवीर यादव, डॉ कृष्ण यादव सहित सैकड़ों लाभार्थी व ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

अग्रसेन भवन के लिए भूमि दान दी

पावटा, (निसं)। भामाशाह मोदी परिवार ने अग्रसेन भवन के लिए भूमि दान देकर समाज के समक्ष त्याग और समाज सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अग्रवाल महासभा पावटा को मोदी परिवार के सौजन्य से 1260 वर्गगज भूमि प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान किए जाने व समर्पित करने करने पर पावटा अग्रवाल महासभा पावटा के पदाधिकारियों द्वारा उनका आभार व्यक्त किया व भामाशाह के इस सामाजिक सरोकार के कार्य की सराहना कर सम्मान किया गया। इस दौरान पावटा अग्रवाल महासभा अध्यक्ष महेश गोयल थानेदार ने कहा कि, मोदी परिवार के सभी सदस्यों ने मंगलवार को पावटा आकर भूमि के दान पत्र के लिए अपनी बेशकीमती भूमि समाज के हक में दान पत्र की। इस भूमि पर अब सभी के सहयोग से अग्रसेन भवन का निर्माण करवाया जायेगा। वहीं अग्रवाल महासभा पावटा पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल ने कहा कि भामाशाह जैसे धनाढ्य लोगों को दुनिया में तभी पहचान मिली, जब उन्होंने महाराणा प्रताप की तरह अपनी धन-सपदा दान दी। इस दौरान-अग्रवाल महासभा पदाधिकारियों अग्रवाल महासभा पावटा संरक्षक सियाराम करौली वाले, संरक्षक मंडल सदस्य कैलाश गर्ग, धर्मेंद्र गोयल, गोपाल बंसल, अशोक मोटाका, निर्मल पंसारी, विजय गुप्ता, संतोष गुप्ता, सहित समाज के लोगों ने आभार जताया।

पर्वतारोही का स्वागत किया

कोटपूतली, (निसं)। पर्वतारोही नूर मोहम्मद मुरादाबाद एवं पर्वतारोही नीशू सिंह बिलासपुर मिशन 2024 के अन्तर्गत दिल्ली लाल किला से चार धाम साइकलिंग यात्रा ईस्ट-वेस्ट-नॉर्थ साउथ, द्वारका टेंपल, रामेश्वर टेंपल, जगन्नाथ पुरी टेंपल, बद्रीनाथ टेंपल साइकिलिंग यात्रा कर माउंट एवरेस्ट पर भारतीय तिरंगा फहरायेगे। इस यात्रा में वे नशा मुक्त जागरूकता का संदेश भी देंगे। मंगलवार को स्थानीय भाजपा कार्यालय पर भाजपा नेता मुकेश गोयल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पर्वतारोही नूर मोहम्मद एवं नीशू सिंह का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान एड. सुरेन्द्र चौधरी, सुभाष चन्द शर्मा, सुभाष घोघड़, मनोज नारायण शर्मा, राजेश सराधना, विजय आर्य, रमन सैनी, प्रमोद गुरुजी, पर्वतारोही विजेंद्र सैनी, जीतू आर्य, पवन माली, अजय कुमार यादव, कमलेश प्रजापत, दिलीप यादव समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जारी पट्टों की छाया प्रतियां दिलवाये जाने की मांग

- पार्षद व वार्ड वासियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

मालपुरा, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा चलाये गये प्रशासन शहरों के संघ अभियान के अर्न्तगत नगर पालिका प्रशासन द्वारा जारी पट्टों को लेकर पालिका के पार्षद ने ही पालिका प्रशासन पर सवालिया निशान लगाते हुए एसडीएम महिपाल सिंह को ज्ञापन सौंप जारी किये गये पट्टों की रिर्पोट व छाया प्रति उपलब्ध करवाये जाने की मांग की।

वार्ड नं 32 के पार्षद कैलाशी देवी वर्मा, गजेन्द्र बोहरा, उमा शंकर ठागरिया, गोविन्द वर्मा सहित वार्ड वासियों ने सौंपे गये ज्ञापन में अवगत करवाया कि सरकार ने लोगों को उनकी पैत्रक सम्पतियां तथा खरीद शुदा भूमि सहित अन्य सम्पतियों के अधिकार के रूप में दस्तावेज उपलब्ध करवाये जाने के लिए जटिल नियमों में भारी शिथिलता दे ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों को पट्टें जारी किये जाने के निर्देश दिये गये थे। लेकिन पालिका प्रशासन द्वारा अभियान की आड में नियमों के वितरित जाकर बिना निर्माण शुदा भूखण्डों पर भी 69ए के पट्टे जारी कर दिये। यहां तक कि पालिका की करोडों रूपयों की बेशकीमति जमीनों पर काबिज लोगों को बेदखल कर सरकारी सम्पतियों को कब्जे में ले खुली निलामी कर पालिका की आय बढाने के बजाय कब्जेधारियों से सांठ-गांठ कर उन्हें पट्टे जारी कर दिये।

पार्षद ने वार्ड नं 32 में अभियान के दौरान जारी किये गये पट्टों की सूचना मय छायाप्रति तथा लीज डीड जमा कर जारी किये गये पट्टे एवं खाचा भूमि किस्म में जारी पट्टों की छाया प्रति सात दिवस में उपलब्ध करवाये जाने के लिए पालिका ईओ राजपाल बुनकर को ज्ञापन सौंपा। ईओ बुनकर ने बताया कि पार्षद द्वारा दिये ज्ञापन व मांगी गई सूचना के प्रार्थना पत्र को भूमि शाखा प्रभारी को प्रेषित कर पार्षद को चाही गई सूचना उपलब्ध करवाने के निर्देष दिये गये है। तो इसी क्रम में भाजपा पार्षद पति व पूर्व पालिका उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम सैनी ने भी नागरिकों के साथ एसडीएम को ज्ञापन सौंप पालिका की करोडों रूपयों की रिक्त पड़ी भूमि को खुर्द बुर्द करने का आरोप लगा उच्च स्तरिय जांच की मांग की है।

रूद्रचण्डी महायज्ञ में उमड़े श्रद्धालु, हवन कुण्ड में आहुतियां दी

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत जोधपुरिया के जगतपुरा गांव में अद्वेत आश्रम हरभांवता के संत बालकानन्द गिरी महाराज व जगतपुरा आश्रम के संत व यज्ञ समिति के अध्यक्ष संत शिवपालनन्द गिरी महाराज के सानिध्य आयोजित नव दिवसीय एकादशीय 11 कुण्डात्मक श्री रूद्रचण्डी महायज्ञ में कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पड़ा।

नव दिवसीय एकादशी रूद्रचण्डी महायज्ञ में यज्ञाचार्य पं. पूरणमल शास्त्री, ब्रह्मा रमेश शास्त्री सहित कई विद्वान पंडितों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना करके मंत्रोच्चार के साथ हवन कुण्ड में आहुतियां दी। मंगलवार को महायज्ञ में नव देवता पूजन, मण्डप पूजन, ब्राह्मण वरण सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालु मनफूल गुर्जर ने बताया कि महायज्ञ को लेकर प्रतिदिन महा भण्डारे का आयोजन किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार भामाशाह हंसराज गुर्जर निवासी अरनिया केदार द्वारा महा भण्डारे के आयोजन किया गया। जिसमें सैंकडों श्रद्धालु पंगत प्रसादी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भण्डारे में गांव बनस्थली, सैदरिया, हरभांवता के युवाओं ने उत्साह पूर्वक जीमण कार्य की संपूर्ण व्यवस्थाएं संभाल रखी है। समिति के महामंत्री नटवरसिंह ने बताया कि 15 जून को महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी एवं विशाल महाभण्डारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे।

इस अवसर पर रामलाल तंवर लोदेडा, छितर अवाना, रंगलाल गुर्जर, सुरेन्द्र कसाणा, हरिनारायण गुर्जर, नारायण गुर्जर, रामदेव गुर्जर, हनुमान गोगयास, धर्मसिंह चाकसू, रामेश्वर जगतपुरा, रामदेव गुर्जर, रामजीलाल गुर्जर, रंगलाल गुर्जर, बद्री डाक्टर, श्योदयाल हरभांवता, कजोड जगतपुरा, छीतर अवाना, किशन धाबाई, नारायण गुर्जर जगतपुरा, हीरालाल गुर्जर, जयनारायण चाड केथूनिया एवं रामफूल डोई वनस्थली सहित समिति के सदस्य, कार्यकर्ता एवं कई श्रद्धालु यज्ञ की तैयारियों में जुटे है।

एकादशी रूद्रचण्डी महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की।

महाजन घेराव में पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

- 100 से अधिक वाहनों में बैठकर जयपुर पहुंचे

कोटपूतली, (निसं)। कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार, पेपरलीक व कुशासन के विरूद्ध भाजपा की ओर से जयपुर में आयोजित महा जन घेराव में भाजपा नेता मुकेश गोयल के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने पहुंच कर प्रदर्शन में भाग लिया। कार्यकर्ता प्रात: 7 बजे 100 से अधिक वाहनों में बैठकर जयपुर पहुंचे।

इस दौरान जिला महामंत्री एड. सुरेन्द्र चौधरी, भाजयुमो प्रदेश मंत्री विनोद सिंह तंवर, जिला मंत्री सुभाष चन्द शर्मा, मण्डल अध्यक्ष सुभाष घोघड़, कैलाश चन्द स्वामी, एड. रमेश रावत, अशोक सुरेलिया, अशोक रावत, बगुला प्रसाद स्वामी, जिला पार्षद भोमाराम गुर्जर, अमीचन्द धानका, मुखिया पायला, दिलीप यादव, विजय आर्य, कमलेश प्रजापत, राजेश सराधना, सुनील यादव, सुरेश चन्द शर्मा, महेन्द्र मीणा, रविन्द्र मीणा, रोहिताश कसाना, राजेन्द्र शर्मा, कैलाश पहलवान, मदन सिंह, मुकेश सैनी, विकास जांगल, शीशराम हवलदार, सचिन शर्मा, ओमप्रकाश आर्य, धोलाराम हांसीवाल, विक्रम फाईनेंसर, ईश्वर स्वामी, राजेश फतेहपुरिया, दुलीचन्द मान, सुमित यादव, धर्मेन्द्र यादव, महेन्द्र सैन, बन्शीधर यादव, योगेश वर्मा, रामस्वरूप ठेकेदार, श्रीचन्द मास्टर, सेडुराम मीणा, सुबेसिंह जाट, लालाराम मीणा, रोहिताश जाट, सेडुराम योगी, सुल्तान सिंह, मूलचन्द सुबेदार, रवि प्रकाश भारद्वाज, उदयभान सिंह, सुरेन्द्र सिंह तंवर, दातार सिंह शेखावत, ओमप्रकाश सिंह, भवानी सिंह, जगदीश डोई, पवन शर्मा, भगवती प्रसाद मीणा, खैराती लाल गुर्जर, कृष्ण शर्मा, नितिन सिंह शेखावत, बिरजू सिंह, दिनेश गुर्जर, हंसराज गुर्जर, मुकेश स्वामी, त्रिलोक आर्य, चौथमल स्वामी, रामकुंवार जांगिड़, रघुवीर स्वामी, ख्यालीराम स्वामी, बाबूलाल स्वामी, राजकुमार यादव, परिक्षित सिंह, सुभाष आर्य, हिम्मत सिंह, कृष्ण सिंह, बजरंग सिंह, भग्गाराम मीणा, ओंकार सिंह, रामकरण सिंह, कृष्ण सिंह, लाल सिंह जालाला, दाताराम मुकदम, प्रकाश यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया।

अवैध कनेक्शनों पर कार्रवाई

मालपुरा, (निसं)। जलदाय विभाग द्वारा अवैध नल कनेक्शन ले मुफ्त का पानी पीने वालों पर कार्यवाही को लेकर चलाये गये अभियान के अर्न्तगत मंगलवार को ताबडतोड कार्यवाही कर दर्जनों अवैध कनेक्शन काटे गये। जेईएएन हंसा चौधरी ने बताया कि जानकीपुरा से कलमण्डा के लिए बिछाई गई मुख्य पेयजल लाइन से कलमण्डा के पास माताजी पॉल फैक्ट्री संचालक द्वारा अवैध नल कनेक्शन कर राईडिंग लाईन से पानी दोहन किया जाना सामने आने पर कनेक्शन विछेद् कर रिर्पोट उच्चाधिकारियों को दी गई। तो चावण्डिया से हरनोदा तक बिछाई गई मुख्य पाईप लाईन से किये गये अवैध कनेक्शनों को चिन्हित कर हाथो हाथ अवैध नल कनेक्शन काटे गये।

प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारियों की बैठक

दौसा, (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने कहा कि जिले में आगामी विधान सभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिये गठित प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी सक्रिय रहकर कार्य करें तथा प्रकोष्ठ गठित कर सौंपे गये कार्यों को समय पर पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभा भवन में आयोजित विधान सभा चुनाव के लिये गठित प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुये जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह बात कही।

समय पर कार्य पूर्ण करवाने के लिये सक्रिय रहकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की पूर्व तैयारियों हेतु की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की प्रभावी निगरानी के लिए जिला स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारी व सहायक प्रभारी अधिकारी चुनाव आयोग के निर्देशानुसार तय कार्यक्रम के अनुसार समय पर पूर्ण करवाने के लिये आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने संबंधित नोडल अधिकारियों को इलेक्टोरल रोल में जेंडर गैप पर विशेष ध्यान देने तथा सभी मतदान केन्द्रों में न्यूनतम आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण कर सात दिवस में पालना रिर्पोट भिजवाने के निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ने गठित प्रकोष्ठों के बारे में जानकारी देते हुये अधिकारियों को सौपें गये।

पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने धरना दिया

अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। जलदाय विभाग के सहायक अभियंता अभय चौहान के द्वारा सरकार के नियमों को ताक में रखते हुए कस्बे में पर्याप्त पानी की व्यवस्था नहीं होने के बाद भी कस्बे के कुछ वार्डों में 6 इंच की पाइप लाइन डालने का कार्य ग्राम पंचायत की बिगर अनुमति एनओसी के सीसी सड़क को उखाड़कर कार्य किया गया जिससे कस्बे की पेयजल आपूर्ति के साथ ही कस्बे के वार्डों की सड़कें भी पूरी तरह से खराब हो गई। साथ ही पूरे कस्बे में पिछले दस रोज से पानी के लिए ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मंगलवार को कालाडेरा में पानी वितरण व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों का सब्र का बांध टूट गया। कस्बे की महिला व पुरुषों ने प्रात: पानी की समस्या को लेकर ढोल नगाड़े के साथ मुख्य बाजार से जुलूस निकालते हुए सरपंच के घर के सामने से विरोध प्रदर्शन करते हुए ग्राम पंचायत भवन पर इकट्ठे होकर विरोध प्रदर्शन किया। कस्बेवासियों ने पंचायत भवन के सामने धरना देकर बैठ गए। साथ ही पंचायत भवन का ताला भी कर्मचारियों को नहीं खोलने दिया और अधिकारियों को बुलाने की मांग करने लगे। मौके पर स्थानीय पुलिस भी उपस्थित रही।

जलदाय विभाग के कर्मचारियों ने उच्च अधिकारियों को सूचना दी जिसके बाद जलदाय विभाग की कनिष्ठ अभियंता ज्योति सैनी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की पानी संबंधित समस्या सुनी एवं मौके पर उपस्थित कर्मचारियों को कालाडेरा में हो रही जल वितरण की अनियमित अव्यवस्था को जल्द दुरुस्त करने के लिए कहा और ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि 1 सप्ताह में पानी व्यवस्था कस्बे में समान रूप से कर दी जाएगी। इस बीच ग्रामीणों ने थाना अधिकारी के नाम ज्ञापन भी दिया और जलदाय विभाग के प्रति आक्रोश व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कनिष्ठ अभियंता ज्योति सैनी को 17 जून तक पानी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कहा।

जानकारी के अनुसार यदि पानी व्यवस्था दुरुस्त नहीं होती है तो 18 जून को कालाडेरा में होने वाली सेमिनार में जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की आने की संभावना है। पानी की समस्या को लेकर कुछ ग्रामीणों के द्वारा जिला कलेक्टर को काले झंडे दिखाने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले कुछ दिनों में उग्र विरोध प्रदर्शन करेंगे ऐसी ग्रामीणों ने चेतावनी भी अधिकारियों को दी है। साथ ही कनिष्ठ अभियंता ज्योति सैनी ने गांव में घूम कर जगह-जगह मौके निरीक्षण किया एवं कर्मचारी को टूटी पायप लाइन दुरुस्त करने के निर्देश दिए ग्रामीणों ने कनिष्ठ अभियंता ज्योति सैनी के आश्वासन एवं विश्वास के बाद धरना समाप्त किया।

कालाडेरा में ग्रामीणों ने बाजार से जुलूस निकाल कर ग्राम पंचायत भवन पर विरोध प्रदर्शन किया।

तहसील ब्राह्मण महासभा की बैठक

पावटा, (निसं)। पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा की बैठक का आयोजन ग्रीन पार्क होटल में किया गया। अध्यक्षता पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा ने की।

बैठक के दौरान पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा ने पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा इकाई अध्यक्ष मांजुकोट नाथूलाल शर्मा, ग्राम ललाना इकाई अध्यक्ष श्यामसुंदर वशिष्ठ, कल्याणपुरा इकाई अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा, पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा उपाध्यक्ष पद पर बलराम शर्मा, योगेश शर्मा मांजुकोट, सुरेश शर्मा बजरंगपुरा, मुकेश गंगावत को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए पदाधिकारियों को उनके पद की जिमेदारी सौंपी। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ने सुशील कुमार पांडेय को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया, जबकि नगर में इस दायित्व का निर्वहन करने के लिए अमित मिश्रा सोमू को चुना गया। इस मौके पर तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा, नगर ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा, शिक्षक दुर्गादत्त भारद्वाज, सुरेश शर्मा बजरंगपुरा, धीरज वशिष्ठ, जितेंद्र शर्मा, प्रमोद शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, योगेश शर्मा माँजूकोट, नाथू लाल शर्मा, नगर ब्राह्मण महासभा उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश गौड, मुकेश गंगावत, बलराम शर्मा, महेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्र बंधु मौजूद रहे।

अम्बर चरखे पर नि:शुल्क प्रशिक्षण शुरू

मालपुरा में खादी कार्यालय पर बुनकर महिलाओं के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ।

मालपुरा, (निसं)। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा वर्ष 2021-22 की पालना में राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के सौजन्य से खादी ग्रामउद्योग समिति मालपुरा में नवीन बेरोजगार बुनकर महिलाओं के लिए अम्बर चरखे पर सूत व धागा कताई को लेकर नि:शुल्क प्रशिक्षण का शुभारम्भ हुआ।

अजमेर संभाग राजस्थान खादी बोर्ड वाणिज्य केन्द्र अधिकारी राजेश शर्मा, खादी ग्रामोद्योग जिला समिति मंत्री नन्दकिशोर शर्मा, मालपुरा खादी समिति अध्यक्ष रामबाबु व्यास, मंत्री रामरतन शर्मा ने गांधीजी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित कर सूत की माला पहना शिविर का शुभारम्भ किया। मंत्री रामरतन शर्मा ने बताया कि बेरोजगार बुनकर महिलाओं को घर बैठे रोजगार उपलब्ध करवाने व आमदनी बढाने के उद्देश्य के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को लेकर मुख्यमंत्री की बजट घोषणा की पालना में खादी बोर्ड द्वारा शुरू किया गया प्रशिक्षण तीस दिन तक आयोजित होगा। जिसमें दक्ष प्रशिक्षक श्यामलाल द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा साथ ही प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को तीन सो रूपये प्रतिदिन का मानदेय देने के साथ साथ शिविर समाप्ती पश्चात अम्बर चरखा वितरण किये जाने की योजना है। इस दौरान समिति के ज्ञानप्रकाश दाधिच, जगमोहन शर्मा, रामवतार शर्मा, आदि मोजूद रहे।

मैं खिलाड़ी की काबिलियत का आकलन इस आधार पर करता हूं कि वह कितने साल खेल सका। - रिंकी पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, खिलाड़ियों की काबिलियत को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — नोवाक जोकोविच

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सर्पस्का ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपने हमवतन डुसान लाजोविच से हार गए। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि जोकोविच को अपने हमवतन किसी खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। लाजोविच ने शुक्रवार को खेले गए इस मैच में 6-4 7-6 (6) से जीत दर्ज करने के बाद कहा," यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। जोकोविच मेरा अच्छा दोस्त और हमारे देश का नायक है। मैंने उसे हराने के बारे में सोचा तक नहीं था लेकिन ऐसा हो गया।"

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

क्या अब विराट-रोहित युग से आगे बढ़ने का समय है

दोनों की कप्तानी में आईसीसी के छह टूर्नामेंट खेले, ट्रॉफी एक भी नहीं जीती

नई दिल्ली, 13 जून। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकतरफा अंदाज में हारने के बाद भारतीय टीम और इसकी लीडरशिप पर उठ रहे सवाल और भी मजबूत हो गए हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े स्टार हैं। साल 2016 के बाद हुए 6 टूर्नामेंट में भारत ने इनकी कप्तानी में शिरकत की है, लेकिन कामयाबी किसी में भी नहीं मिली। इन दोनों से पहले टीम के लीडर महेंद्र सिंह धोनी थे। उनकी अगुआई में भारत ने 3 ट्रॉफी जीतीं। आखिरी खिताबी जीत 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में आई थी। इसके बाद से ही भारत का ट्रॉफी कैबिनेट खाली है। धोनी अपनी कप्तानी के आखिरी तीन साल में कोई खिताब नहीं जिता पाए थे। उनके जाने के बाद भारतीय फैंस ने उम्मीद जताई थी कि विराट कोहली के आने से ट्रॉफी का सूखा खत्म होगा। कोहली के बाद यह आस रोहित शर्मा से बंधी, लेकिन दोनों ही खिताबी कामयाबी हासिल नहीं कर पाए। बतौर कप्तान मैच जीतने के लिहाज से कोहली का रिकॉर्ड शानदार रहा है, लेकिन वे टीम को बड़े टूर्नामेंट में कामयाब नहीं बना पाए। विराट ने 213 इंटरनेशनल मैचों में भारत की कप्तानी की और 135 में टीम जीती। सिर्फ 60 में हार का सामना करना पड़ा। 3 मैच टाई, 11 ड्रॉ और 4 नो रिजल्ट रहे। जीत और हार का औसत 2.250 रहा। यानी उनकी कप्तानी में भारत ने जितने मैच गंवाए उसके दोगुने से भी ज्यादा जीते। हालांकि कोई टूर्नामेंट का खिताब जीतना कप्तान विराट के लिए सपना ही रह गया। हां, जूनियर लेवल पर उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप जरूर जीता है। 2017 में इंग्लैंड में हुआ चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट बतौर कप्तान विराट का पहला टूर्नामेंट था। इसके फाइनल में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ करारी शिकस्त मिली। इसके बाद 2019 वनडे वर्ल्ड कप में भारत सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हारा। 2021 फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड ने ही हराया। 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। यानी विराट ने दो टूर्नामेंट के फाइनल तक भारत को पहुंचाया, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से महिला हैंडबॉल टीम पहुंची कजाखिस्तान

नई दिल्ली 13 जून। कप्तान निधि शर्मा के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम बुधवार से शुरू होने वाली छठीं एशियन महिला क्लब लीग हैंडबॉल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिये कजाखिस्तान के अलमाटी पहुंच गयी। टीम का उपकप्तान मेनिका को बनाया गया है। आगामी 14 से 20 जून तक आयोजित इस चैंपियनशिप में भारतीय टीम के दल प्रमुख डा.आनन्देश्वर पाण्डेय बनाए गए है। नई दिल्ली से रवानगी से पूर्व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला, कोषाध्यक्ष डा.तेजराज सिंह व महासचिव ए.जगनमोहन राव ने भारतीय टीम के चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कामना की। इस अवसर पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि भारतीय खिलाड़ी पिछले काफी अरसे से अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर शानदार प्रदर्शन कर रहे है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने व अपनी छाप छोड़ने में कामयाब होंगी। **भारतीय महिला हैंडबॉल टीम:** निधि शर्मा (कप्तान), मेनिका (उपकप्तान), मिताली शर्मा, दीक्षा कुमारी, प्रियंका ठाकुर, खुशबू आचार्य, रेखा, ज्योति मीना, ऐरांटा मीना, अक्षया, अक्सा सनी, शालिनी ठाकुर, आशा रानी, भावना। **आफिशियल :- मुख्य कोच :** सचिन चौधरी, कोच : साइरिल डिसूजा, मैनेजर : शिवबचन प्रजापति, असिस्टेंट मैनेजर : अजय कुमार जायसवाल, हेड ऑफ डेलीगेशन : डाः आनन्देश्वर पाण्डेय।

स्टार स्पोर्ट्स ने विंबलडन 2023 के लिए लांच किया प्रोमा

मुंबई, 13 जून। साल के सबसे बड़े टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन का जश्न मनाने और प्रशंसकों को उत्साह बढ ाने के लिये स्टार स्पोर्टस ने एक आकर्षक प्रोमो 'आलवेज लाइक नेवर बिफोर' लांच किया है। विंबलडन में घास के मैदानों को बेहद बारीकी से सजाया गया है और एक शताब्दी से भी अधिक समय तक इसका समृद्ध इतिहास रहा है। इस साल यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट तीन से 16 जुलाई के बीच खेला जायेगा जिसे भारत में स्टार स्पोर्ट्स 2, स्टार स्पोर्ट्स सिलेक्ट 1, स्टार स्पोर्ट्स सिलेक्ट 2 और डिज्नी हॉटस्टार पर देखा जा सकेगा। प्रोमो में फिल्म खिलाड़ियों के कौशल, अटूट दृढ़ संकल्प और अदम्य भावना के असाधारण प्रदर्शन को उजागर किया गया है। फिल्म में महान नोवाक जोकोविच, विश्व नंबर 1 इगा स्वोटेक और कार्लोस अल्कराज, स्टेफानोस त्सिटिपास और कोको गॉफ जैसे होनहार खिलाड़ी हैं जो ताज के लिए कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में मौजूदा चैम्पियन नोवाक जोकोविच खिताब बचाने के इरादे से उतरेंगे।

वेस्टइंडीज दौरे में नये चेहरों को मौका मिलने के आसार

नई दिल्ली 13 जून। इंडियन प्रीमियर लीग के हाल ही में संपन्न सत्र में अपने हुनर का लोहा मनवाने वाले रिंकू सिंह और यशस्वी जायसवाल जैसे चेहरों को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पांच मैचों की एक दिवसीय श्रृखंला में मौका मिलने की पूरी संभावना है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में मिली हार के बाद स्वदेश लौटी भारतीय टीम करीब एक महीने के विश्राम के बाद जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे की शुरूआत करेगी। कैरीबियन टीम के खिलाफ भारत दो टेस्ट मैच,तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगा। दौरे की शुरूआत 12 जुलाई से खेले जाने वाले टेस्ट मैच से होगी जबकि दौरे का समापन टी-20 मैचों की श्रृखंला से होगा।

डेनवर नगेट्स ने एनबीए लीग का टाइटल जीतकर इतिहास रचा, पहली बार विजेता बनी

नई दिल्ली, 13 जून। डेनवर नगेट्स ने मंगलवार को नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन लीग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। अमेरिका के डेनवर के बॉल एरिना में खेले गए फाइनल मैच में टीम ने मियामी हीट को 94-89 से हराया। डेनवर नगेट्स साल 1967 से चैंपियनशिप में हिस्सा ले रही है, लेकिन यह पहली बार है जब उसने ट्रॉफी जीती है। बता दें, मियामी हीट ने तीन बार ट्रॉफी जीती है। लॉस एंजिल्स लेकर्स लीग की सबसे सफल टीम लॉस एंजिल्स लेकर्स और बोस्टन सेल्टिक्स लीग की सबसे सफल टीमें हैं। इन दोनों टीमों ने 17-17 बार लीग का खिताब जीता है। गोल्डन स्टेट वारियर्स सात ट्रॉफी के साथ तीसरे नंबर पर है। शिकागो बुल्स छह और सैन एंटोनियो स्पर्स पांच बार चैंपियन बनी है।

शुरू के दोनों क्वार्टर मियामी हीट के नाम रहें मियामी हीट ने मैच का पहला क्वार्टर 24-22 से जीता था। पहले क्वार्टर में डेनवर नगेट्स ने भी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन दो पॉइंट्स से पीछे रही। दूसरे क्वार्टर में मियामी हीट फिर हावी रही और 27-22 के स्कोर के साथ बाजी मारी। मैच का तीसरा क्वार्टर डेनवर नगेट्स ने 26-20 से जीता। मैच के चौथे क्वार्टर में डेनवर नगेट्स ने मियामी हीट पर दबाव बनाए रखा और मैच का चौथा क्वार्टर जीत लिया। चौथे क्वार्टर के अंत में अंतिम स्कोर 24-18 था। चारों क्वार्टर मिलाकर मैच का अंतिम स्कोर 94-89 था।

क्या टेस्ट टीम से पुजारा-उमेश की छुट्टी होगी

डब्ल्यूसीटी फाइनल के बाद नया बैच तैयार कर रहे सिलेक्टर्स, विंडीज में जायसवाल-मुकेश को मौका

मुंबई, 13 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में लगातार 2 फाइनल गंवाने के बाद भारतीय टीम में बदलाव का दौर शुरू हो रहा है। हालांकि इसमें कुछ समय लग सकता है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद अब भारतीय सिलेक्टर्स पर नया बैच तैयार करने का दबाव है। ऐसे में कुछ टेस्ट स्पेशलिस्ट प्लेयर को अपनी प्लेस गंवानी पड़ सकती है। साथ ही कुछ युवा चेहरों को आजमाया जा सकता है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फाइनल हारने के बाद टेस्ट स्पेशलिस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज उमेश यादव अपनी जगह गंवा सकते हैं। उनकी जगह युवा यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को विंडीज दौरे पर मौका दिया जा सकता है, क्योंकि टेस्ट चैम्पियनशिप के पिछले सीजन में पुजारा और उमेश ही टीम की कमजोर कड़ी साबित हुए हैं। ऐसे में संभव है कि उन्हें ड्रॉप किया जाए।

रवि शास्त्री ने कहा, खिलाड़ी फैसला करें, आईपीएल जरूरी या डब्ल्यूटीसी

मुबंई 13 जून। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत को मिली करारी हार के बाद दिग्गज क्रिकेटरों के बीच छिड़ी बहस के बीच भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है कि वे इंडियन प्रीमियर लीग जैसे व्यवसायिक टूर्नामेंट को चुनते हैं अथवा डब्ल्यूटीसी सरीखे प्रतिष्ठित मैचों की तैयारी में अपना समय और ऊर्जा खपाते हैं।

क्रिकइंफो के अनुसार शास्त्री ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, देखिए ऐसा कभी नहीं होने वाला है कि आपको किसी मैच या सीरीज़ की तैयारी के लिए 20-21 दिन मिले। अंतिम बार ऐसा 2021 के इंग्लैंड दौरे पर हुआ था, जब भारतीय टीम पहले टेस्ट से तीन सप्ताह पहले वहां पहुंच गई थी। इसका भारत को फ़ायदा भी हुआ और वे सीरीज़ में 2-1 से आगे थे। लेकिन यह तभी संभव हो पाया था, जब कोरोना के कारण आईपीएल का दूसरा हाफ़ टल गया था। तभी इतना समय मिल पाया था। उन्होंने कहा, हमें यथार्थ में जीना होगा। आपको ये 20 दिन कभी नहीं मिलेंगे और अगर ऐसा होता है तो आपको आईपीएल छोड़ना होगा। यह अब खिलाड़ियों और बीसीसीआई पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई भी इस पर ध्यान देगा। अगर हर बार डब्ल्यूटीसी का फ़ाइनल आईपीएल के एक सप्ताह बाद जून में पड़ता है तो फ़ाइनल में पहुंचने वाले फ्रैंचाइज़ियों के लिए कुछ शर्तें होनी चाहिए।

गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप के फाइनल में हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल जैसे मैचों की तैयारियों के लिए आदर्श रूप से कम से कम 20-25 दिन चाहिए होते हैं जबकि आईपीएल के बाद टीम को तैयारी का अवसर नहीं मिला। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने भी डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल से पहले व्यस्त शेड्यूल का हवाला दिया था और कहा था कि एक कोच के तौर पर वह ऐसी तैयारियों से बिल्कुल भी ख़ुश नहीं हो सकते, लेकिन सच्चाई यही है कि उन्हें इससे अधिक समय मिल भी नहीं सकता है। उन्होंने कहा था, शेड्यूल बहुत टाइट है। जब आप यहां पर तीन सप्ताह पहले आते हो और दो अभ्यास मैच खेलते हो, तब आपकी तैयारी बेहतर होती है। लेकिन यह सुविधा हमारे पास नहीं है। हालांकि यह कोई बहाना या शिक़ायत भी नहीं है। भारतीय घरेलू क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बेहतरीन कर रहे है, उन्हें बस ढूंढ़ने और सही मौक़ा देने की ज़रूरत है।

भारत को अगले डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत जुलाई में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ सीरीज़ से करना है। इस साल अक्तूबर-नवंबर में 50 ओवर के विश्व कप को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन को खिलाड़ियों का वर्कलोड मैनेजमेंट भी करना है। इसका मतलब यह भी है कि वेस्टइंडीज़ दौरे पर कुछ खिलाड़ियों को आराम भी दिया जा सकता है। शास्त्री का मानना है कि यह सही मौक़ा है जब कुछ युवा खिलाड़ियों को मौक़ा दिया जाए, जो आगे अनुभवी खिलाड़ियों की जगह भी ले सकें। उन्होंने भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कुछ कठिन निर्णय लेने की भी बात कही।

उन्होंने कहा, थिंक-टैंक और चयनकर्ताओं को भविष्य को देखते हुए योजना बनानी होगी। ऑस्ट्रेलिया ऐसा कई वर्षों से करता आ रहा है। वे सिर्फ़ आज नहीं बल्कि अगले तीन साल की टीम बनाते हैं। वे इसका इंतज़ार नहीं करते कि अचानक से कुछ खिलाड़ी संन्यास लें या ख़राब फ़ॉर्म में आएं और उनके पास कोई विकल्प ही ना रहे। उनकी टीम में युवा और अनुभव का मिश्रण है। वहां के युवा खिलाड़ी, अनुभवी खिलाड़ियों से तेज़ी से सीखते हैं। वहां का टीम प्रबंधन कठिन निर्णय भी लेता है, जिसको कई लोग पसंद नहीं करते, लेकिन वह टीम के हित में होता है। तभी उनकी टीम इतनी मज़बूत है। यही योजना भारत को भी बनानी होगी।

कप्तान रोहित भी कहीं ना कहीं शास्त्री की बातों से सहमत नज़र आते हैं। उन्होंने फ़ाइनल के बाद पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस में कहा था, हमें कुछ सवालों का जवाब ढूंढ़ना होगा। घरेलू क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें बस ढूंढ़ने, तराशने और सही समय पर सही मौक़ा देने की ज़रूरत है।

एलपीएल की नीलामी में सुरेश रैना भी शामिल

कोलंबो, 13 जून। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के 31 जुलाई से शुरू होने वाले चौथे सत्र की नीलामी 14 जून को होगी जिसमें भारत के पूर्व स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना भी उपलब्ध होंगे। नीलामी के लिए कुल 360 खिलाड़ियों को चुना गया है जिसमें भारतीय टीम के पूर्व सदस्य सुरेश रैना भी उपलब्ध रहेंगे। नीलामी सूची के अनुसार नीलामी में श्रीलंका के 202 खिलाड़ियों की बोली लगेगी। लिस्ट में बाकी 153 खिलाड़ियों में विदेशी क्रिकेटर शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में सबसे अधिक 34 खिलाड़ी पाकिस्तान के है जबकि आस्ट्रेलिया के 24, बांग्लादेश के 24, वेस्ट इंडियन के 14 और दक्षिण अफ्रीका के दस खिलाड़ियों की बोली नीलामी में लगेगी। तमीम इकबाल (बांग्लादेश), क्रिस लिन (ऑस्ट्रेलिया), एविन लुईस (वेस्टइंडीज), लेंडल सिमंस (वेस्टइंडीज), इमाद वसीम (पाकिस्तान), टिम सीफर्ट (न्यूजीलैंड), रस्सी वान डेर डूसन (दक्षिण अफ्रीका), इमरान ताहिर (दक्षिण अफ्रीका), ईश सोढ़ी (न्यूजीलैंड), नूर अहमद (अफगानिस्तान) समेत कुछ अन्य शीर्ष खिलाड़ी बुधवार को नीलामी के लिए उपलब्ध होंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने भी 50 हजार अमेरिकी डालर के आधार मूल्य के साथ खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम रखा है। 36 वर्षीय विश्व कप विजेता मध्यक्रम के बल्लेबाज ने 18 टेस्ट, 226 एकदिवसीय और 78 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। जाने-माने भारतीय कमेंटेटर, कंपेयर और क्विज मास्टर चारु शर्मा एलपीएल नीलामी के लिए नीलामीकर्ता के तौर पर काम करेंगे।

डब्ल्यूटीसी हार पर तेंदुलकर ने पूछा- अश्विन बाहर क्यों

गावस्कर ने कहा- कोहली ने कैसा शॉट खेला; रोहित बोले- शॉट खेलने की छूट दी थी

नई दिल्ली, 13 जून। ऑस्ट्रेलिया से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हारने के बाद इंडिया के क्रिकेट लीजेंड्स टीम पर सवाल उठा रहे हैं। सचिन तेंदुलकर ने आर अश्विन जैसे स्पिनर को टीम से बाहर रखने पर हैरानी जताई। सुनील गावस्कर ने कहा कि कोहली ने खराब शॉट खेला। उनसे पूछना चाहिए कि वो क्या शॉट था। टीम इंडिया के कप्तान ने फाइनल हारने के बाद रविवार को सफाई दी थी कि उनकी टीम के बल्लेबाजों के एकाठाता में कोई कमी नहीं थी, बस टीम थोड़ा अलग बल्लेबाजी का प्लान लेकर उतरी थी।

सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया, "पहली पारी में इंडिया को ज्यादा स्कोर करना था, ताकि वो खेल में बने रहे। लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए। टीम के लिए कुछ अच्छे मोमेंट्स भी थे। लेकिन मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि अश्विन को टीम से बाहर क्यों रखा गया, जबकि अभी वो दुनिया का नंबर वन टेस्ट बॉलर है। मैंने मैच से पहले भी कहा था कि टैलेंटेड स्पिनर्स हमेशा घूमने वाले विकेट के भरोसे नहीं रहते। वे उछाल और गति में बदलाव से विकेट का इस्तेमाल करते हैं। ये भी नहीं भूलना चाहिए कि ऑस्ट्रेलिया के टॉप 8 बल्लेबाजों में 5 लेफ्ट हैंडर थे।"

तेंदुलकर ने यह सवाल इसलिए भी उठाया, क्योंकि मौजूदा सीजन में अश्विन ने 13 टेस्ट में 61 विकेट लिए हैं। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, "कोहली का शॉट खराब था। वो बहुत ही साधारण शॉट था। आप मुझसे पूछने की बजाय कोहली से पूछें कि वो क्या शॉट था। हम इतनी बार बात कर चुके हैं कि मैच जीतने के लिए आपको बड़ी इनिंग की जरूरत होती है। आपको शतक मारने की जरूरत होती है। जब आप ऑफ स्टंप से इतनी बाहर की गेंद पर शॉट खेलेंगे तो आप सेंचुरी कैसे बनाएंगे? शायद वो फिफ्टी के करीब थे इसलिए उनके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। जडेजा के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जब वो पहली पारी में 48 रन पर आउट हो गया।"

ऑस्ट्रेलिया से 209 रन से हारने के बाद रोहित ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, " फाइनल में एक मैच की बजाय तीन मैचों की सीरीज हो। हमने कड़ी मेहनत की, बड़ी टीमों को उनके घर में कड़ी टक्कर दी और लगातार दूसरी बार यहां तक पहुंचे, लेकिन केवल एक ही मैच खेलकर चैंपियनशिप गंवा दी। मुझे लगता है अगले साइकल में तीन मैचों की सीरीज सही रहेगी।" इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अगला फाइनल लॉर्ड्स पर खेले जाने की घोषणा पहले ही कर दी है। ऐसे में रोहित ने कहा, "यह मैच कहीं भी कराया जा सकता है। जून में फाइनल नहीं होना चाहिए। यह साल में किसी भी समय हो सकता है। सिर्फ इंग्लैंड में ही नहीं, बल्कि कहीं भी हो सकता है।"

टीम इंडिया के कप्तान बोले, "ऐसे फाइनल के लिए 20 से 25 दिन की तैयारी चाहिए। पिछली बार इंग्लैंड में हमने यही किया था और नतीजा आपने देखा। हम 2-1 से आगे थे जब अगला मैच स्थगित हुआ था। टेस्ट क्रिकेट में काफी अनुशासन की जरूरत है।" रोहित ने ये माना कि दूसरी इनिंग में कई गलत शॉट्स खेले गए, लेकिन उन्होंने टीम की बेहद आक्रामक बैटिंग पर कुछ नहीं कहा।

इंडोनेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु

// प्रणय भी अगले दौर में, त्रीशा-गायत्री की जोड़ी बाहर //

नई दिल्ली, 13 जून। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने मंगलवार को जकार्ता में खेली जा रही इंडोनेशिया ओपन वर्ल्ड टूर सुपर 1000 के पहले राउंड में इंडोनेशिया ठिगोरिया मारिस्का तुंजुंग को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

मेंस सिंगल में एचएस प्रणय भी अपना मुकाबला जीत कर अगले दौर में पहुंच गए हैं। वहीं त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। सिंधु की ठिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत

पिछले दो टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर होने वाली सिंधु ने इंडोनेशिया की खिलाड़ी को 38 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में 21-19 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु की ठिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। सिंधु के खिलाफ ठिगोरिया ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9-7 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुछ अच्छे अंक जुटाए और ठिगोरिया की लगातार तीन गलतियों से ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बना ली और फिर गेम जीतने में सफल रही।

दूसरे गेम में सिंधु बेहतर लय में नजर आईं। सिंधु की ठिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार का सामना करना पड़ा है। सिंधु अगले दौर में तीसरी वरीय ताइ जू यिंग से भिड़ेंगी। ताइवान की खिलाड़ी ने सिंधु के खिलाफ पिछले लगातार आठ मुकाबले जीते हैं और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 18-5 है।

टेस्ट कप्तानी छोड़ने का फैसला विराट का था, तब रोहित बेस्ट ऑप्शन थे : गांगुली

// डब्ल्यूटीसी हार पर कहा- टीम में लड़ने का जज्बा नहीं दिखा //

नई दिल्ली, 13 जून। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि नहीं चाहता था कि विराट कोहली टेस्ट की कप्तानी छोड़ें। उनसे टेस्ट की कप्तानी न छोड़ने के लिए अनुरोध भी किया गया था। उन्होंने कहा कि कप्तानी छोड़ने का फैसला विराट का था। हमने जब यह खबर सुनी तो हम भी हैरान रह गए थे। इसके लिए तैयार नहीं था। उस वक्त टीम में रोहित शर्मा ही कप्तानी का बेहतर विकल्प थे। गांगुली ने फाइनल में हार पर कहा- टीम की अप्रोच डिफेंसिव थी। टीम ने रिस्क नहीं लिया। इस टीम को खुलकर खेलना चाहिए। जीत मिलेगी। गांगुली ने यह बात एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कही। विराट ने जनवरी 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी थी। यह फैसला उन्होंने साउथ अफ्रीका सीरीज में 2-1 से हार के बाद किया था। उन्होंने नवंबर 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ी। दिसंबर 2021 में उन्हें वन डे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। गांगुली ने कहा, रोहित ने 5 खिताब जीते हैं। उन्होंने 2018 में भारत को एशिया कप में भी जीत दिलाई थी। रोहित को तब तक बतौर कप्तान जो भी जिम्मेदारी दी गई थी, उसमें वे सफल रहे थे। विराट इस समयभारतीय टीम की कप्तानी के लिए रोहित ही ठीक हैं। रोहित और द्रविड़ को आगे होने वाले टूर्नामेंट में ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता दिखानी होगी।" गांगुली ने कहा कि फाइनल में टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल वाली गलती दोहराई। टीम द ओवल में खिताबी मुकाबले में रिस्क लेने की हिम्मत नहीं दिखा सकी। भारतीय टीम को रिस्क लेना चाहिए था। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करना बेहतर होता। इससे टीम की मानसिक मजबूती सामने आती। 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में राहुल द्रविड़ ने बतौर कप्तान कठिन पिच पर पहले बैटिंग करने का फैसला लिया था और उस मैच में जीत भी दर्ज की थी।" गांगुली ने कहा, "अभी ऐसा लगता है कि भारतीय खिलाड़ी बंधकर खेलते हैं। इससे बाहर निकलने की जरूरत है। टूर्नामेंट में नाकामी की एक वजह डिफेंसिव अप्रोच रखना है। मुझे लगता है कि खिलाड़ी थोड़े बंधे हुए हैं। टी-20 तो मारने का ही खेल है, जिस टीम के पास 8 नंबर तक बल्लेबाज हैं, उसमें तो ऊपर वालों को खुलकर ही खेलना चाहिए। यहां पंड्या और जडेजा 6 व 7 पर खेलते हैं। अक्षर पटेल को लेते हैं तो 8 पर खेलेंगे, तो खुलकर खेलो। यह गलती फाइनल में भी दोहराई गई।" सौरव बोले, "फाइनल में भारतीय टीम डरी डरी-सी दिखी। टीम ने रिस्क नहीं लिया। फाइनल जैसे मुकाबलों में उन्हें सोचना होगा कि हमें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। भारत बहुत अच्छी टीम है। उसने पिछले दो साल में काफी कुछ जीता है। टीम इंग्लैंड में दो टेस्ट मैच जीती। उससे पहले टीम ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के साथ सीरीज अपने नाम करने का कारनामा दिखा चुकी थी। उस मैच में ऋषभ पंत ने शानदार पारी खेली। तब कई बड़े खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। यहां ओवल में पहले दो सेशन में हम पीछे चले गए और वहां से रिकवरी नहीं हो सकी। टीम ने चढ़कर खेलने की कोशिश नहीं की।" पूर्व कप्तान ने कहा, "फाइनल में जो चीज मुझे नहीं दिखी वह यह थी कि चलो लड़ते हैं। यह अप्रोच मुझे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भी नहीं दिखी। हमारे खिलाड़ी उम्मीदों के बोझ तले दब गए। उससे निकलना जरूरी है। हार गए तो हार गए...इस टीम के पास इतनी प्रतिभा है, मैं समझ नहीं पा रहा कि क्या ये बार-बार हारेंगे। इस टीम को रिस्क लेने की जरूरत है। राहुल द्रविड़, टीम मैनेजमेंट को सोचना होगा कि डर को पीछे छोड़ना है।" गांगुली ने कहा, "जो भारतीय फैंस क्रिकेट देखते हैं, उनसे यही कहना चाहता हूं कि भारत दूसरी बार फाइनल पहुंचा है, इसकी तारीफ करनी चाहिए। हम जीत भी जाएंगे एक-दो बार। जीतने के लिए मैं समझता हूं कि बिना डरे खेलें। जब हम खेलते थे तो हमारे भी बल्ले के किनारे लगे हैं। हम भी हारे हैं। खुलकर खेलो...हारोगे ही...बीच-बीच में जीत भी जाओगे। जिस टीम में इतने बड़े-बड़े नाम है वह बार-बार वर्ल्ड चैंपियनशिप नहीं हारेगी।"

पेपरलीक और गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदेश भाजपा संगठन ने मंगलवार को पैदल मार्च करते हुये सचिवालय घेराव का कार्यक्रम आयोजित किया। सचिवालय की ओर बढ़ रहे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरीकेड लगाकर रोकने का प्रयास किया। तमाम प्रयासों के बावजूद पुलिस भाजपाइयों को रोकने में नाकाम रही। इस दौरान पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया और उन पर वॉटर कैनन भी चलाई। भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने भी स्टैच्यू सर्किल पर पुलिस बैरीकेड को पार करने की जमकर जद्दोजहद की। लाठीचार्ज और भारी बलप्रयोग के बावजूद भी कुछ भाजपा कार्यकर्ता सचिवालय तक पहुँचने में कामयाब हो गये और उन्होंने वहाँ पर गहलोत सरकार का पुतला दहन किया।

राहुल गांधी ने अमेरिका में की ट्रक की सवारी

कांग्रेस ने कहा कि, राहुल गांधी ने भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर के साथ 190 किलोमीटर की यात्रा की

- गौरतलब है कि, राहुल गांधी ने पिछले महीने की शुरुआत में दिल्ली से चंडीगढ़ तक ट्रक यात्रा की थी।
- कांग्रेस ने कहा है कि, राहुल गांधी की इस यात्रा का मकसद लोगों की रोजमर्रा की दिक्कतों से करीब से रूबरु होना है। कांग्रेस के अनुसार, राहुल ने अमेरिका में भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के रोजमर्रा के जीवन को नजदीक से जानने और समझने के लिए वहां ट्रक पर सवारी की।
- कांग्रेस की ओर से बयान में कहा गया कि, भारत में ट्रक ड्राइवर कम मजदूरी और रिकॉर्ड मूल्य वृद्धि के साथ घर पर संघर्ष करते हैं, वहीं अमेरिका में ट्रक चालकों को उनके श्रम के लिए उचित मजदूरी के साथ सम्मान मिलता है।

नई दिल्ली, 13 जून (वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के साथ ही विदेशों में भी लोगों से करीब से रूबरू होने का अपना सफर जारी रखते हुए हाल में अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रक की सवारी की।

कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा , गांधी भारतीय मूल के ट्रक चालकों के साथ वाशिंगटन डीसी से न्यूयॉर्क तक 190 किलोमीटर की दूरी ट्रक यात्रा के जरिए की। भारत में दिल्ली से चंडीगढ़ तक की ट्रक यात्रा की अमेरिका में भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के रोजमर्रा के जीवन को नजदीक से जानने और समझने के लिए उन्होंने वहां ट्रक पर सवारी की।

बयान में कहा गया कि जबकि यहां ट्रक ड्राइवर कम मजदूरी और रिकॉर्ड मूल्य वृद्धि के साथ घर पर संघर्ष करते हैं, वहीं अमेरिका में ट्रक चालकों को उनके श्रम के लिए उचित मजदूरी के साथ सम्मान मिलता है।

कांग्रेस ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर गांधी की एक ट्रक ड्राइवर के साथ बातचीत का नौ मिनट का वीडियो भी जारी किया। वीडियो में कांग्रेस नेता ग्रे टी-शर्ट पहने ट्रक पर सवार होते और सवारी करते नजर आ रहे हैं।

गौरतलब है कि पिछले महीने गांधी देर रात ट्रक पर सवार होकर दिल्ली से चंडीगढ़ पहुंचे थे और चालकों से उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा भी की थी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के खिलाफ तमिलनाडु वि.सभा में प्रस्ताव पारित

चेन्नई, 13 जून (वार्ता)। तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई के अन्नाद्रमुक की सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री ज़े. जयललिता के खिलाफ टिप्पणी का पुरजोर विरोध करने का प्रस्ताव पारित किया।

- तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल, अन्नाद्रमुक ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष, के. अन्नामलाई द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के खिलाफ की गई टिप्पणी का पुरजोर विरोध करने का प्रस्ताव पारित किया।

अन्नाद्रमुक के महासचिव और विपक्ष के नेता एडापल्ली के पलानीस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया। पलानीस्वामी ने मीडिया को प्रस्ताव पढ़कर बताया और अन्नामलाई की एक साक्षात्कार के दौरान अन्नाद्रमुक नेताओं और जयललिता पर की गई टिप्पणी को गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि जयललिता एक सम्मानित राष्ट्रीय नेता थीं।

'एयर इंडिया उपभोक्ता को टिकट के 7 लाख रू. वापस करे'

राज्य उपभोक्ता आयोग ने एजेंट की कार्रवाई के लिए एयर इंडिया को दोषी ठहराते हुए यह आदेश दिया

- आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा लगाए गए 50 हजार रू. के जुर्माने को भी बरकरार रखा।
- आयोग ने एयर इंडिया की अपील खारिज करते हुए कहा कि, यह कहने मात्र से उसकी जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती कि, टिकट फर्जी थे। अगर टिकट फर्जी थे तो एयर इंडिया को एजेंट के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करानी चाहिए थी।

जयपुर, 13 जून (का.सं.)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने एयर इंडिया की ओर से नियुक्त किए गए एजेंट की कार्रवाई के लिए भी एयर इंडिया को जिम्मेदार माना और आदेश दिया कि एयर टिकट के तौर पर उपभोक्ता से ली गई 7 लाख रुपए की राशि लौटाई जाए। राज्य आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग की ओर से एयर इंडिया पर लगाए 50 हजार रुपए के जुर्माने को भी बरकरार रखा है। आयोग के न्यायिक सदस्य निर्मल सिंह मेड़तवाल व सदस्य लियाकत अली ने एयर इंडिया लिमिटेड की अपील को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। आयोग ने कहा कि अपीलार्थी के यह कहने मात्र से उसकी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती कि उसे टिकट बुकिंग के रुपए नहीं मिले थे और टिकट फर्जी थे। यदि टिकट फर्जी भी थे तो एयर इंडिया को एजेंट के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवानी चाहिए थी।

मामले के अनुसार, परिवादी शैलेन्द्र भार्गव व मंजू भार्गव ने अन्य परिवारजनों के साथ भारत से अमेरिका जाने के लिए एयर इंडिया के अधिकृत एजेंट अर्श टूर, मुंबई के जरिए 8 व 9 मार्च 2020 को 7 लाख रुपए का भुगतान कर टिकट बुक कराए थे। एजेंट ने कन्फर्म टिकट बुक कर पीआरएन नंबर व टिकट नंबर दे दिया, लेकिन जब उन्होंने मई 2020 में अपने टिकटों की स्थिति देखी तो पता चला कि सभी टिकट रद्द कर दिए हैं, जबकि परिवादियों ने टिकट रद्द नहीं कराए थे। इसका कारण पूछने पर एयर इंडिया ने कहा कि एजेंट ने टिकट बनाकर खुद ही रद्द कर दिए हैं। जब परिवादियों ने एजेंट के ऑफिस पर पता किया तो वह बंद मिला। इस पर परिवादियों ने टिकट राशि रिफंड के लिए एयर इंडिया से संपर्क किया, लेकिन उसने कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया। एयर इंडिया व एजेंट की इस कार्रवाई को परिवादियों ने जिला उपभोक्ता आयोग में चुनौती दी थी। जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवादियों के पक्ष में फैसला दिया था। इस आदेश को एयर इंडिया ने राज्य आयोग में चुनौती दी थी।

कश्मीर में मंगलवार को घुसपैठ कर रहे दो आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 13 जून (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया।

- पुलिस ने बताया कि, एल.ओ.सी. के पास दोबनार माचिल सैक्टर में दो आतंकवादी सेना और पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए।

पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) के पास दोबनार माचिल सेक्टर में दो आतंकवादी सेना और कुपवाड़ा पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए।

पुलिस ने बयान में कहा कि तलाशी अभियान अभी तक जारी है।

शाहरुख खान पर नारकॉटिक्स अधिकारी को रिश्वत देने का मुकदमा चलेगा?

मुंबई हाई कोर्ट में शाहरुख खान के खिलाफ अपराधिक जनहित याचिका दायर की गई

- अदालत में इस याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। याचिका में कहा गया है कि, अभिनेता शाहरुख खान ने अपने बेटे से जुड़े ड्रग्स केस को ठीक से हैंडल करने के लिए इस केस की तहकीकात कर रहे नारकॉटिक्स अधिकारी समीर वानखेड़े को रिश्वत की पेशकश की थी।

मुंबई, 13 जून। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान पर अपने बेटे आर्यन खान को बचाने के लिए रिश्वत की पेशकश करने का आरोप लगा है। इस मामले में शाहरुख को आरोपी बनाने की मांग को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट में आपराधिक जनहित याचिका दायर की गई है। अदालत में इस याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। इसमें कहा गया है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो ने तत्कालीन पूर्व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुंबई के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ दर्ज की थी। वानखेड़े की ओर से शाहरुख के साथ केपी गोसावी के जरिए रिश्वत को लेकर बातचीत करने से जुड़ा यह मामला है। इसमें आर्यन को बचाने के लिए 25 से 18 करोड़ रुपये की रिश्वत राशि तय करने और 50 लाख रुपये नकद स्वीकार करने का आरोप है।

हाई कोर्ट में दायर याचिका में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 12 का हवाला दिया गया है। इसके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सूचित किए बिना किसी अधिकारी को पक्ष लेने के लिए रिश्वत देता है, तो ऐसा व्यक्ति अभियोग के लिए जिम्मेदार होगा। याचिका में शाहरुख खान और आर्यन खान के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई है। याचिका के अनुसार, उपरोक्त धारा शाहरुख खान और आर्यन खान पर लागू होती है। इस मामले के याचिकाकर्ता आर.के. पठान हैं जिनकी ओर से वकील नीलेश ओझा और तनवीर निजाम पेश होंगे।

याचिका में हाई कोर्ट से जबरन वसूली और रिश्वत मामले की जांच के लिए गठित करने की अपील की गई है। साथ ही शाहरुख खान और आर्यन खान को मामले में आरोपी के तौर पर जोड़ने का निर्देश देने के लिए भी कहा गया है। इसके जरिए, मुंबई पुलिस के उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है जिन्होंने जांच की और फिर समीर वानखेड़े व अन्य को भ्रष्टाचार के आरोपों से क्लीन चिट दी।

'जब व्यापारिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत और पाकिस्तान के बीच की व्यापारिक नीतियों के उदारीकरण से इन ट्रेड चैनलों को विधिवत स्वरूप देने में मदद मिल सकती है तथा कस्टम ड्यूटी के रूप में, संबंधित सरकारों के राजस्व में भी वृद्धि हो सकती है।

पाकिस्तान के एक बहुत बड़े व्यापारिक समूह के अध्यक्ष ने "द डॉन" को दिये एक इन्टरव्यू में भारत की केस स्टडी की ओर संकेत दिया था। नई दिल्ली ने करीब तीन दशक पहले अपने अंतिम आई.एम.एफ. प्रोग्राम के बाद, बहुत सख्त सुधार लागू किये थे और अब उसके श्रमिक उसके सुखद परिणाम पा रहे हैं। उन्होंने एक बात और कही थी, जिसे अब वहाँ के बहुत से लोग दोहरा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि अन्य क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं के साथ ही, भारत के व्यापार दोबारा शुरु करना पाकिस्तान के दीर्घकालीन स्थायित्व के लिए बहुत जरुरी है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि पाकिस्तान ने अपने पूर्वी पड़ोसी से अच्छे विचारों तथा सस्ते सामानों का आयात बंद कर दिया है। सरकार से इस पर पुनर्विार का अनुरोध करते हुये, बहुत से लोगों ने यह तर्क भी दिया है कि जब अन्य देशों, जिनमें लम्बे समय तक शत्रुता रही है, ने एक दूसरे के साथ आर्थिक संबंध रखने से इनकार नहीं किया है तो भारत और पाकिस्तान ऐसा क्यों कर रहे है?

यह मानना भी सुरक्षित ही है कि उन्नत व्यापारिक रिश्ते आगे चलकर भारत और पाकिस्तान के बीच के राजनैतिक मतभेदों को सुधारने में भी मदद कर सकते हैं।

उत्तर व पश्चिम भारत में सीटें कम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की भरपाई की जा सके। उत्तर और पश्चिमी भारत के कुछ राज्यों जहां भाजपा ने जीत हासिल की थी, में हालात बदल रहे हैं। इसलिए भाजपा ने उन क्षेत्रों में जमने का आक्रामक अभियान छेड़ दिया है जहां यह पहले कभी नहीं थी।

अब हाल ही में दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और चंद्रबाबू की मुलाकात के बाद किसी हद तक यह साफ हो गया है कि भाजपा व तेलुगुदेशम मिल कर चुनाव लडेंगी, इसी के साथ अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण भी गठबंधन का हिस्सा बन रहे हैं। पर्यवेक्षकों के अनुसार ये पूरी तरह से जीत के समीकरण हैं।

इससे भाजपा ने एक पक्का काम कर लिया है कि आंध्र से 20 से ज्यादा सांसदों का समर्थन मिलता रहे, भले ही गठबंधन हारे या जीते। अगर भाजपा तेलुगुदेशम के साथ मिल कर जीत गई तो ज्यादा अच्छा होगा और कही पार्टी का अनुमान गलत गया तो भी उसे जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाय.एस.आर. सी.पी. का समर्थन मिलता रहेगा।

इधर जगन मोहन रेड्डी ने तेलुगुदेशम-भाजपा गठबंधन को खारिज कर दिया और घोषणा की कि उनकी पार्टी राज्य में जीत रही है। अपने शासनकाल में जगन समाज के हर वर्ग को कुछ ना कुछ देने के लिए जाने जाते रहे हैं। तेलुगुदेशम के कुछ कट्टर समर्थकों के अलावा राज्य का सारा गरीब तबका जगन मोहन का समर्थक है।

भाजपा और तेलुगुदेशम ने चुनाव से पूर्व वाय.एस.आर.सी.पी. और रेड्डी पर हमला तेज कर दिया है, वे उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। राज्य का राजनैतिक तापमान चढ़ रहा है, आरोप-प्रत्यारोप के दौर चल रहे हैं और अब जब भाजपा ने अपने इरादे जता दिए हैं तो मुख्यमंत्री ने भी केन्द्र सरकार के खिलाफ बोलना शुरु कर दिया है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने अभी तक भी राज्य को स्पेशल पैकेज नहीं दिया जबकि इसका वादा केन्द्र ने राज्य के विभाजन के समय किया था। इस मुद्दे को वे अपने चुनाव अभियान में उठा रहे हैं। परंतु उनका अभियान पूरी तरह से जनता को मुफ्त सुविधाएं बांटने पर केन्द्रित है।

वाय.एस.आर.सी.पी. के वरिष्ठ नेताओं ने जगन पर आरोप लगाने के लिए भाजपा नेतृत्व पर हमला बोल दिया है। वरिष्ठ नेता व नागरिक आपूर्ति मंत्री के. वैंकट नागेश्वर राव ने भाजपा के याद दिलाया कि भाजपा की सरकार कई मानदंड़ों, जैसे शिक्षा में तीसरे नम्बर पर आना व कई अन्य क्षेत्रों में टॉप पर आने के लिए राज्य सरकार की तारीफ कर चुकी है और अब केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी के नेता आधारहीन आरोप लगा रहे है।

उन्होंने कहा कि, आप ने ये सभी रेटिंग्स दीं और अब आप आधारहीन आरोप लगा रहे हैं। क्या सरकार ने तेलुगुदेशम के शासन के सरकार को कोई आय हुई। हम राज्य में हजारों करोड़ रू. का निवेश ला रहे है।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने गत दिनों एक रैली में मौजूदा राज्य सरकार को अब तक सबसे भ्रष्टतम सरकार बताया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पूछा कि केन्द्र सरकार से राज्य का जो लाखों करोड़ रूपए मिले थे उनका क्या हुआ?

राज्य मंत्री के. सत्यनारायण ने भाजपा नेताओं की आलोचना की कि वे हरेक भारतीय के खाते में 15 लाख रू. जमा नहीं करा पाए, ना ही सारा काला धन वापस ला पाए। उन्होंने भाजपा नेतृत्व से पूछा कि उन्होंने अब तक आंध्र के लिए क्या किया है।

तमिलनाडू के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष को धमकाने व डराने के प्रयास कर रही है और इसके लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग मोदी सरकार की पहचान बन गई है।

अमेरिकी राजदूत ने भारत की डिजिटल क्रांति की खूब तारीफ की

- अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि, जब मैं भारत में डिजिटल पेमैंट और वित्तीय तकनीक को देखता हूं, तो मैं मानता हूं कि, हमने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है।
- इस दौरान उन्होंने एन.एस.ए अजीत डोभाल की भी जमकर तारीफ की। गार्सेटी ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय खजाना बताया। उन्होंने कहा, अजीत डोभाल, उत्तराखंड के एक गांव का लड़का न केवल एक राष्ट्रीय खजाना है, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय खजाना बन गया है।

नई दिल्ली, 13 जून। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी भारत की डिजिटल क्रांति के मुरीद हैं। उन्होंने मंगलवार को डिजिटल पेमेंट और वित्तीय प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति की जमकर तारीफ की। एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमेरिकी दूत ने कहा, "जब मैं भारत में डिजिटल पेमेंट और वित्तीय तकनीक को देखता हूं, तो मैं मानता हूं कि हमने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। एक गांव में एक चाय वाला भी अपने फोन में सरकार से सीधे पेमेंट लेता है.. वो भी पूरे के पूरे 100 फीसदी रुपये उसे मिलते हैं।"

उन्होंने कहा, "मैंने हाल ही में भारत में अनेक धर्मों के नेताओं के एक समूह के साथ डिनर किया, उनमें से एक ने कहा " हमने 4, 5 और 6 के बारे में बहुत बातें सुनी हैं, लेकिन यहां भारत में हमारे पास इससे अधिक शक्तिशाली कुछ है- वह है गुरुजी। " अमेरिकी राजदूत यू.एस.-इंडिया इनिशिएटिव ऑफ क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आई.सी.ई.टी.) कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन यह देखकर रोमांचित हैं कि यहां (भारत में) क्या हो रहा है। हम (पी.एम. मोदी की) राजकीय यात्रा के लिए तत्पर हैं। पी.एम. मोदी अगले सप्ताह वाशिंगटन में (यात्रा) शुरू करेंगे।" इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी जमकर तारीफ की। गार्सेटी ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय खजाना बताया। उन्होंने कहा, अजीत डोभाल, उत्तराखंड के एक गांव का लड़का जो न केवल एक राष्ट्रीय खजाना है बल्कि एक अन्तर्राष्ट्रीय खजाना बन गया है।

ट्विटर के पुराने कर्ता धर्ता डोरसी ने भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा, "जो कुछ कहा गया, वह जबरदस्त झूठ है।"

ठाकुर ने आगे कहा, "जैक डोरसी सालों बाद जागे हैं तथा अपने गलत कामों पर पर्दा डालना चाहते हैं। जब ट्विटर को एक अन्य व्यक्ति ने खरीद लिया था, तो "ट्विटर फाइल्स" से यह उजागर हुआ कि इस प्लेटफॉर्म का किस तरह दुरूपयोग किया जा रहा था। जैक डोरसी इस बात का जवाब आज तक नहीं दे सकें हैं क्योंकि उनकी पोल खुल चुकी है।"

आई.टी. के प्रभारी राज्यमंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा कि ट्विटर संस्थापक की टिप्पणियाँ "कल्पना" है तथा कम्पनी ने भारतवासियों और भारत सरकार के खिलाफ "भ्रामक सूचनाओं को सशक्त" किया है।

उन्होंने कहा, "भारत सरकार की यह मान्यता निरन्तर रही है कि कोई भी प्लेटफॉर्म, चाहे वह भारत का हो या विदेशी, छोटा हो या बड़ा, को अगर भारत में अपना काम करना है, तो उसे भारतीय कानून मानने ही होंगे।"

राजीव चन्द्रशेखर ने ट्विटर पर डाली गई अपनी लम्बी पोस्ट में जैक डोरसी की सजगता को लेकर कहा कि यह प्लेटफॉर्म "बार-बार एवं लगातार भारतीय कानून का उल्लंघन कर रहा था। उन्होंने कहा कि "डोरसी के ट्विटर साम्राज्य को भारतीय कानून को प्रभुसत्ता को स्वीकार करने में परेशानी थी।"

उन्होंने लिखा है, "सच्चाई तो यह है कि वे (ट्विटर) 2020 से लेकर 2022 तक बार-बार कानून की अवमानना कर रहे थे तथा सिर्फ उन्होंने जून 2022 में ही कानून की अनुपालना की। न तो कोई जेल गया और न ट्विटर बंद हुआ।"

चन्द्रशेखर आगे लिखते हैं, "डोरसी के ट्विटर साम्राज्य को भारतीय कानून की प्रभुसत्ता को स्वीकार करने में परेशानी थी। उसका व्यवहार इस प्रकार का था, मानो भारत के कानून उस पर लागू ही नहीं होते हों। भारत को, एक सम्प्रभु राष्ट्र होने के नाते, यह सुनिश्चित करने का अधिकार है कि भारत में कार्यरत सभी कम्पनियाँ उसके कानूनों का पालन कर रही हैं। जनवरी 2021 में आंदोलन के दौरान ऐसी बहुत सारी भ्रामक सूचनाएं यहां तक कि जाति संहार की रिपोर्ट थीं, जो निश्चित रूप से झूठी (फेक) थीं।"

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सरकार को "इस प्लेटफॉर्म से गलत जानकारियाँ हटाने के लिये बाध्य होना पड़ा, क्योंकि ऐसी संभावना थी कि झूठी खबरों के आधार पर, स्थिति और बिगड़ सकती है।"

उन्होंने आगे लिखा, "जैक के दौर में, ट्विटर पर पक्षपात पूर्ण रवैया बहुत ज्यादा था कि, और उन्हें भारत में इस प्लेटफॉर्म से झूठी सूचनाएं हटाने तक में परेशानी थीं। जब अमेरिका में ऐसी ही घटनाएं हुईं तो उन्होंने स्वयं ही ऐसा किया।

रिकॉर्ड को ठीक बनाये रखने के लिये, न तो किसी पर छापा मारा गया और न किसी को जेल भेजा गया। हमारा जोर केवल भारतीय कानून की अनुपालना को सुनिश्चित बनाये रखने पर था।"

चन्द्रशेखर ने कहा कि जनता के पास उन दिनों में, "जैक के ट्विटर की स्वेच्छाचारिता, खुली तरफदारी तथा भेदभावपूर्ण आचरण तथा इस प्लेटफॉर्म पर अपने अधिकारों के दुरूपयोग के "पर्याप्त प्रमाण" हैं।

आई.टी. मंत्री ने कहा, "डोरसी के दौर में, ट्विटर भारतीय कानून का उल्लंघन ही नहीं कर रहा था, बल्कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 19 के उल्लंघन में तथा गलत जानकारियों को मजबूत करने की सहायता में अपनी निरंकुशता की "डी-एम्प्लीफाइंग" तथा डी-प्लेटफॉर्मिंग को भी काम में ले रहा था। भारत में कार्यरत सभी माध्यमों (इन्टर मीडियवीज़) के लिये हमारी सरकार की नीतियाँ स्पष्ट रहती हैं- यह सुनिश्चित करने के लिये कि इन्टरनैट "सुरक्षित, "विश्वसनीय" तथा "जवाबदेह" है, कानूनों का पालन कीजिये।"

हजारों किसानों ने एक साल तक चला अपना आंदोलन नवम्बर 2021 में उस समय समाप्त कर दिया था, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी थी।

कांग्रेस ने कहा कि जैक डोरसी की टिप्पणियाँ सरकार द्वारा लोकतंत्र को कमजोर करने की जबरदस्त सबूत है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, "हम मांग करते हैं कि सरकार सोशल मीडिया को दबाना बंद करे, मीडिया को दबाना तथा मीडिया के बहुत बड़े वर्ग को फुसलाना बंद करे।"

सुप्रिया ने यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार ने ट्विटर पर दबाव डाला था कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अकाउन्ट को ब्लॉक कर दे। उन्होंने कहा कि अगस्त 2021 में, ट्विटर ने राहुल का अकाउन्ट ब्लॉक कर दिया था।

श्रीनेत ने कहा कि राहुल का अकाउन्ट बंद करने के लिये यह बहाना लिया गया था कि राहुल गांधी ने कुछ गाइडलाइनों का उल्लंघन किया है, जबकि राहुल द्वारा ट्विटर पर शेयर किया गया फोटो पीड़िता का नहीं, उसके परिजन का था।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि उसके बाद, एक अप्रत्यक्ष रोक लगाते हुए, इस माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर गांधी के फॉलोअर्स की बढ़ती संख्या को सीमित कर दिया गया था। बाद में, फरवरी 2022 में, "वॉलस्ट्रीट जर्नल" ने इस मुद्दे को एक बड़ी खबर का रूप देने की धमकी दी थी तथा इस विषय में ट्विटर को एक पत्र लिखा था। इसके परिणामस्वरूप, अप्रत्यक्ष प्रतिबंध हटा लिया गया था तथा गांधी के ट्वीट्स को सबस्क्राइब करने वाले लोगों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि सामने आ गई थी।

आई.टी.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विभाग रेंजर दिनेश मीणा, घांटा का गांव नाका प्रभारी राकेश पाटीदार, शैलेष सिंह राव आदि मौके पर पहुंचे। उदयपुर से भी लाल सिंह समेत रैस्क्यू टीम मंगलवार सुबह 4 बजे मौके पर पहुंची। तथापि, इससे पहले ही पैंथर दरवाजे के ऊपर लगा कांच तोड़कर वहाँ से निकल कर भाग गया। टीम को कांच तोड़कर पैंथर के निकलने के साक्ष्य मिले हैं तथा सर्च ऑपरेशन चलाया गया है।

मथुरा के प्रेम मंदिर परिसर में आग लगी

मथुरा, 13 जून। मथुरा-वृंदावन स्थित प्रसिद्ध प्रेम मंदिर के पिछले हिस्से में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। आग बुझाने के लिए फायर बिग्रेड की 2 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में पूरा आसमान काला हो गया। वीडियो में आग की भयंकर लपटें दिखाई दे रही हैं। हालांकि मौके पर पहुंचे फायरकर्मियों ने आग बुझाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। खबर लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की बात सामने नहीं आई है।

आग लगने के कारणों का पता किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस जगह पर ये आग लगी, वह मंदिर का पिछला हिस्सा है, जो कि एक स्टोर रूम था और उसमें लकड़ी का सामान भी रखा हुआ था। गौरतलब है कि वृंदावन का प्रेम मंदिर दुनियाभर में प्रसिद्ध है और दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु भगवान कृष्ण के दर्शन के लिए यहां आते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908